धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 16 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 159 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

सर्वजन की सरकार

सभी के हितों से सरोकार

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना की स्वीकृति मिल गई है। मेरे आवेदन को बैंक से जोड़कर उच्च शिक्षा हेतु रियायती दर पर मुझे ऋण उपलब्ध हो सकेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मुझे उच्च शिक्षा ग्रहण करने में समस्या आ रही थी। योजना का लाभ मिलने से मेरे जैसे कई युवाओं को पढ़ाई में काफी मदद मिलेगी।
आदित्य कुमार, बोकारो

रक्षा बंधन पर हेमन्त भैया ने हमें उपहार दिया है। हर माह हमें एक हजार और साल में 12 हजार रुपया प्राप्त होगा। मुझे दूसरी किस्त भी प्राप्त हो गई है। यह पैसा मेरी जरूरतों को पूरा करने में सहयोग करेगा।
दिव्या तिवारी, विश्रामपुर, पलामू।

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना
राज्य की **18 से 50** वर्ष तक की लाखों बहनों को हर साल **₹12 हजार** की सम्मान राशि

बैंक क्रेडिट/लिंकेज
राज्य की **2,60,994** महिला समूह को **₹11,225 करोड़** की राशि उपलब्ध करायी गयी

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना
20 हजार से अधिक स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार हेतु करोड़ों की राशि वितरित

राज्य संपोषित अबुआ आवास योजना
20 लाख गरीब परिवार को रसोई घर युक्त तीन कमरे का पक्का आवास

मुख्यमंत्री बिरसा स्वास्थ्य सुरक्षा योजना
15 लाख तक का स्वास्थ्य बिमा, **66 लाख** राशनकार्ड धारियों को लाभ

मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना
200 यूनिट तक बिजली उपभोग करने वाले **38.41 लाख** लाभुक का बिजली बकाया माफ

झारखण्ड कृषि ऋण माफी योजना
लगभग **6.5 लाख** किसानों को राहत, **₹1 हजार 900 करोड़** का ऋण माफ
ऋण माफी की राशि **₹50 हजार से बढ़कर ₹2 लाख** की गई

साइकिल वितरण योजना
8 लाख बच्चों को मिली साइकिल

CM उत्कृष्ट विद्यालय
80 स्कूल में CBSE माध्यम से पढ़ाई-लिखाई, पंचायत स्तर पर कुल **5 हजार** स्कूलों को उत्कृष्ट बनाया जा रहा है

प्री एवं पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप
35 लाख बच्चों को मिला लाभ

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना
9 लाख किशोरियों को **₹40 हजार** (प्रति किशोरी) की सहायता राशि

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड
15 लाख तक का ऋण, हजारों युवाओं को मिल रहा लाभ

मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशिय छात्रवृति योजना
विदेश में उच्च शिक्षा के लिए वंचित वर्ग के युवाओं को राज्य सरकार दे रही **100% स्कॉलरशिप**

साइकिल की राशि मिलने से हम जैसे ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए स्कूल जाने में सहूलियत रहती है। साइकिल मिल जाने से अब आने-जाने का कोई खर्च अलग से नहीं उठाना पड़ेगा, इसके लिए राज्य सरकार को बहुत-बहुत धन्यवाद।
गायत्रु मुंडा, कुडापूर्ति, मुरहू, खूंटी

अबुआ आवास के लिए मुझे दूसरी किस्त की राशि मिल चुकी है। इस राशि से मैंने घर के छत लेवल का काम पूर्ण कर लिया है। तीसरी किस्त की राशि जल्द मिलेगी, ऐसा प्रखंड कार्यालय द्वारा बताया गया है। किस्त मिलते ही घर के छत की ढलाई पूरा करूँगा। मेरा घर मिट्टी का था, लेकिन सरकार ने मुझे पक्का आवास दिया है। हेमंत सोरेन को जोहार।
सुजीत मुंडा, कांके, ग्राम चौबे खटंगा, रांची

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

चिंताजनक : राज्य के 16 जिलों में 59,249 हेक्टेयर कृषि भूमि हो गई है अम्लीय

छह जिलों की कृषि भूमि सबसे अधिक अम्लीय, घट गई उत्पादन क्षमता

- 24 जिलों में कुल 7970 हे. कृषि भूमि ही सिंचित क्षेत्र के दायरे में
- कृषि विभाग के आंकड़ों से हुआ खुलासा

रवि भारती। रांची

झारखंड के 16 जिलों की 59,249 हेक्टेयर कृषि भूमि अम्लीय हो गई है. इस हिसाब से एक लाख 46 हजार 407 हेक्टेयर कृषि भूमि अम्ल के चपेट में हैं. इसका खुलासा कृषि विभाग के आंकड़ों में हुआ है. आंकड़ों के अनुसार सबसे अधिक रांची और खूंटी को मिलाकर 7,698 हेक्टेयर, पश्चिमी सिंहभूम में 7,182 हेक्टेयर, गुमला में 5320 हेक्टेयर, गिरिडीह में 4941 हेक्टेयर, रामगढ़ और हजारीबाग को मिलाकर 5049 हेक्टेयर, और दुमका में 4410 हेक्टेयर भूमि अम्लीय हो गई है.

उत्पादन क्षमता पर पड़ रहा विपरित प्रभाव : मिट्टी के अम्लीय होने के कारण पौधों और खाद्यान की उत्पादन क्षमता पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है. अम्लीय मिट्टी के कारण पौधों में पोषक तत्वों की कमी हो गई है. कृषि विभाग के अनुसार पौधों के मुख्य पोषक तत्वों नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम, सल्फर, कैल्शियम, मैग्नीशियम और ट्रेस तत्व मोलिब्डेनम की उपलब्धता कम होने से उत्पादन पर विपरित असर हो रहा है.

किस जिले में कितने हेक्टेयर भूमि हो गई है अम्लीय

जिला	अम्लीय भूमि (हेक्टेयर में)
पाकुड़	1805
गोड्डा	2110
दुमका	4410
देवघर	2479
जामताड़ा	1802
गिरिडीह	4941
धनबाद	2086
बोकारो	2861
रामगढ़- हजारीबाग	5049
रांची-खूंटी	7698
सरायकेला-खरसांवा	2725
पूर्वी सिंहभूम	3533
पश्चिमी सिंहभूम	7182
लोहरदगा	1491
गुमला	5320
सिमडेगा	3757

किस जिले में कितने हेक्टेयर भूमि है सिंचित

जिला	पूर्ण सिंचित भूमि (हे. में)
साहिबगंज	202
गोड्डा	232
पाकुड़	182
दुमका	379
जामताड़ा	179
देवघर	248
धनबाद	204
गिरिडीह	493
बोकारो	289
कोडरमा	130
हजारीबाग-रामगढ़	605
रांची-खूंटी	758
सरायकेला-खरसांवा	237
पूर्वी सिंहभूम	557
पश्चिमी सिंहभूम	563
चतरा	376
लोहरदगा	154
लातेहार	319
गुमला	539
सिमडेगा	372
पलामू	525
गढ़वा	429

प्रदेश में सिर्फ 7970 हेक्टेयर ही है सिंचित क्षेत्र : प्रदेश के सभी जिलों में पूर्ण रूप से सिंचित क्षेत्र 7970 हेक्टेयर ही है. इस हिसाब से 19,716.54 एकड़ ही पूर्ण रूप से सिंचित क्षेत्र के दायरे में है. बताते चलें कि झारखंड में 38 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि है. इसमें सिर्फ 12 फीसदी कृषि भूमि पर ही सिंचाई की सुविधा उपलब्ध है. 26 से 27 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर होने वाली खेती वर्षा पर ही निर्भर है.

अपनों को उल्लू बनाया, पहले चढ़ाया, मतलब निकला, तो ढुला-ढुला के साइड लगाया

संजय सिंह

ई है कोईला नगरिया तू देख बबुआ... जी ई कोयला नगरिया ने ढेरे कोईला चोर, कोईला माफिया पैदा किया है. कोईला की कमाई से बउरईनी धरीश तो कई गो नेताजी भी पैदा किहीस है. ई हे कोईला नगरिया से एगो कोयला बेचेवाले नेतई करे लगे. अब तो नेताजी दिल्ली देने उड़ गईल हैं. लेकिन कोईला नगरिया की पैदाईश हैं, तो ईहां तो रहबे न करेंगे. फिर कोईला के खेला-मेला भी तो करेला है न भाई. न तो माल केने से आएगा. कोईला के खेला में वर्चस्व बनाइले रखेला लोकल स्तर पर अपन लोगबाग के फिट रखे पड़ेगा ना भाई. तो जन्मस्थली से अपनी जनाना न तो भाई जी के कमल ब्रांड क्लिनिंग मशील लगी पेरवी-पउवा भिड़ावे में जुटल हैं. लेकिन जब नेताजी दिल्ली जाए लगी टिकट हथायाले आए थे, तो पार्टियावाला लोगबाग खूब चिल्लपों मचाईले था. बेचारे विरोध करेवाले लोगन के घरे-घरे खूबे छिछिआए थे. लेकिन बुझा गईल था कि विरोध करेवाला लोग को भितरिए-भितरिए घात करबे करेगा, तो छह गो विधानसभा वाला इलाका में कुछ अपन करीबी लोगन के पटियाए. ऊ लोगन के खूबे तेल-मालिश किहिन... हांका खीचें, बस-बस, एक बेर तो तनिका जंग जीत लेवे दो भाई, तू लोग के तो चांदिए-चांदिए रहेगा. अरे, जीते तो हमरे न चलेगा. बाकी बड़का नेताजी लोगन के पटियाएवे में हमरा से के सकेगा रे भाई. अपने लोगन को अईसन सब्जबाग दिखाया कि पूछिए मत. अब विधानसभा चुनाउवा नियराईल है, तो खासमखाश लोग ललकाईल है. अब नेताजी के अकबकईनी ढुकल है. ई तो अपने ही चक्कर में लगल हैं.. काहें कि पहिले घरवा भरेगा, तबे न दूसर खातिर कुछ करे सकेंगे. तो नेताजी ऐने-ऊने खुदे ढुलकल फिर रहे हैं और अपने लोगन को ढुला-ढुला के साईड लगाईले हैं. बुझाईए न रहा कि ऊ लोग के कईसे टैकल करें. वईसे ई नेताजी और अपने जईसन अउरो कोल ग्रुपवाला चंगु-मंगुअन के साथ एगो टाईगर ग्रुप भी बनाईले थे. तैयारी तो एगो बड़का वाला गांव देने से लेकर पूरा कोईला पट्टी में टाईगर गिरोह के दबदबा बनावे ला था. लेकिन गच्चा का गिये.सफलता नहीं मिली, लेकिन टाईगर ग्रुपवा के कई गो चंगु-मंगुअन के नेतागीरी के चस्का लगा दीहिन. जब दिल्ली जाए लगी नेताजी एड़ी-चोटी एक कईले थे, पसीने से तरबतर थे, तो ई टाईगर ग्रुप के चंगु-मंगुवन सबके चढ़ाईले थे. कहे लगे थे, बस-बस यारा, एक बेर दिल्ली पहुंचे न दो, तू लोग के तो मस्ती रहेबे करेगा. ढेरे टाईगरवन के चढ़ा-चढ़ा के एतना फुला दीहिन कि पूछिए मत. खैर ई नेताजी दिल्ली तो पहुंच गईन, लेकिन जेकरा-जेकरा चढ़ाईले थे, उ सब हांफले है. ऊ लोग दांत निपोरले था टिकट लगी, लेकिन नेताजी ऊ लोग से भागल-भागल फिर रहे हैं. अपन लोग के जेने-तेने ढुलका-ढुलका के साइड धराइले हैं. दिल्ली लगी पैडल मारे समय नेताजी अपन जे-जे लोग के सब्जबाग दिखाइले थे, ऊ लोग के बुझाए लगा है कि नेताजी उल्लू बना दीहिन हैं. कहे लगे हैं कि पहिले नेताजी ऊ लोगन के खूब चढ़ाईले थे. अईसन ललचाईले थे कि पूछिए मत. लेकिन चुनाउवा जीते के बाद तो नेताजी पलटनिया मार दीहिन हैं. अब भला बताई न..य अपन लोग के ढुला-ढुला के ढुलकी खेलावेवाले नेताजी भला कहां से सीटिंग, वेटिंग फॉर सीटिंग के साइड लगाके अपन लोग के सेट करे पाएंगे. इसीलिए खुद हूं ढुलमुलाईले फिर रहे हैं. जाने लगे हैं कि ढेर ई सब के चक्कर में पड़ेंगे, तो न तो अपन जनाना के आगे कर पाएंगे, न छोटकवा के भाई नेताजी तो हैं बहुते चतुर चालाक. उनके बुझाए लग गईल है कि भले ही दिल्ली पहुंच गिये हैं, लेकिन सच तो ईहे है कि ई बड़की पार्टिया में उनकी हैसियत बिल्लईए जईसन है. वईसे नेताजी फोकसिया टाइटे कईले फिरते हैं. लेकिन ई बुझाए लगा है कि ईहां ढेरे टरर-टरर कईला से कोई फायदा न होवेवाला है. नेताजी के मालूम है कि खिसियाईल-रिसाईल साथी लोगन के कईसे पटावे ला है. अरे तनिका-तनिका कोल ब्रांड मालवा पियावेंगे, तो बात बनिए जाएगा. वईसे ई महोदय जी अभी अपन जनानी और छोटका लगी माल-पत्तर छीटले हैं. अब देखिए आगे-आगे ई नेताजी का गुल खिलाते हैं. बीवी-भाई के कमल ब्रांड क्लीनिंग मशीनवा में ढुकावे सकते हैं, हबकुनिए फेंकाते हैं. वईसे खुदे ढेरे केस मुकदमा में अझुराईल हैं, लेकिन कमल ब्रांड क्लीनिंग मशीनवा में आवे के बाद से नेताजी के भरोसा हो गईल है कि दागिया छूट जाएगा. वईसे ई पार्टिया के बड़का नेताजी लोगन तो ईहो कहते हैं, भाई ई दाग अच्छे हैं.

चुनावी चकल्लस

ब्रीफ खबरें

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से एक बंदी हुआ रिहा

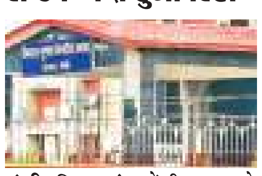

रांची। बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से रविवार को एक बंदी हुआ रिहा. झालसा निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार जेल अदालत का आयोजन किया गया था. यह आयोजन डालसा सचिव कमलेश बेहरा की अध्यक्षता में किया गया. इस दौरान विभिन्न न्यायालयों में लंबित वाद निष्पादन के निमित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार में संसीमित आठ बंदियों का आवेदन जेल अदालत के लिए समर्पित किया गया था, जिसमें वादों का निष्पादन करते हुए एक बंदी को दोष स्वीकार के बाद जेल अदालत का लाभ देते हुए कारा से मुक्त किया गया. इसके अलावा जेल अदालत सह-विधिक जागरूकता शिविर में बंदियों को विधिक जागरूकता के अंतर्गत एलएडीसी अधिवक्ता, रांची द्वारा नालसा और डालसा द्वारा बंदियों को दी गई कानूनी सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया और उनके द्वारा प्रतिक्रिया भी ली गई.

स्क्रीनिंग के नाम पर की जा रही खानापूर्ति, करमा पर्व के मौके पर प्रत्याशियों का इंटरव्यू लिया

विधानसभा चुनाव की तैयारी या आईवॉश

कौशल आनंद। रांची

- प्रत्याशी कैसे ला पाएंगे समर्थक-हर विस से आठ से दस दावेदार आ रहे हैं सामने
- प्रत्याशी बता रहे हैं वे क्यों हैं दावेदार, शहरी सीट कांग्रेस को ही लड़ने का दबाव
- दावेदारी के दावे और पार्टी की जमीनी हकीकत जानने के लिए कांग्रेस ने सर्वे कराने के लिए उतारे तीन-तीन टीम

हर पार्टी की तरह कांग्रेस भी विधानसभा चुनाव तैयारी पूरे जोर-शोर से कर रही है. नए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश लगातार जिलों के दौरे पर हैं. निजी तौर पर कांग्रेस कार्यकर्ता से संवाद स्थापित कर रहे हैं. इसके साथ ही पार्टी पूरी 81 सीट पर चुनाव तैयारी को लेकर अपनी ताकत आंकने में जुटी है. प्रत्याशियों के चयन के लिए स्क्रीनिंग कमेटी भी सक्रिय है. हर दिन पांच से सात विधानसभा सीट के लिए आए आवेदन और आवेदकों का इंटरव्यू किया जा रहा है. मगर इंटरव्यू का जो तरीका और टाइमिंग तय किया जा रहा है. उस पर सवाल उठने लगे हैं. झारखंड में करमा आदिवासी-मूलवासियों का अहम त्योहार के रूप में जाना जाता है. अधिकांश लोगों तीन से चार दिन उस पर्व में न चाहते हुए भी बिजी रहते हैं. अब ऐसे वक्त पर दावेदारों का इंटरव्यू बंद कमरे में कराना कहां से उचित है. चुनाव लड़ने के इच्छुक व्यक्ति चाह कर भी अपने समर्थकों की भीड़ नहीं जुटा पा रहे हैं. यानि कि दावेदारों की दावेदारी को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है. सवाल उठाया जा रहा है कि स्क्रीनिंग कमेटी के पदाधिकारी भले दूसरे राज्य के हैं, मगर स्थानीय नेता क्यों करमा जैसे पर्व पर इंटरव्यू का तिथि तय कर रहे हैं. रविवार को लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, कोलेबिरा, सिसई, विशुनपुर और खूंटी विधानसभा सीट के दावेदारों की स्क्रीनिंग होगी. जबकि यह सीट पूर्णतः आदिवासी बहुल है और रविवार को करमा पर्व का बसौड़ी है, जिसमें आदिवासी समुदाय बिजी रहेंगे. इसलिए इस इंटरव्यू को आईवॉश ही कहा जा रहा है. अंततः सीट और प्रत्याशी तो प्रदेश के बड़े नेता और पार्टी नेतृत्व ही करेगी, क्योंकि कांग्रेस तो इंडिया गठबंधन के तहत ही चुनाव लड़ेगी, सीट भी करीब-करीब तय है.

हटिया सीट पर अजय नाथ शाहदेव को अपनों से ही अधिक खतरा

हटिया सीट से प्रबल और स्वाभाविक दावेदार अजय नाथ शाहदेव ही हैं. मगर उन्हें दूसरों से अधिक अपनों से ही खतरा है. गत दिवस हुए स्क्रीनिंग और इंटरव्यू में हटिया सीट के प्रबल दावेदार अजय नाथ शाहदेव, आलोक कुमार दूबे, विनय सिन्हा दीपू, लाल प्रेमनाथ शाहदेव, किशोर शाहदेव, आलोक दूबे, अमरेंद्र सिंह और अभिलाष साहू आदि शामिल हुए. जिसमें करीब-करीब सभी ने अजय नाथ शादहेव की दावेदारी को चुनौती दी. कहा कि अगर वे चाहते तो 2019 में ही चुनाव जीत जाते, मगर वे हार गए. दूसरा वे दूसरे पार्टी के भी संपर्क में बने हुए हैं. कब वे कहां चले जाएंगे, पता नहीं. वे ग्रास रूट कांग्रेसी भी नहीं रहे हैं. इसलिए हटिया सीट से ग्राम रूट कांग्रेसी को ही टिकट दिया जाना चाहिए.

रांची सहित अन्य शहरी सीट कांग्रेस के लिए छोड़ने का दिया जा रहा स्क्रीनिंग कमेटी को तर्क

गत दिवस रांची, हटिया, खिजरी, कांके, मांडर और सिल्ली के लिए स्क्रीनिंग और इंटरव्यू हुआ. जिसमें शहरी सीट रांची और हटिया को लेकर अधिक दावेदार सामने आए. सभी का इंटरव्यू हुआ, जिसमें स्क्रीनिंग कमेटी के पदाधिकारियों को दावेदारों ने तर्क दिया कि रांची वैश्य बहुल सीट है. उपर से यह शहरी सीट रहा है. कभी इस सीट पर कांग्रेस का एकछत्र राज चलता था. इसलिए यह सीट कांग्रेस को ही लड़ना चाहिए. इतना ही राज्य के अन्य शहरी सीट पर भी कांग्रेस को लड़ने का सुझाव दिया जा रहा है. दावेदारों से उनके दावेदारी का तर्क और कारण पूछा जा रहा है.

कांग्रेस पार्टी ने उतारी सर्वे टीम, कई बिंदुओं पर कर रही है रिपोर्ट तैयार

कांग्रेस पार्टी दावेदारों के दावेदारी और पार्टी की ग्राऊंड लेबल स्थिति जानने के लिए तीन-तीन सर्वे टीम तैनात कर दी है. यह टीम तीन से चार बिंदुओं पर सर्वे करके अपनी रिपोर्ट पार्टी केंद्रीय नेतृत्व को देगी. सर्वे टीम कौन सा प्रत्याशी जिताऊ होगा? पार्टी किस सीट पर अधिक मजबूत है? सीटिंग विधायक की वर्तमान में क्या स्थिति है अर्थात फिर से जीतने की स्थिति में है या नहीं? हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही गठबंधन की सरकार की काम-काज को लेकर ग्राउंड में क्या स्थिति है? आदि बिंदुओं पर रिपोर्ट तैयारी करेगी.

यह दुष्प्रचार किया गया कि झारखंड आदिवासी बहुल राज्य है : मंच

ओबीसी एकता अधिकार मंच सभी विस सीटों पर चुनाव लड़ेगा: बीडी प्रसाद

संवाददाता। रांची

ओबीसी एकता अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद ने कहा है कि ओबीसी एकता अधिकार मंच राज्य की सभी 81 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में है. हमारा राज्य ओबीसी बहुल है. इसलिए स्वाभाविक रूप से हम राजनीति में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करेंगे. उन्होंने कहा कि जहां अनारक्षित सीट होगी वहां हम ओबीसी प्रत्याशी देने की तैयारी करेंगे. इसके अलावा जहां आरक्षित सीट है, वहां हम ओबीसी एकता अधिकार मंच के समर्थित प्रत्याशियों को टिकट देने का काम करेंगे. इस संबंध में श्री प्रसाद ने शनिवार को एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया है.

श्री प्रसाद ने कहा कि झारखंड में यह लंबे समय से यह प्रोपगेंडा फैलाया गया कि झारखंड आदिवासी बहुल राज्य है. उन्होंने दावा किया कि पलामू प्रमंडल में 11 सीटों पर हमारे प्रत्याशी मजबूती से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि पलामू प्रमंडल और उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल और रांची सहित कई अन्य जिलों में ओबीसी की आबादी करीब 65 प्रतिशत है. पूरे राज्य के अन्य हिस्सों में हमारी आबादी करीब 52-53 प्रतिशत है. हम ओबीसी समाज के हक-अधिकार के लिए कृत संकल्पित हैं. इससे हमें कोई डिगा नहीं सकता. अब ओबीसी समाज राजनीति में प्रमुख रूप से अपनी सहभागिता निभाएगा, क्योंकि हमारे समाज के बिना राज्य में सरकार नहीं बन सकती.

उन्होंने कहा कि 2020 से लटक रहे नगर निकाय चुनाव को टालने का राज्य सरकार लगातार प्रयास कर रही है. झारखंड हाईकोर्ट में बार-बार सरकार को फटकार पड़ रही है. इसके बावजूद सरकार कोई न कोई बहाने बनाकर चुनाव से पल्ला झाड़ना चाह रही है. इससे सरकार की मंशा का पता चलता है. उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार ओबीसी को समुचित आरक्षण देने की वकालत करती है वहीं दूसरी ओर कोर्ट में निकाय चुनाव को रोकने पर भी आमादा है. उन्होंने कहा कि सरकार ने जनवरी में राज्य में एक साथ सभी नगर निकायों का चुनाव कराने का निर्णय लिया था, जिसकी तैयारी फरवरी 2023 में लगभग पूरी हो चुकी थी.

मीडिया को जानकारी देते बीडी प्रसाद व अन्य

मूलवासी सदान मोर्चा रांची जिला की ओर से विचार गोष्ठी आयोजित

आंदोलन से जुड़े लोगों को राष्ट्रीय दल उम्मीदवार बनाएं: राजेंद्र

संवाददाता। रांची

हम सदान राजनीतिक दलों के लिए अपना जीवन दे देते हैं लेकिन सदानों के अधिकारों को लेकर संघर्ष करने वाले लोगों की बाल बच्चों के भविष्य और अधिकार के लिए कोई दल कुछ नहीं करते हैं. वैसे सदान, सांसद विधायक भी हमारे कोई काम के नहीं जो मूलवासी सदानों की उपेक्षा पर चुप रहते हैं. जिन्हें हम जिता सकते हैं, उन्हें हरा भी सकते हैं. उक्त बातें रविवार को मूलवासी सदान मोर्चा रांची जिला की ओर से आयोजित विचार गोष्ठी रातू के आम टांड़ में मुख्य अतिथि मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने कही.

राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि 65% मूलवासी सदानों के लिए झारखंड में विकट स्थिति पैदा हो गई है. अब सदानों की भाषा संस्कृति पर भी हमला हो रहा है. सदानों ने सामाजिक संगठन के रूप में राजनीतिक दल को जिताने और हराने के लिए काम करते रहे हैं. अब उन राजनीतिक दलों का दायित्व है, की मूलवासी सदान संगठन से जुड़े लोगों को भी विधानसभा का टिकट दें.

मूलवासी सदान मोर्चा

जिला अध्यक्ष मुरारी गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया. प्रदीप प्रकाश ने कहा कि मूलवासी सदानों की मांगों को राजनीतिक दल अपने मेनिफेस्टो में शामिल करें. बासुदेव महतो ने कहा कि कुछ ऐसे राजनीतिक दल है, जिसका झारखंड में कोई जनाधार नहीं है. इसके बावजूद राष्ट्रीय पार्टी गठबंधन कर विधानसभा में टिकट मांग रही है. कार्यक्रम का संचालन हजारी प्रसाद मोदी ने किया. धन्यवाद ज्ञापन इंद्राणी देवी ने किया.

कायस्थ महासभा ने सांसद संजय सेठ व रेल मंत्री को भेजा पत्र

रांची से भोपाल होते हुई इंदौर के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू हो

रांची। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की झारखंड शाखा के प्रवक्ता सह रांची जिला अध्यक्ष शैलेश कुमार सिन्हा ने राजधानी रांची से मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल होते हुए इंदौर तक सीधी रेल सेवा की मांग करते हुए सांसद सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और रेल मंत्री को ज्ञापन सौंपा है. सिन्हा ने कहा है कि रांची की इंदौर से सीधी रेल कनेक्टिविची नहीं होने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. नतीजतन आम लोगों को भोपाल और इंदौर जाने के लिए 8 से 10 घंटे ज्यादा बर्बाद हो जाते हैं और वरिष्ठ नागरिकों को एक की जगह दो -दो बार ट्रेन पकड़ने के लिए प्लेटफार्म बदलना पड़ता है. ऐसे में खास कर बुजुर्गों को भारी समस्या होती है. रांची से इंदौर के लिए सीधी ट्रेन सेवा की सुविधा नहीं होने के कारण परिवार के बुजुर्ग अपने परिजनों से मिलने से वंचित हो जाते हैं.

आंकड़ा **डेढ़ महीने पहले राज्य की जेलों में 5312 सजायफ्ता कैदी थे**

झारखंड की जेलों में 127 सजायफ्ता कैदी कम हुए

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड की जेलों में 127 सजायफ्ता कैदी कम हुए, इसके साथ ही अंडर ट्रायल कैदी की संख्या में भी कमी आयी है. आज से डेढ़ महीने पहले राज्य के जेल में 5312 सजायफ्ता कैदी बंद थे. वर्तमान में 5194 कैदी बंद है. वहीं दूसरी तरफ डेढ़ महीने पहले 12397 अंडर ट्रायल कैदी जेल में बंद थे. वर्तमान में जिसकी संख्या कम होकर 12339 रह गयी है. झारखंड में कुल 31 जेल हैं. जिनमें सात सेंट्रल जेल, 16 डिस्ट्रिक्ट जेल, हजारीबाग में एक ओपन जेल और सात सब-जेल हैं. इन जेलों में कुल 17533 कुल कैदी बंद हैं.

856 महिला कैदी, पर अब तक नहीं बन सकी एक भी महिला जेल : झारखंड में कुल 868 महिला कैदी हैं. लेकिन यहां अब तक महिला कैदियों के लिए अलग से जेल नहीं बनाई गई है. जबकि पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल और बिहार में महिलाओं के लिए अलग से जेल है. तमिलनाडु में 13 महिला जेल हैं, जिसमें 790 महिला कैदी को रखा गया है. केरल के चार महिला जेलों में 186 महिला बंदी हैं. राजस्थान में सात महिला जेल में 688 महिला बंदी हैं. बिहार में 2890 महिलाएं जेल में बंद हैं. बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, गुजरात जैसे राज्य में दो-दो महिला जेल हैं.

जानें किस जेल में कितने कैदी हैं बंद

जेल	सजायफ्ता	अंडर ट्रायल	जेल	सजायफ्ता	अंडर ट्रायल
रांची	1334	1821	लातेहार	07	399
देवघर	110	300	लोहरदगा	32	260
दुमका	651	533	पाकुड	33	282
जमशेदपुर	995	694	साहिबगंज	38	248
गिरिडीह	122	575	साकची	35	184
हजारीबाग	1079	547	सरायकेला	10	427
पलामू	336	712	सिमडेगा	10	360
चाईबासा	62	803	बरही	00	05
चास	77	230	घाटशिला	06	176
चतरा	19	447	खूंटी	06	493
धनबाद	63	585	मधुपुर	27	123
गढ़वा	57	416	रामगढ़	03	255
गोड्डा	05	324	राजमहल	01	102
गुमला	42	456	तेनुघाट	17	168
जामता	04	151	ओपन जेल	05	64
कोडरमा	09	197	**कुल**	**5194**	**12339**

क्लासिफाइड

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, सोमवार 16 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 159 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	24.8	23.9
जमशेदपुर	25.3	22.6
डालटनगंज	27.4	23.4

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,500
चांदी (किलो)	90,000

पीएम ने दी कई सौगातें

- 660 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं की डिजिटल माध्यम से शुरुआत की
- देवघर में मधुपुर बाईपास लाइन-हजारीबाग टाउन कोचिंग डिपो की आधारशिला रखी
- कुरकुरा-कनारौन रेल दोहरीकरण परियोजना भी राष्ट्र को समर्पित की
- पीएमएवाई-जी के तहत 32, 000 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए
- घरों के लिए 32 करोड़ की पहली किश्त जारी की
- देश भर में पीएमएवाई – जी के 46,000 लाभार्थियों को चाबियां भी सौंपी

ब्रीफ खबरें

एक देश-एक चुनाव पर सरकार गंभीर

नयी दिल्ली। भाजपानीत एनडीए सरकार अपने इसी कार्यकाल में एक देश, एक चुनाव को लागू कर सकती है. एनडीए को भरोसा है कि इस पर सभी दलों का साथ मिलेगा. पीएम नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर यह जानकारी सामने आई है. पीएम ने पिछले महीने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से अपने संबोधन में एक देश, एक चुनाव की जोरदार वकालत की थी.

भूटान भी नहीं होने देगा भारत विरोधी गतिविधियां

नयी दिल्ली। हिमालय की गोद में बसा देश भूटान अपने शांतिपूर्ण जीवन, प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है. भूटान ने घोषणा की है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल नहीं होने देगा. भूटान ने कहा है कि आतंकवाद के मुद्दे पर वह पूरी तरह भारत के साथ है.

पीएम मोदी ओडिशा की महिलाओं को देंगे तोहफा

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी अपने जन्मदिन 17 सितंबर को ओडिशा की महिलाओं के लिए सुभद्रा योजना का शुभारंभ करने जा रहे हैं. केंद्रीय शिक्षा मंत्री और पश्चिम ओडिशा का केंद्र कहे जाने वाली संबलपुर लोकसभा सीट से बड़ी जीत हासिल करने वाले धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सुभद्रा योजना को लेकर ओड़िशा की मातृशक्ति में अद्भुत उत्साह है.

जादू-टोना के शक में 5 को उतारा मौत के घाट

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल सुकमा जिले के एक गांव में रविवार को जादू-टोना करने के शक में दो दंपती समेत एक अन्य महिला की कथित तौर पर पीट-पीटकर पांच लोगों की हत्या कर दी गई. पुलिस ने बताया कि हत्या के सिलसिले में एक ही गांव के पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है. पुलिस ने बताया कि हत्या की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए.

मालदा में कांग्रेस नेता की गोली मारकर हत्या

मालदा। पश्चिम बंगाल के मालदा में रविवार को बदमाशों ने दिनदहाड़े कांग्रेस के एक नेता की हत्या कर दी. घटना मानिकचक के धरमपुर स्टैंड के पास स्थित बाजार में घटी. मृतक का नाम शेख सैफुद्दीन था, जो कांग्रेस से जुड़ा हुआ था. हमले में कांग्रेस नेता ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. मृतक के बेटे ने इस हमले का आरोप टीएमसी के अपराधियों पर लगाया है.

विज ने कर दी सीएम पद की दावेदारी

चंडीगढ़। हरियाणा विस चुनाव को लेकर रस्साकशी लगातार बढ़ती जा रही है. इसी कड़ी में, भाजपा नेता और मंत्री अनिल विज ने सीएम पद पर दावा ठोक दिया है. उन्होंने कहा, भाजपा में सबसे सीनियर होने के नाते मैं यह मांग रखूंगा कि अगर पार्टी सत्ता में आए, तो उन्हें सीएम बनाया जाना चाहिए.

झारखंड दौरा : पीएम नरेंद्र मोदी ने जमशेदपुर में फूंका विधानसभा चुनाव का बिगुल, कहा

झामुमो में घुस गया कांग्रेस का भूत, हो जाएं सावधान

शुभम संदेश टीम। जमशेदपुर/रांची

पीएम नरेंद्र मोदी ने झारखंड गठबंधन सरकार पर जम कर निशाना साधा है. कहा कि झारखंड के तीन बड़े दुश्मन हैं. झामुमो, आरजेडी और कांग्रेस. यहां के लोग इन्हें जल्दी पहचान लेंगे, तो ही राज्य का भाग्य सुधरेगा. कांग्रेस को झारखंड से नफरत है. राजद आज भी झारखंड निर्माण का बदला ले रहा है. कांग्रेस ने दलित, पिछड़ों-आदिवासियों को आगे बढ़ने नहीं दिया. पीएम मोदी रविवार को जमशेदपुर के गोपाल मैदान में जनसभा में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि भाजपा केंद्र में रह कर भी सेवा भाव से काम कर रही है. झारखंड में भाजपा को मौका दें. मौके पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, हिमंता विस्वा सरमा, संजय सेठ, बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, चंपाई सोरेन, अमर बाउरी समेत कई अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे.

पनप रहे नौकरी बेचने वाले गिरोह : पीएम ने कहा कि हर साल जेएसएससी परीक्षा करवाने का वादा किया. लेकिन वादा पूरा करने की जगह सरकार के संरक्षण में नौकरी बेचने वाले गिरोह पनप रहे हैं. यहां पेपर लीक करने वालों को सह दी जा रही. युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली ऐसी सरकार को हटाना ही होगा. जनता झारखंड के विकास के लिए वोट करेगी.

देश की महाबेईमान पार्टी है कांग्रेस : पीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की महाबेईमान और भ्रष्ट पार्टी है कांग्रेस पार्टी. इस देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है कांग्रेस का परिवार. भ्रष्टाचार की सारी धाराएं वहीं से निकलती हैं. जेएमएम वाले भी उसी स्कूल से ट्रेनिंग लेते हैं. उस स्कूल का नाम है कांग्रेस स्कूल ऑफ करप्शन. झामुमो ने पांच साल में केवल एक ही काम किया है. झारखंड की लूट और चारों तरफ भ्रष्टाचार. पीएम ने कहा कि झामुमो में भी कांग्रेस का भूत घुस गया है. झामुमो भी कांग्रेस की तरह परिवार की राजनीति कर रहा. परिवारवादियों ने ही देश को लूटा है. इनसे सावधान रहें.

मंईयां और अबुआ आवास के नाम पर हो रही वसूली

पीएम ने मईंया सम्मान योजना और अबुआ आवास योजना को लेकर भी हेमंत सरकार पर तंज कसा. कहा कि मंईंया सम्मान योजना के नाम पर 3000-3000 और अबुआ आवास के नाम पर 25 हजार तक की वसूली हो रही है. केंद्र की योजनाओं पर भी ये पिछले दरवाजे से घुस कर वसूली कर रहे हैं. राज्य सरकार ने पेट्रोल-डीजल देने की बात कही थी. यह योजना भी झूठा दिलासा देने वाली निकली. महिलाओं को पैसे देने के नाम पर नए-नए तिकड़म लगा रहे हैं. ऐसे लोगों को सरकार से निकालना है. झारखंड में झूठ की दुकान खोली जा रही है. जेएमएम वाले भी जब कुछ देने की बात करें, तो सावधान रहने की जरूरत है. जब भी ये देने की बात करें, तो आपकी ही जेब में डाका डालेंगे.

दौड़ में हुई की मौतों की कराएंगे जांच

मोदी ने कहा कि भर्ती के नाम पर 15 से अधिक युवाओं की जान गई. राज्य सरकार की गलत व्यवस्था के कारण युवा जान गंवा बैठे. जिनकी जिंदगी गई, उनको मैं श्रद्धांजलि देता हूं. वादा करता हूं कि कुछ ही महीनों के बाद बीजेपी की सरकार बनेगी,तो इसकी जांच कराई जाएगी. जिम्मेवार लोगों पर शिकंजा कसा जाएगा. झारखंड में सरकार के संरक्षण में खनिज की लूट हो रही है. सेना की जमीन को भी नहीं छोड़ा. जमीन बचाने के लिए बोर्ड लगाना पड़ता है, कि जमीन बिकाऊ नहीं है. जेएमएम के जाने की बेला आ गई है. सत्ता जाने के डर से इन्होंने झूठ का पिटारा खोल दिया है. बेरोजगारी भत्ता, नौकरी, शहरी रोजगार की सभी योजनाएं बंद हो गईं.

चंपाई और सीता सोरेन को अपमानित किया गया

जेएमएम वाले वोट लेने के नाम पर आदिवासियों के नाम पर राजनीति करते हैं. लेकिन जेएमएम के लिए आदिवासी समाज का सम्मान नहीं अपना सियासी फायदा सबसे ऊपर है. जिस तरह चंपाई सोरेन से मुख्यमंत्री की कुर्सी हथियाने के लिए उनको अपमानित करके हटाया गया. उससे झारखंड के हर गरीब आदिवासी को दिल को गहरी चोट पहुची है. सीता सोरेन को अपने ही परिवार ने अपमानित और बेदखल किया. इसका जवाब झारखंड का हर आदिवासी देगा.

सबसे बड़ा मुद्दा है संथाल में बांग्लादेशी घुसपैठ

झारखंड का बड़ा मुद्दा है बांग्लादेशी घुसपैठ. हर झारखंडी के लिए चिंता का विषय है. दो तीन दिन पहले ही झारखंड हाईकोर्ट ने स्वतंत्र पैनल से घुसपैठ की जांच का आदेश दिया है. लेकिन यहां की सरकार मानने को तैयार नहीं कि राज्य में घुसपैठ हुई है. संथाल और कोल्हान में बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठ बहुत बड़ा खतरा है. इस पूरे क्षेत्र की पहचान यहां की डेमोग्राफी बहुत तेजी से बदल रही है.

कांग्रेस पार्टी ने किया था खटा-खट का वादा

पीएम मोदी ने कहा कि ढेर सारी घोषणाएं कांग्रेस पार्टी ने भी की थी. कांग्रेस ने पिछले लोकसभा चुनाव में युवाओं और महिलाओं को एक-एक लाख रुपए देने का वादा किया था. महिलाएं कांग्रेस दफ्तर पर पैसे मांगने गईं, तो उन्हें अपमानित किया गया. जहां-जहां कांग्रेस की सरकारें हैं, वहां-वहां ऐसी ही झूठ की दुकान खोली जा रही है. दशकों तक आदिवासी युवाओं को पिछड़ा रखा गया.

बोले पीएम

- देश की महाबेईमान और भ्रष्ट पार्टी है कांग्रेस
- झामुमो ने ली है कांग्रेस स्कूल ऑफ करप्शन से ट्रेनिंग
- मंईयां व अबुआ आवास योजना के नाम पर हो रही वसूली
- सत्ता जाने के डर से खोल दिया है झूठ का पिटारा
- दौड़ं में हुए अभ्यर्थियों की मौत की कराएंगे जांच

हर परीक्षा में गड़बड़ी

पीएम मोदी ने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार को किसी की चिंता नहीं है. उन्होंने कहा कि हर परीक्षा गड़बड़ी का शिकार है. युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाली ऐसी सरकार को हमें झारखंड से हटाना ही होगा. आपसे यहां की सरकार झूठ बोल सकती है, झूठे वादे कर सकती है. इन्होंने गरीबों को पेट्रोल-डीजल देने की योजना चलाई. उनकी यह योजना भी झूठी दिलासा थी. उसे भी दो महीने में बंद कर दिया.

पीएम को सीएम ने एयरपोर्ट पर दी विदाई

रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने रविवार को पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम से दूरी बना ली. प्रधानमंत्री का केवल वंदे भारत ट्रेन का लोकार्पण ही सरकारी कार्यक्रम था. पीएम मोदी ने रांची एयर पोर्ट से ही छह वंदे भारत ट्रेन को वर्चुअली हरी झंडी दिखा कर रवाना किया. इस सरकारी कार्यक्रम में भी सीएम हेमंत सोरेन शामिल नहीं हुए. हालांकि रेलवे अफसरों से इस कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया था. जानकारी के अनुसार जमशेदपुर की जनसभा विशुद्ध भाजपा का राजनीतिक कार्यक्रम है, इसलिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जमशेदपुर भी नहीं गए. हालांकि जमशेदपुर से वापसी के मौके पर सीएम हेमंत सोरेन बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचे और प्रधानमंत्री मोदी को झारखंड आगमन पर उनका स्वागत किया. इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री को स्मृति चिन्ह भेंट कर विदाई दी.

पीएम ने दिखाई छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी, कहा

सबका साथ-सबका विकास ने प्राथमिकताओं को बदल दिया

इन वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

- टाटानगर-पटना
- ब्रह्मपुर-टाटानगर
- राउरकेला-हावड़ा
- देवघर-वाराणसी
- भागलपुर-हावड़ा
- गया-हावड़ा

प्रमुख संवाददाता। रांची

पीएम नरेंद्र मोदी ने रांची एयरपोर्ट से वर्चुअल मोड में छह वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई. इसके साथ ही झारखंड की कुछअन्य योजनाओं का भी वर्चुअल उद्घाटन और शिलान्यास किया. मौके पर पीएम ने कहा कि सबका साथ सबका विकास के मंत्र ने देश की सोच और प्राथमिकताओं को बदल दिया है. पिछड़ा, दलित, महिला, वंचित, युवा, किसान और गरीब देश की प्राथमिकता है. वंदे भारत ट्रेन के संचालन से अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी. कारोबारियों और छात्रों को लाभ होगा. आज हर राज्य- हर शहर वंदे भारत जैसी ट्रेन चाहता है. दूसरे राज्यों की तरह झारखंड को भी वंदे भारत जैसी हाइटेक ट्रेन मिल रही है. काशी से देवघर के लिए वंदे भारत ट्रेन की सुविधा होगी. काफी संख्या में लोग बाबा बैद्यानाथ के दर्शन करने भी आएंगे. पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा. -शेष पेज 11 पर

खराब मौसम की वजह से सड़क मार्ग से जमशेदपुर पहुंचे : पीएम मोदी जमशेदपुर में भाजपा की एक विशाल रैली को भी संबोधित किया. खराब मौसम की वजह से पीएम मोदी सड़क मार्ग से जमशेदपुर पहुंचे. पीएम मोदी ने कहा कि आज मैं इन सभी परियोजनाओं की शुरुआत आपके बीच रह कर करना चाहता था, लेकिन प्रकृति ने मेरा साथ नहीं दिया. इस वजह से अब मैं यह सारे काम ऑनलाइन माध्यम से कर रहा हूं. जमशेदपुर में पीएम का रोड शो भी रद्द कर दिया गया.

झामुमो का पलटवार

भाजपा में है भूतों का जमावड़ा

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने पीएम मोदी के दौरे और उनकी स्पीच को लेकर पलटवार किया है. लोगों को उम्मीद थी कि पीएम मोदी चुनावी मौसम में यहां आए हैं, तो राज्य की माइनिंग रॉयल्टी का बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़, सरना धर्म कोड और ओबीसी आरक्षण पर कुछ घोषणा करेंगे. मगर इन सबका नाम तक नहीं लिया. यहां तक कि चंपाई सोरेन समेत पांच-पांच पूर्व सीएम भी अपने नेता से यह बात बुलवा नहीं सके. अब इन्हें आने वाले दिनों में जनता को जवाब देना होगा, नहीं

तो वे किस मुंह से जनता के बीच जाएंगे. ये बातें झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कहीं. उन्होंने कहा कि मोदी जी पूरी तरह से हताश और निराश दिखे. क्या-क्या बोल गए, उन्हें भी पता नहीं चलेगा.

-शेष पेज 11 पर

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने दिया विवादित बयान, कहा

राहुल देश के नंबर-1 आतंकी उनपर तो इनाम होना चाहिए

एजेंसी। भागलपुर

केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर विवादित बयान दिया है. बिट्टू ने नेता प्रतिपक्ष को देश का नंबर वन आतंकी बताया है. मंत्री बिट्टू ने कहा, राहुल ने सिखों को बांटने की कोशिश की है. राहुल गांधी देश के नंबर वन टेररिस्ट हैं.

केंद्रीय मंत्री बिट्टू ने कहा, मैंने चैलेंज किया है कोई सिख जो यहां खड़ा है जो किसी पार्टी से जुड़ा नहीं है. यहां बोल दे कि किसी ने उससे बोला कि आप कड़ा नहीं डाल सकते, किसी ने कहा हो आप पगड़ी नहीं डाल सकते, किसी ने कहा गुरुद्वारे नहीं जा सकते, एक सिख खड़ा होकर कह दे, मैं बीजेपी छोड़ दूंगा. चिंगारी लगाने के लिए पहले मुस्लिमों को यूज करने की कोशिश की, नहीं हुआ तो जो सिख देश की रक्षा करते हैं, उनमें फूट डालने की कोशिश करते हैं.

उन्होंने कहा, जो देश का वांटेड है वो जो बयान देता था वही बयान राहुल गांधी देते हैं. अलगाववादियों ने राहुल के बयान को सराहा है और उनकी बात राहुल ने कही है. जो हर वक्त लोगों को मारने की कोशिश करते हैं, उड़ाने की बात करते हैं, वो जब राहुल के समर्थन में आएं, तो समझ लीजिए देश के नंबर वन टेररिस्ट राहुल गांधी हैं और उनको पकड़ने के लिए सबसे बड़ा इनाम होना चाहिए. बिट्टू ने कहा, राहुल गांधी पहले तो हिन्दुस्तानी नहीं हैं, ज्यादा टाइम देश के बाहर बिताया है. इस वजह से उन्हें अपने देश से ज्यादा प्यार नहीं है.

बड़ा ऐलान अरविंद केजरीवाल बोले, दो दिन में छोड़ दूंगा दिल्ली के मुख्यमंत्री का पद, चुनाव के बाद ही संभालूंगा कुर्सी

इस्तीफे के बाद आप के विधायक चुनेंगे नया सीएम, कई लोग रेस में

एजेंसियां। नयी दिल्ली

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने ऐलान किया है कि दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा दे देंगे. केजरीवाल ने रविवार को आम आदमी पार्टी के मुख्यालय में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही.

उन्होंने कहा कि दो दिन के बाद मैं इस्तीफा देने जा रहा हूं, मैं तब तक सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा, जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती कि केजरीवाल ईमानदार है. इस दौरान उन्होंने भगत सिंह की जेल डायरी किताब भी दिखाई. उन्होंने कहा, भाजपा ने मुझ पर बेईमानी, भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, अब जनता की अदालत में मेरी ईमानदारी का फैसला होगा. दो-तीन दिन में विधायकों की बैठक में नया सीएम चुना जाएगा. चुनाव तक मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा. मनीष सिसोदिया भी कोई पद नहीं लेंगे, उनका भी यही सोचना है. केजरीवाल के दो दिन में इस्तीफा देने के सवाल पर दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा, रविवार है, सोमवार को ईद की छुट्टी है. वर्किंग डे 17 सितंबर को है. इस वजह से अरविंद ने दो दिन का समय लिया है. केजरीवाल के साथ मंच पर संजय सिंह, मनीष सिसोदिया और पंजाब के सीएम भगवंत मान मौजूद थे.

केजरीवाल के इस्तीफे के बाद आगे क्या : केजरीवाल ने कहा कि जनता को तय करना है कि केजरीवाल ईमानदार है या बेईमान. चुनाव के बाद जनता ने चुना तो पद पर बैठूंगा. चुनाव होने तक पार्टी दो-तीन दिन में नया मुख्यमंत्री चुनेगी. आतिशी, कैलाश गहलोत, गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज और सुनीता केजरीवाल में से कोई एक मुख्यमंत्री बन सकता है. केजरीवाल का अब पूरा फोकस हरियाणा चुनाव पर होगा. 5 अक्टूबर को हरियाणा में वोटिंग है. राज्य में कांग्रेस से आप का गठबंधन नहीं हुआ है. इसके बाद यहां सभी सीटों पर पार्टी ने प्रत्याशी उतारे हैं.

केजरीवाल ने दिया ये मैसेज : केजरीवाल ने कहा कि भगत सिंह के बाद, 90-95 साल बाद आजाद भारत में एक क्रांतिकारी मुख्यमंत्री जेल गया. 15 अगस्त से 3 दिन पहले एलजी से कहा था कि मेरी जगह आतिशी को तिरंगा फहराने दिया जाए. चिट्ठी एलजी तक नहीं गई. दिल्ली सीएम ने कहा कि जब 14 साल के बाद भगवान राम वनवास से लौटे तो माता सीता को अग्नि परीक्षा देनी पड़ी थी. अब मैं अग्निपरीक्षा दूंगा.

केजरीवाल के इस्तीफे की वजह

दिल्ली शराब नीति केस में केजरीवाल 177 दिन बाद जेल से बेल पर बाहर आए. सुप्रीम कोर्ट ने शर्त रखी कि वो सीएम ऑफिस नहीं जाएंगे और ना ही किसी फाइल पर साइन करेंगे. यानी जेल से बाहर आने और मुख्यमंत्री रहते हुए भी उनके पास पावर नहीं रहा. सरकार कैबिनेट भरोसे चलेगी. वैसे भी दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल फरवरी 2025 में खत्म हो रहा है. यानी सरकार के पास चुनाव में सिर्फ 5 महीने ही बचे हैं. इस दौरान सरकारें लोकलुभावन चुनावी फैसले लेती हैं. केजरीवाल कोर्ट की शर्तों में बंधे. जेल से छूटने के बाद केजरीवाल के साथ सहानुभूति है.

इस्तीफे पर विपक्ष ने क्या कहा

- जिस व्यक्ति ने बड़े भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन चलाया, वह भ्रष्टाचार के साथ ऐसा समझौता करेगा. सोचा नहीं था. आज भारत के लोगों का सिर शर्म से झुक गया है.- **रविशंकर प्रसाद, भाजपा.**
- यह उनकी इच्छा है, अगर वह जेल में सीएम रह सकते हैं, तो बाहर भी सीएम रह सकते थे. हो सकता है कि कुछ और गंभीर मामले हों, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है.- **अधीर रंजन चौधरी, कांग्रेस.**
- वह चाहते हैं कि दिल्ली में चुनाव हों और वह लोगों के बीच जाना चाहते हैं. वह जनता के बीच जाना चाहते हैं ताकि वे फैसला कर सकें और यह अच्छी बात है. वह सत्ता के भूखे नहीं हैं.- **फारूक अब्दुल्ला, नेशनल कांफ्रेंस**

ट्रक व 407 में टक्कर

जाम का वीडियो बना रहे पुलिस चालक की पिटाई

टुंडी के लोधरिया मोड़ के समीप हादसा, वाहन में फंस गया था चालक

संवाददाता । टुंडी

- डेढ़ घंटे देर से पहुंची पुलिस, लोगों का फूटा गुस्सा
- चार घंटे धनबाद-गिरिडीह पथ जाम

टुंडी गिरिडीह मुख्य पथ लोधरिया मोड़ के समीप ट्रक व 407 वाहन आमने-सामने टक्कर हो गई. भिड़ंत के कारण 407 का चालक वाहन में फंस गया. टुंडी पुलिस को सूचना दिए जाने के बाद देर से पहुंचने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य पथ को घायल की इलाज कराने को लेकर सड़क जाम कर दिया है. जाम करने वाले आक्रोशित लोगों का पुलिस चालक ने वीडियो बनाना शुरू कर दिया, ये देखकर लोगों ने उसकी धुनाई कर दी.

गिरिडीह की तरफ से ट्रक आ रहा था तो धनबाद की तरफ से 407 वाहन. इसी दौरान दोनों की लोधरिया मोड़ के समीप जोरदार टक्कर हो गई. टक्कर से 407 वाहन के परखच्चे उड़ गए. 407 का चालक वाहन में बुरी तरह फंस गया. घटना की जानकारी टुंडी पुलिस को दी गई. ग्रामीणों का आरोप है पुलिस डेढ़ घंटे देर से पहुंची व ग्रामीणों के काफी प्रयास के बाद चालक बैकुंठ चौधरी बहादुरपुर गांव निवासी को निकाला गया. ग्रामीणों का कहना है कि चालक गरीब परिवार से हैं. इसलिए ट्रक मालिक से तत्काल मदद दिलाई जाए. घायल चालक का एक पैर चूर हो गया है. इसी बात पर आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य पथ को जाम कर दिया. पुलिस जाम हटाने का प्रयास कर रही है, पर आक्रोशित ग्रामीणों के सामने एक नहीं चल रही है. इसी दौरान एक पुलिस वाहन चालक द्वारा उत्तेजित भीड़ को केस में फंसाने की बात कहकर वीडियो बनाने लगा. इस पर भीड़ सनक गई व उसके साथ हाथापाई करने लगी. भीड़ में मौजूद प्रबुद्ध ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ. वैसे ट्रक मालिक द्वारा घायल चालक के उपचार में अंततः कोई सहयोग नहीं किया गया. इधर लगातार हो रही तेज हवा बारिश व अंधेरे होने पर जाम जुटे ग्रामीणों की भीड़ धीरे-धीरे कम होती गई और जाम स्वतः खत्म हो गया.

करमा त्योहार मनाने के लिए आया था ससुराल, सड़क हादसे में मौत

संवाददाता । महुदा

खास बातें

- कपुरिया मोड़ के समीप अज्ञात वाहन ने रौंदा
- मोबाइल का लॉक तोड़कर की गई युवक की पहचान

धनबाद बोकारो मुख्य मार्ग के कपुरिया मोड़ स्थित पेट्रोल पंप के समीप रविवार की शाम सड़क दुर्घटना में पाथरडीह थाना क्षेत्र परघाबाद निवासी दीपक कुमार मल्लिक उम्र 22 वर्ष की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. वह करमा पर्व में पत्नी के साथ रामकनाली ओपी के बरमसिया स्थित अपने ससुराल आया था. किसी जरूरी काम से स्कूटी से कपुरिया मोड़ आया हुआ था. इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया और बुरी तरह लहूलुहान हालत में वह सड़क पर गिर गया. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना कपुरिया पुलिस को दी1 सूचना मिलते ही कपुरिया पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और एंबुलेंस बुलाकर उसे धनबाद एसएनएमएमसीएच भेज दिया. अस्पताल ले जाने के क्रम में रास्ते में ही उसकी मौत हो गई. युवक की पहचान के लिए पुलिस को शिनाख्त के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी. मृतक के मोबाइल लॉक को खोला गया. इसके बाद उस मोबाइल के नंबर से परिजन सहित ससुराल वालों को घटना की जानकारी दी गयी. पुलिस की सूचना पर परिजन अस्पताल पहुंचा. इधर कपुरिया पुलिस ने स्कूटी को कब्जे में ले ली है.

ब्रीफ खबरें

कुलबेड़ा में बारिश से पेड़ गिरा, मकान क्षतिग्रस्त

बरवाअड्डा: बरवाअड्डा अंतर्गत कुल बेड़ा पंचायत के पैलयडीह गांव निवासी मनतुष्टू महतो के घर में शनिवार देर रात बारिश के करण विशालकाय पेड़ गिर गया. पेड़ गिरने से महतो का घर क्षतिग्रस्त हो गया. घटना के समय घर का कोई नही रहने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ है. इस संबंध में मनतुष्टू महतो ने बताया कि घर की महिलाएं एवं बच्चे सभी करम अखाड़ा में पूजा अर्चना करने गए थे. अचानक घर के बगल में विशालकाय लिफ्ट्स के पेड़ घर के उपर गिर गया. पेड़ घर में गिरने से पूरा घर क्षतिग्रस्त हो गया. घटना की सूचना पर पंचायत के मुखिया श्यामापद मंडल एवं समाजसेवी दिलीप कुमार महतो पैलयडीह मनतुष्टू महतो के घर पहुंचे और घटना की जानकारी ली.

सीआईएसएफ ने किया 50 टन कोयला जब्त

पुटकी : कुसुंडा एरिया की सीआईएसएफ की टीम ने कोयला चोरी के खिलाफ सघन अभियान चलाते हुए रविवार की सुबह गोन्दूडीह ओपी के कांटाघर के निकट अवैध रूप से जमा किये गए 50 टन कोयला जप्त किया.जप्त कोयला की कीमत एक लाख रुपये आंकी गयी है.छापामारी सीआईएसएफ के इंस्पेक्टर एस के सिंह के नेतृत्व में की गई.धंधेबाजों द्वारा वाहनों से उतार कर जमा किया गया था.जप्त कोयला को सीआईएसएफ ने गोन्दूडीह प्रबन्धन को तीन हाईवा में लाद कर सौंप दिया. छापामारी को देख सभी धंधेबाज भाग निकले.सुबह आठ से से साढ़े दस बजे तक चली छापामारी टीम में ओम पाल सिंह,अमित चौधरी व क्यू आर टी की टीम शामिल थी.

झींझी पहाड़ी में सरकार आपके द्वार

कतरास। झींझी पहाड़ी पंचायत सचिवालय में रविवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन अंचलाधिकारी रवि भूषण प्रसाद मुखिया प्रेमलता कुमारी उपमुखिया शोभा देवी संयुक्त रूप से हिंदी दीप प्रज्ज्वलित कर के किया. इस दौरान लाभुकों ने आवास योजना, वृद्धा विधवा पेंशन ,मईया सम्मान सहित अन्य योजना के लाभ के लिए आवेदन किया. वहीं मुखिया प्रतिनिधि गणेश महतो ने कहा कि योजना का लाभ लोगों तक पहुंचाने के लिए सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन लगातार किया जा है. हमलोगों का प्रयास है कि अधिक से अधिक योजना का लाभ अपने पंचायत के लोगों को दें.

बारिश का तांडव

धनबाद में मूसलाधार बारिश

- ओरेंज अलर्ट जारी, सराबोर हुई सड़कें

संवाददाता । धनबाद

बरवाअड्डा में पेड़ गिरने से ध्वस्त मकान

बंगाल की खाड़ी में बने दबाव का असर धनबाद में दिख रहा है. मौसम विभाग के ओरेंज अलर्ट के बाद शनिवार की रात से ही बारिश शुरू हो गई है, जो रविवार देर रात तक जारी रही. रविवार को सुबह से ही मूसलाधार बारिश हो रही है. बारिश की वजह से बाजारों में सन्नाटा पसरा हुआ है. सड़कों पर जगह-जगह पानी जमने की समस्या सामने आ गई है. मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिनों तक मौसम में बहुत अधिक बदलाव की संभावना नहीं है. बारिश की वजह से अधिकतम तापमान नीचे गिर गया है और गर्मी से राहत मिल गई है, लेकिन किसानों को परेशानी हो रही है.

धनबाद में इस मॉनसून सीजन में अबतक 1130 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है. पिछले 24 घंटे में पंचेत में 75 मिलीमीटर और मैथन में 54 मिलीमीटर बारिश हुई है. मौसम विभाग ने लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी है. बारिश के दौरान बाहर निकलने से बचें और सुरक्षित स्थानों पर रहें. इसके अलावा, बारिश की वजह से कई इलाकों में जलभराव हो गया है, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है. प्रशासन ने जलभराव वाले इलाकों में पानी निकासी के लिए काम शुरू कर दिया है.

बारिश में बह गया जेबीवीएनएल का सिस्टम, 48 घंटे में मात्र 8 घंटे मिली बिजली

मैथन : पिछले दो दिनों से मैथन-कुमारधुबी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है, लेकिन वहीं दूसरी ओर जेबीवीएनएल का पोल खोल दिया है. जेबीवीएनएल बिजली आपूर्ति चरमरा गई है. लोडशेडिंग से लोग परेशान हैं. लोगों का कहना है कि पिछले 48 घंटे में बमुश्किल से मात्र 8 घंटे बिजली आपूर्ति हुई है. हर आधे घंटे के बाद लोडशेडिंग किया जा रहा है, वह भी लोडशेडिंग का कोई समय सीमा नहीं है. चार-चार घंटे तक लोडशेडिंग किया जा रहा है. जिसके कारण लोगों का जीना दूभर हो गया है. बच्चों का पढ़ाई बाधित हो रहा है, वहीं पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है. इस संबंध में जेबीवीएनएल के अधिकारियों से लोडशेडिंग के कारण पूछे जाने पर कोई न कोई फीडर ब्रेकडाउन होना बताया जाता है. सूत्रों की मानें तो पिछले दो दिनों में पीएचईडी फीडर एवं बरमुड़ी फीडर छ-छह बार ब्रेकडाउन हो चुका है. जबकि डीवीसी अधिकारियों का कहना है कि जेबीवीएनएल के खराब व अव्यवस्थित बिजली आपूर्ति प्रणाली का असर डीवीसी के सप्लाई सिस्टम पर भी पड़ता है. जिससे डीवीसी को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है. बार बार कहने के बावजूद जेबीवीएनएल अपना सिस्टम को मरम्मत व दुरुस्त नहीं कर रहा है. इस कारण हल्की बारिश होने पर ही उसका सिस्टम कहीं न कहीं ब्रेकडाउन हो जाता है. जिसका खामियाजा आम लोगों के साथ साथ डीवीसी को भी भुगतना पड़ता है.

आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार

शिविरों में 1051 आवेदन निष्पादित, 666 प्रक्रियाधीन

- 552 लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण

संवाददाता । धनबाद

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में रविवार को 1051 आवेदनों का निष्पादन किया गया. वहीं शिविरों में 6360 आवेदन प्राप्त हुए. इसमें फोकस स्कीम के 3269 आवेदनों में 194 तथा बेनेफिशियरी ओरिएंटेड स्कीम के 1831 में 216 आवेदन निष्पादित किए गए. वहीं 552 लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया.शिविरों में विभिन्न प्रकार की 89 शिकायतों का निवारण ऑन द स्पॉट किया गया, जबकि 666 आवेदन निष्पादन की प्रक्रिया में है.

राज्य सरकार की फोकस स्कीम में अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के 178, अबुआ आवास के 2287, सर्वजन पेंशन 315, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना 106, जाति प्रमाण पत्र के 141, आवासीय 116 व आय प्रमाण पत्र के 126 आवेदन प्राप्त हुए. इसमें अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के 67, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के 6, जाति प्रमाण पत्र के 54, आवासीय प्रमाण पत्र के 38 तथा आय प्रमाण पत्र के 29 आवेदनों को निष्पादित किया गया. वहीं बेनेफिशरी ओरिएंटेड स्कीम में वृद्धा पेंशन के 160, विधवा पेंशन 12, दिव्यांगजन पेंशन 6, आयुष्यमान कार्ड वितरण के 194, व्यक्तिगत वन पट्टा का एक तथा 1458 अन्य आवेदन प्राप्त हुए. जिसमें वृद्धा पेंशन के 1, आयुष्यमान कार्ड वितरण के 78 तथा 137 अन्य आवेदन निष्पादित किए गए. शिकायत निवारण में राजस्व अभिलेखों में सुधार के 22, आय प्रमाण पत्र 5, जन्म प्रमाण पत्र में सुधार 22, मृत्यु प्रमाण पत्र में सुधार 3, आधार कार्ड में संशोधन 67, राशन कार्ड में संशोधन के 548 तथा बिजली सम्बन्धी समस्या के 21 आवेदन प्राप्त हुए. जिसमें आय प्रमाण पत्र 2, आधार कार्ड में संशोधन के 26, राशन कार्ड में संशोधन के 61 सहित 89 आवेदन निष्पादित किए गए. शिविरों के दौरान ऑन द स्पॉट 552 लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया.

मारवाड़ी यूथ ब्रिगेड के शिविर में 400 मरीजों की जांच

संवाददाता । धनबाद

मारवाड़ी यूथ ब्रिगेड द्वारा रविवार को चेतना महाविद्यालय सहराज गोविंदपुर में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में दूर-दराज गांवों से आए 400 मरीजों की जांच की गई. निशुल्क दवा का वितरण किया गया. इस शिविर में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे उपस्थित थे. मारवाड़ी यूथ ब्रिगेड के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने बताया कि डॉक्टरों की टीम में अभिषेक अग्रवाल, विनीत अग्रवाल, विवेक डोकानिया, उर्मी अग्रवाल, अभिनव गौरव, यश अग्रवाल, नीतू श्रीवास्तव और लोकेश जालान शामिल थे. शिविर में सभी मरीजों का ब्लड ग्रुप, ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की जांच की गई. 150 जरूरतमंद लोगों को मुफ्त वस्त्र भी प्रदान किए गए. मारवाड़ी यूथ ब्रिगेड के जितेंद्र अग्रवाल ने कहा कि संगठन समाज के विभिन्न पहलुओं में सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है. इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को पूरा करना था. कुलदीप अग्रवाल ने बताया कि मारवाड़ी यूथ ब्रिगेड आगे भी समाज के लिए ऐसे शिविर आयोजित करता रहेगा.

कार्यक्रम को सफल बनाने में मारवाड़ी यूथ ब्रिगेड के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, अरविंद सतनालीका, अशोक केडिया, जितेंद्र अग्रवाल, कृष्णा अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, कुलदीप अग्रवाल, मोहन अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, संजय गोयल, पवन अग्रवाल, राजेश पटवारी, राजेश अग्रवाल, दीपक गुप्ता, अमित अग्रवाल, विक्की अग्रवाल, चंदा पोद्दार, सुनीता अग्रवाल, कविता गुप्ता, हेतल पारकरिया, राजीव गोयल आदि का सराहनीय योगदान रहा.

एसजेएएस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का निशुल्क नेत्र जांच शिविर

धनबाद । एसजेएएस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने लायंस क्लब के साथ मिलकर निशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया. इस शिविर में 50 से अधिक मरीजों की नेत्र जांच की गई और उन्हें उचित इलाज के उपाय सुझाए गए. शिविर के आयोजन में अस्पताल के विभिन्न चिकित्सकों और कर्मचारियों ने योगदान दिया. शिविर में भाग लेने वाले मरीजों ने इस पहल की सराहना की और बताया कि एसजेएएस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल और लायंस क्लब द्वारा उठाया गया यह कदम उनके लिए बहुत लाभकारी रहा. मरीजों ने कहा कि अस्पताल के डॉक्टरों ने उनकी आंखों की समस्याओं को ध्यान से सुना और सही सलाह दी. एसजेएएस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के निदेशक ने बताया कि अस्पताल भविष्य में भी इस तरह के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करता रहेगा ताकि अधिक से अधिक लोग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकें. उन्होंने लायंस क्लब के सदस्यों का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

बिजली बिल माफ होने से गरीबों को ऐतिहासिक राहत मिली:मथुरा महतो

खास बातें

- आपकी सरकार, आपके द्वार शिविर का आयोजन
- भारी बारिश के बावजूद ग्रामीणों ने शिविर में लिया भाग

संवाददाता । टुंडी

रविवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत राजाभीठा पंचायत भवन में शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाएं व पुरुष पहुंचे. शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो जिप सदस्य दिब्या बास्की मुखिया अनिता देवी, पंचायत समिति सदस्य राजेश कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. इस मौके पर बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों की भीड़ ने सर्वजन पेंशन, मईया योजना, अबुआ आवास योजना, आदि का आवेदन दिया जिसमें अधिकतर आवेदन आन द स्पॉट निष्पादन किया गया.

मुख्य अतिथि मथुरा प्रसाद महतो ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि झामुमो की सरकार ने गरीबों का बिजली बिल माफ कर राहत का इतिहास रचा है. जो गरीब आज बिजली बिल नहीं दे पाने के कारण रात की नींद व दिन का चैन छीना रहता था. वैसे चेहरे पर आज मुस्कान बिखेर रहा है. सरकार आज 200 युनिट बिजली गरीबों को फ्री कर दी है. सर्वजन पेंशन, मंईयां सम्मान योजना,लागू कर झामुमो गरीबों की सरकार है, यह प्रमाणित कर दिया है. किसानों का ऋण माफी कर दी. जिससे की किसानों को कोई टेंशन न हो. हर गरीबों को अबुआ आवास देकर उसे बेघर होने से बचाया जा रहा है. उन्होंने दावा के साथ कहा कि उनके कार्यकाल में टुंडी का चहुंमुखी विकास हुआ. हर गांव में शहर तक जोड़ने की सड़कों का निर्माण हुआ जो टुंडी कभी बीहड़ के नाम से जाना जाता था, सरकार की महत्वाकांक्षी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पाकर गांव के लाभुकों के चेहरे पर खुशहाली की बहार दिखाई देती है. यह अपने आप में विकास की मिसाल है. इस मौके पर टुंडी बीडीओ शैलेन्द्र चौरसिया सीओ जीतेन्द्र प्रसाद, बीईइओ मूरत महतो मुखिया अनिता देवी, पंसस राजेश सिंह समाजसेवी निमाय कुमार सिंह आदि मौजूद थे.

मानवता की सेवा ही लक्ष्य : बाजपेई

गोविंदपुरः लायंस क्लब की डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सीमा बाजपेई ने रविवार को मधुबन होटल गोविंदपुर में रीजन तीन द्वारा आयोजित क्लब पदाधिकारी के प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि मानवता की सेवा ही लक्ष्य होना चाहिए. क्लब सदस्यों को नियमित रक्तदान भी करना चाहिए. रक्तदान से हम किसी की जिंदगी बचा सकते हैं . इसमें तेरह क्लब के पदाधिकारी ने भाग लिया .अध्यक्षता करते हुए रीजन चेयरपर्सन कमल कुमार अग्रवाल ने कहा कि जनकल्याण ही क्लब का लक्ष्य है और उनके रीजन के सभी क्लब सामाजिक दायित्वों का निर्वहन सफलतापूर्वक कर रहे हैं. पीडीजी राहुल वर्मा ने क्लब अध्यक्षों, पीडीजी माधव लखोटिया ने सचिवों एवं एफडीआई दीपक चौबे ने कोषाध्यक्षों को उनके दायित्व से बोध कराया. एफडीआई दिनेश पुरी, डीपीआरओ राजेश कसेरा, वीडीझी संजय कुमार एवं पीडीजी आरपी सरिया ने भी प्रशिक्षण दिया.संचालन रोशन अग्रवाल ने किया. मौके पर जेडसी कोमल किरण कौर एवं संतोष कुमार, सोमनाथ पूर्ति, संदीप विश्वकर्मा, सुरेश चुग, आरपी सिंह, देवव्रत मुखर्जी, गिरधारी अग्रवाल आदि शामिल थे.

सम्मान

झारखंड के कई जिलों के शिक्षक पहुंचे धनबाद

निजी स्कूलों के 700 शिक्षकों का सम्मान समारोह

खास बातें

- पूर्णिमा सिंह, मथुरा महतो और तारा देवी ने की शिरकत
- विभिन्न जिलों से शिक्षकों ने समारोह में लिया भाग

संवाददाता । धनबाद

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन झारखंड धनबाद द्वारा टाउन हॉल धनबाद में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. जिसे निजी स्कूलों में कार्यरत 700 शिक्षकों को सम्मानित किया गया. इस कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश के विभिन्न जिलों से शिक्षक सम्मिलित हुए. रांची,बोकारो, पलामू, धनबाद, रामगढ़, गिरिडीह आदि विभिन्न जिलों से शिक्षक गण पधार थे इस कार्यक्रम में 700 से ज्यादा शिक्षकों को सम्मानित किया गया. शिक्षकों को सम्मान पत्र के साथ-साथ मोमेंटो एवं पेन भी दिया गया. विशिष्ट अतिथि के तौर विधायक पूर्णिमा सिंह, विधायक मथुरा प्रसाद महतो,भाजपा नेत्री तारा देवी, अजीत कुमार नगर एसपी और धनबाद थानेदार राम नारायण ठाकुर मौजूद रहे. संगठन के विशिष्ट पदाधिकारी पीएसए महासचिव प्रवीण दुबे, पीएसए प्रदेश अध्यक्ष योगेश कुमार, जिला अध्यक्ष केडी चौधरी, जिला सचिव संजय चौबे, संरक्षक एसके गुहा, वाइस प्रेसिडेंट नीरज झा, जॉइंट सेक्रेटरी विजय दुबे, केके ठाकुर,जिला कोषाध्यक्ष अभिषेक आनंद एवं संगठन मंत्री अर्जित गुहा, मीडिया प्रभारी तापस बनर्जी ने सदस्यों को तिलक लगाकर, बैच पहनाकर, शॉल एवं मोमेंटोज देकर सम्मानित किया गया. पीएसए निरसा प्रखंड पदाधिकारी बबलू सिंह, गोविंदपुर प्रखंड पदाधिकारी पीयूष सरकार, राजगंज प्रखंड पदाधिकारी इंदु शेखर झा, तोपचांची प्रखंड पदाधिकारी बसंत लाल गुप्ता, बाघमारा प्रखंड पदाधिकारी प्रेम कुमार, कतरास प्रखंड पदाधिकारी नीरज गुप्ता, करकेंद प्रखंड पदाधिकारी सोमेन घोष, धनबाद प्रखंड पदाधिकारी दीपक शर्मा, झरिया प्रखंड पदाधिकारी विजय दुबे ,तापस बनर्जी आदि विशिष्ट सदस्यों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अभूतपूर्व एवं अथक परिश्रम किया है.उक्त कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया. रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी. संत जेवियर स्कूल झरिया, ईस्ट एंड कान्वेंट स्कूल भूदा , ओरिएंट पब्लिक स्कूल धनबाद, डैफोडिल्स एकाडमी करकेंद, न्यू किड्स गार्डन झरिया, माउंट ब्रेशिया स्कूल धनबाद एवं मिशन ऑफ नॉलेज स्कूल धनबाद आदि स्कूल के बच्चे शामिल हुए.

दर्जनों युवाओं ने टुंडी विधायक के समक्ष ली झामुमो की सदस्यता

खास बातें

- मथुरा महतो ने झामुमो का पट्टा पहनाकर किया स्वागत
- सरकार ने राज्य में विकास को गति दी : मथुरा

संवाददाता । तोपचांची

रविवार को टुंडी विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत तोपचांची के दर्जनों युवाओं ने विधायक मथुरा प्रसाद महतो के विकास कार्य एवं वर्तमान हेमंत सोरेन सरकार से प्रभावित होकर झामुमो की सदस्यता ग्रहण की. टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने दर्जनों युवाओं को तोपचांची प्रखंड के साहोबहियार स्थित बीएड कालेज में जेएमएम का पट्टा पहनाकर कर स्वागत किया. शामिल होने वाले सभी युवकों ने आगामी विधानसभा चुनाव में जेएमएम पार्टी को ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित कराने का संकल्प लिया. विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि राज्य में पहली बार झारखंडी जन सरोकार की सरकार बनी है. यह सरकार राज्य के अंतिम पंक्ति के लोगों को ध्यान में रखकर जनहित की बहुत सारी योजनाएं चला रही है. यही कारण है कि पूरे राज्य में काफी तेजी से विकास हो रहा है. विकास कार्यों से प्रभावित होकर प्रतिदिन काफी संख्या में लोग झामुमो में शामिल हो रहे हैं. झामुमो में नित्य नए लोगों को शामिल होने से पार्टी और भी मजबूत हो रही है. आने वाले समय में इसका बेहतर परिणाम मिलेगा. सदस्यता लेने वाले युवाओं में से पूर्व भाजपा युवा मोर्चा कोषाध्यक्ष उज्जवल मंडल , चन्द्र शेखर चतुर्वेदी, प्रकाश कुमार साव, मनेस दास, गजेंद्र ठाकुर, उमेश रविदास, उत्तम अग्रवाल, आसिफ अंसारी , तस्लीम अंसारी, रवि कुमार, अरुण कुमार महतो, मिलन कुमार है.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in धनबाद, सोमवार 16 सितंबर 2024 ● भाद्रपद शुक्ल पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 159 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

धनबाद में आज जलापूर्ति पर संकट

धनबाद : डीवीसी से बिजली आपूर्ति में तकनीकी व्यवधानों के कारण भेलाटांड़ से होने वाली धनबाद शहरी जलापूर्ति सोमवार को प्रभावित रह सकती है. नगर आयुक्त, धनबाद नगर निगम के निर्देश पर पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता डीवीसी के अभियंताओं के लगातार संपर्क में हैं और जलापूर्ति की बहाली के लिए कार्य चल रहा है.

आज निकलेगा ईद मिलादुन्नबी का जुलूस

धनबाद : पैंगबर हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के मौके पर सोमवार को धनबाद के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में जुलूस निकाले जाएंगे. इस मौके पर मदरसा-मस्जिदों से जुलूस निकलकर इलाके का भ्रमण करेंगे. जुलूस के दौरान हाथों में झंडा रहेगा. जुलूस को लेकर पुलिस सतर्क है. संवेदनशील स्थानों को लेकर पुलिस की तैयारी पूरी है. धनबाद के श्रमिक चौक पर जुलूस का जुटान होगा. इस वजह से प्रशासन की तरफ से यहां पर आवागमन बंद रखा गया है. झरिया, वासेपुर, डिगवाडीह, जामाडोबा, कतरास, महुदा, तोपचांची, पुटकी आदि में प्रत्येक साल जोरदार तरीके से पैंगबर साहब के जन्मदिन का जश्न मनाया जाता है. इस दौरान नात पढ़े जाते हैं और उनका आगमन का इस्तकबाल किया जाता है. मुस्लिम समाज के लोग नये वस्त्र पहनते हैं और फातिहा पढ़कर शिरनी तकसीम की जाती है.

पत्रकार के बड़े भाई का निधन

चिरकुंडा। पत्रकार बीरेंद्रनाथ ठाकुर के बड़े भाई चिरकुंडा सुभाष नगर निवासी 83 साल के सेवानिवृत ईसीएल कर्मी राधेश्याम ठाकुर का निधन रविवार सुबह घर में ही हो गया. वे कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे. वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं.उनके दो पुत्र व एक पुत्री है. उनका दाह संस्कार उनके पैतृक गांव आरा जिला के गौरा गांव में किया जाएगा व मुखाग्नि उनके बड़े पुत्र उपेन्द्र नाथ ठाकुर देंगे.

वारदात : सिंदरी निवासी मुकुंद मिश्रा के धनबाद से लौटने के क्रम में चासनाला में घटी घटना

रिकवरी एजेंट को दिनदहाड़े गोली मार छीने आठ लाख रुपये

खास बातें

- बाइक सवार अपराधियों ने मारी दो गोली
- बेहतर इलाज को दुर्गापुर किया गया रेफर

संवाददाता। धनबाद

पाथरडीह थाना क्षेत्र के चासनाला इलाके में रिकवरी एजेंट को गोली मारकर 8 लाख रुपए की लूट का मामला सामने आया है. यह वारदात रविवार को दिनदहाड़े साढ़े दस बजे झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग पर घटी है. वारदात के बाद जहां अपराधी फरार होने में कामयाब रहे, वहीं जख्मी रिकवरी एजेंट मुकुंद मिश्रा को प्राथमिकी उपचार के बाद धनबाद भेजा गया. उसके पेट-पीठ में दो गोली लगी है. एसएनएमएमसीएच में उसकी हालत को देखते हुए दुर्गापुर रेफर किया गया है. जहां उसकी स्थिति बनी हुई है. सिंदरी निवासी मुकुल मिश्रा एक निजी कंपनी में कलेक्शन एजेंट है. रविवार की सुबह वह धनबाद और गोविंदपुर के निजी अस्पतालों से कलेक्शन करके सिंदरी वापस लौट रहे थे. वह अपनी स्कूटी से जा रहे थे. इसी दौरान धनबाद से ही अपराधियों ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया. चासनाला बी टाइप गेट के पास अपराधियों ने ओवरटेक करके उन्हें रोका. इसके बाद बकझक शुरू हुई और फिर उसका बैग छीनने लगे, विरोध करने पर उसे गोली मार दी और रुपयों से भरा थैला लेकर फरार हो गए. मुकुंद के मुताबिक अपराधियों का एक पूरा गिरोह था. इनके पास दो से तीन बाइक थी और उसमें करीब 6 से 7 अपराधी सवार थे. वारदात के बाद पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है. वारदात चासनाला के पाथरडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत सेल चासनाला बी-टाइप ऑफिसर्स कॉलोनी के करीब हुई, इस पूरे इलाके के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है. पीड़ित सिंदरी के आईएम टाईप निवासी है. वारदात के बाद अपराधी बैग लेकर सिंदरी की ओर फरार होने की बात कही जा रही है. इससे माना जा रहा है कि वारदात को अंजाम देने वालों को मुकुंद के गतिविधियों की पूर्व से जानकारी थी. संभवतः पूर्व में ही मुकुंद की रेकी भी की गई होगी. वारदात को अंजाम देने वालों का कनेक्शन सिंदरी से है, ये मानकर पुलिस अनुसंधान में जुट गई है.

शिनाख्त को खंगाले जा रहे फुटेज : डीएसपी

वारदात की सूचना मिलने पर पाथरडीह थाना प्रभारी पवन चन्द्र पाठक दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे व जख्मी से पूछताछ की. उधर सिंदरी डीएसपी भूपेंद्र प्रसाद रावत ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी. साथ ही स्थानीय पुलिस को भी जरूरी निर्देश दिए गए हैं. उन्होंने कहा कि अपराधियों की शिनाख्त करने के लिए पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है.

आरपीएफ और इलेक्ट्रिक ओपी की टीमें जीतीं

धनबाद। रेलवे स्टेडियम में हुए दो फुटबॉल मैचों में आरपीएफ और इलेक्ट्रिक ओपी की टीमों ने जीत हासिल की. पहले मैच में, आरपीएफ की टीम ने टीआरएस गोमो की टीम को 1-0 से पराजित किया. आरपीएफ के अभनी ने दो गोल किए, जबकि चूड़का मरांडी ने एक गोल किया. टीआरएस गोमो की एकमात्र गोल शंकर ने की. दूसरे मैच में, इलेक्ट्रिक ओपी की टीम ने मेडिकल टीम को 5-0 से पराजित किया. इलेक्ट्रिक ओपी के अशोक राज ने दो गोल किए, बीएस हेंब्रम ने दो गोल किए, और राजू मंडल ने एक गोल किया. इन जीतों के साथ, आरपीएफ और इलेक्ट्रिक ओपी की टीमें टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत बनाने में सफल रहीं. निर्णायक की भूमिका सुरेश किस्कू, चिंटू हाजरा, सुदन लाल सोरेन, संजय हेंब्रम, कृष्ण रजक ने निभाई.

बस्ताकोला नागेश्वर मंदिर में बना गोफ, फैली दहशत

गणेश मेला के लिए लाया गया जनरेटर और डीजे बॉक्स गोफ में समाया

संवाददाता। धनबाद

1. स्थानीय लोगों में बीसीसीएल के खिलाफ आक्रोश
2. सड़क से सटा है ओबी का पहाड़
3. गोफ से जहरीली गैस का रिसाव जारी
4. सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम की मांग

झरिया के बस्ताकोला इलाके के नागेश्वर मंदिर प्रांगण में रविवार को भू-धसान और गोफ बनने की घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई है. लगातार बारिश के कारण भगतडीह स्थित नागेश्वर मंदिर प्रांगण में लगभग सौ फीट भू-धसान हुआ. जमीन के बाद बने गोफ से जहरीली गैस का रिसाव शुरू हो गया है. इस घटना ने स्थानीय लोगों में भय का माहौल पैदा कर दिया है. मंदिर परिसर में गणेश मेला के विसर्जन के लिए लाया गया जनरेटर और डीजे बॉक्स भी इस भू-धसान में समा गया. जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है. स्थानीय लोग ओवर बर्डन (ओबी) के पहाड़ को लेकर नाराजगी जता रहे हैं, जो सड़क से सटा हुआ है और खतरे को बढ़ा रहा है. घटना के बाद झरिया पुलिस और स्थानीय लोग बीसीसीएल प्रबंधन से तत्काल गोफ को भरने और सुरक्षा उपायों पर चर्चा कर रहे हैं. वहीं, झरिया के अन्य अग्नि प्रभावित क्षेत्रों में भी बारिश के कारण भू-धसान का खतरा मंडरा रहा है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि जरेडा और जिला प्रशासन को प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर बसाने की तत्काल आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर तुरंत ध्यान देना चाहिए और स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए. इसके अलावा स्थानीय लोगों ने यह भी मांग की है कि सरकार को झरिया के अग्नि प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को वैकल्पिक आवास प्रदान करना चाहिए और उनकी सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए. वहीं, झरिया के विधायक ने भी घटना की जांच की मांग की है और कहा है कि सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता से काम करना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा है कि सरकार को स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए और झरिया के अग्नि प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को वैकल्पिक आवास प्रदान करना चाहिए. इस घटना ने एक बार फिर से झरिया के अग्नि प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा के मुद्दे को उठाया है और सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की है.

चंदनकियारी के त्रिशूल ने केबीसी में जीते 25 लाख

आज रात को होगा एपीसोड का प्रसारण

खास बातें

- संत जेवियर 2012 बैच के छात्र हैं त्रिशूल चौधरी
- कहा- सदी के नायक से सामना सपने साकार होने जैसा

रजत नाथ/ बोकारो

सेक्टर वन स्थित संत जेवियर के 2012 बैच के छात्र और चंदनकियारी प्रखंड के पंडरू ग्राम के रहनेवाले त्रिशूल कुमार चौधरी ने केबीसी में 25 लाख रकम जीता है. एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत और बोकारो में पदस्थापित त्रिशूल ने बताया कि संत जेवियर स्कूल से तालीम की वजह से उनकी जनरल नॉलेज सहित अन्य विषयों पर अच्छी पकड़ रही. इस कारण मात्र चार महीनों की मेहनत और अथक अध्यन कर केबीसी में कई ऑडिशन राउंड तक पहुंचे. इस केबीसी एपिसोड की रिकॉर्डिंग 20 अगस्त को हुई और सोमवार 16 सितंबर को इसका प्रसारण होना है. त्रिशूल ने कहा कि उसने 25 लाख की रकम जीती है. त्रिशूल ने सफलता के लिए मेहनत और लगन के रास्ते को चुनने की बात कही.

केबीसी की तैयारी में त्रिशूल को उसके दोनों भाई और पत्नी ज्योति सिंह चौधरी का सहयोग रहा. ज्ञात हो कि त्रिशूल के दोनों भाई त्रिदेव और त्रिलोक 2016 और 2018 बैच संत जेवियर के छात्र रहे हैं और पत्नी ज्योति एमबीए की है. त्रिशूल ने बताया कि केबीसी में सदी के नायक अमिताभ बच्चन के सामने होना एक स्वप्न का साकार होने जैसा रहा. त्रिशूल की इस सफलता पर संत जेवियर के प्रिंसिपल फादर अरुण मिंज, बॉक्सन एलुमनी ट्रस्ट के अरुण चोपड़ा, कुमार अमरदीप, तेज बहादुर, रसल तबोद्दा, महेश शर्मा सहित अन्य बॉक्सन ने त्रिशूल को बधाई प्रेषित की है.

जलापूर्ति पाइप बह जाने से नौ पंचायत सहित चिनप क्षेत्र में जलापूर्ति ठप

खास बातें

- लोगों की लापरवाही से पाईप में कचरा फंसा
- पिछली बारिश में ही समस्या हुई थी शुरू

संवाददाता। मैथन

कुमारधुबी क्षेत्र के शंकर टाकीज समीप झिलिया में लगे जलापूर्ति पाईप बह जाने के कारण नौ पंचायत सहित चिरकुंडा नगर परिषद के कई इलाकों में जलापूर्ति बाधित हो गई है. इससे सिर्फ ग्रामीण ही नहीं बल्कि शहरी क्षेत्र के लोग भी प्रभावित हुए है. हालांकि इसको ठीक करने के लिए पीएचईडी के कर्मी लग चुके हैं फिर भी स्थिति को देखते हुए ऐसा लगता है की आज जलापूर्ति संभव नहीं है.

जानकारी देते हुए शिवलीबाड़ी पूर्व पंचायत के मोहम्मद कौसर ने बताया कि पिछली बार हुई बारिश ज़ब झिलिया उफान पर था. उस वक्त ही जलापूर्ति पाईप ने जगह छोड़ दिया था. उस वक्त अगर इसको ठीक कर दिया जाता तो लोगों को जलापूर्ति की समस्या उत्पन्न नहीं होती. साथ ही इसके लिए स्थानीय लोग भी जिम्मेवार है. जो झिलिया में आकर कचड़ा डाल देते हैं. जलापूर्ति पाईप में कचरा फंस जाने के कारण भी यह स्थिति उत्पन्न हुई है. इसके अलावा विद्युत आपूर्ति में आई गड़बड़ी के कारण चिरकुंडा के कुछ क्षेत्रों में पहले से जलापूर्ति बंद है.

खनन विभाग की छापेमारी, एक वाहन जब्त

धनबादः उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज संपदा के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखते हुए जिला खनन टास्क फोर्स ने रविवार की सुबह लगभग 6 बजे सरायढेला थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक टाटा 407 को जब्त कर सरायढेला थाना को सुपुर्द कर दिया. खान निरीक्षक बिनोद बिहारी प्रमाणिक ने बताया कि जिला खनन पदाधिकारी मिहीर सालकर के निर्देशानुसार रविवार की सुबह लगभग 6 बजे सरायढेला थाना क्षेत्र में जांच अभियान चलाया. इस दौरान बिना परिवहन चालान के बालू लदे एक टाटा 407 को पकड़ा गया. उक्त वाहन को सरायढेला थाना को सुपुर्द कर एफआईआर दर्ज की गई है. जांच दल में खान निरीक्षक बिनोद बिहारी प्रमाणिक, बसंत उरांव, विजय करमाली, सुमित कुमार तथा आवंटित पुलिस बल शामिल थे.

धनबाद जेल में छापेमारी, खैनी बरामद

जेल के सभी वार्ड की तलाशी का दावा, बाथरूम में भी की गई चेकिंग

संवाददाता। धनबाद

धनबाद जेल के ही कक्षपाल के पास से गांजा, नशीली दवाइयां और मोबाइल मिलने से धनबाद जिला प्रशासन ने पांचवें दिन ही छापेमारी कर दी है. रविवार को एसडीएम उदय रजक ने डीएसपी-इंस्पेक्टर और कई थानेदार समेत 100 पुलिसकर्मियों के साथ धनबाद जेल में छापेमारी की. एसडीएम समेत सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मियों ने जेल के कोने-कोने की तलाशी ली. कैदियों के सभी वार्डों की तलाशी ली गई. इसके अलावा स्पेशल सेल, जेल अस्पताल और शौचालय में भी बारीकी से जांच की गई. महिला कैदी वार्ड में भी छापामारी की गई. कई घंटे तक छापामारी के दौरान पूरी टीम को सिर्फ खैनी और चुनौटी ही बरामद कर पाई. एसडीएम उदय रजक ने कहा कि उपायुक्त महोदय के निर्देश पर टीम गठित की गई थी, हालांकि छापामारी के दौरान किसी भी तरह की आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं की गई.

गांजा के साथ धराए कक्षपाल ने उड़ा दिए जेल प्रबंधन के होश : चार हजार रुपए लेकर धनबाद जेल में एक कैदी को गांजा, नशीली दवाइयां और मोबाइल पहुंचाने से पहले 11 सितंबर को कक्षपाल इग्नासियुल आइंद धनबाद जेल गेट पर चेकिंग के दौरान पकड़ा गया था. धनबाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर कर उसे जेल भेजा दिया. शिकायत मिलने पर जेल आईजी ने कक्षपाल को सस्पेंड कर दिया है. पहले भी जेल गेट पर चेकिंग के दौरान गांजा समेत कई प्रतिबंधित सामग्री पकड़ी जा चुकी है. जेल में 4 दिसंबर 2023 को अमन सिंह की गोली मारकर हत्या के बाद धनबाद से रांची तक के पुलिस अधिकारियों ने छापामारी तलाशी अभियान चलाया था. तब भी यहां से आधा दर्जन से अधिक मोबाइल और प्रतिबंधित सामग्री जब्त किया गया था. माना जा रहा है कि यदि जेल गेट पर सख्ती हुई तो फिर कैदियों के पास कोई भी आपत्तिजनक सामान जा ही नहीं सकता. लेकिन मोटी रकम की लालच मेंजले प्रबंधन के लोग ही कैदियों से रकम लेकर उन्हें नशीली दवाएं आदि उपलब्ध करा देते हैं, कक्षपाल की गिरफ्तारी से यह बात तो साबित भी हो गई.

कला **पूर्व सांसद पीएन सिंह और विधायक राज सिन्हा ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना**

वंदे भारत ट्रेन का धनबाद में जोरदार स्वागत

संवाददाता। धनबाद

गया-हावड़ा वंदे भारत ट्रेन के शुभारंभ पर रविवार को धनबाद स्टेशन पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उत्साही भीड़ ने ट्रेन का जोरदार स्वागत किया. पूर्व सांसद पीएन सिंह, धनबाद विधायक राज सिन्हा, झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह, डीआरएम कमल किशोर सिन्हा समेत भाजपा और एनडीए के कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना की गई वंदे भारत ट्रेन ठीक 2 बजकर 30 मिनट पर धनबाद स्टेशन पहुंची. पहले दिन यह ट्रेन 20 मिनट तक धनबाद स्टेशन पर खड़ी रही. जिस दौरान लोगों ने पूरे उत्साह के साथ वंदे भारत का स्वागत किया. कार्यक्रम के अंत में पूर्व सांसद और विधायक ने हरी झंडी दिखाकर वंदे भारत ट्रेन को हावड़ा के लिए रवाना किया.

इस दौरान लोगों ने ट्रेन के साथ खूब सेल्फी ली. इस अवसर पर पूर्व सांसद पीएन सिंह ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन के शुरू होने से धनबाद वासियों के साथ-साथ गया जाने वाले तीर्थ यात्रियों और पारसनाथ आने वाले जैन तीर्थयात्रियों को काफी फायदा मिलेगा. धनबाद विधायक राज सिन्हा ने कहा कि धनबाद वासियों का इस ट्रेन के प्रति उत्साह और प्यार देखकर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जरूर धनबाद से लंबी दूरी की हाईटेक वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत करेंगे. उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री का झारखंड वासियों के प्रति यह प्यार ही है कि इस खराब मौसम में जब उनका हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर सका और उन्हें पता चला कि टाटानगर में हजारों जनता उन्हें देखने और सुनने के लिए उनका इंतजार कर रही है तो वो बिना कुछ सोचे समझे सड़क मार्ग से ही रांची से टाटानगर के लिए रवाना हो गए. इस अवसर पर डीआरएम कमल किशोर सिन्हा ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन के शुरू होने से धनबाद स्टेशन की महत्ता बढ़ेगी और यहां के यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी. कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने वंदे भारत ट्रेन के शुरू होने पर खुशी जताई.

मिशन एयरपोर्ट धनबाद समूह को सम्मान

धनबाद । प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने रविवार को मिशन एयरपोर्ट धनबाद समूह को उनके अथक प्रयासों के लिए सम्मानित किया. समूह ने धनबाद में एयरपोर्ट की मांग को प्रमुखता से उठाया और लोकसभा चुनावों में इसे प्रमुख मांग घोषित करवाया. मिशन एयरपोर्ट धनबाद समूह ने समाज को जोड़कर एकजुट लड़ाई लड़ी और धनबाद के विकास के लिए काम किया. समूह ने "थिंक फॉर बेटर धनबाद" कार्यक्रम का आयोजन कर धनबाद के बच्चों को जिम्मेदार, जागरुक और सचेत नागरिक बनने के लिए प्रोत्साहित किया. समूह ने "मैं बनूंगा मिसाइल मैन" का सपना बच्चों का पूरा करने के लिए "प्लान फॉर बेटर धनबाद" कार्यक्रम की योजना बनाई है, जो 15 अक्टूबर 2024 को आयोजित किया जाएगा. प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने मिशन एयरपोर्ट धनबाद समूह को अंग वस्त्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया.

मनईटांड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के नई कमेटी का अधिवेशन

संवाददाता। धनबाद

मनईटांड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के नवनिर्मित कमेटी का अधिवेशन रविवार को साहू धर्मशाला में संपन्न हुआ.अधिवेशन की अध्यक्षता मनईटांड चैंबर के अध्यक्ष जगदीश साव ने की, जबकि संचालन कुकु ने किया. धनबाद जिला चैंबर फेडरेशन के महासचिव अजय नारायण लाल ने कहा कि मनईटांड चैंबर एक सशक्त चेंबर के रूप में पूरे धनबाद में एक विकसित चैंबर रूप में होगा. उन्होंने कहा कि चेंबर के सभी दुकानदारों की समस्याओं में काम आएंगे तथा दुकानदारों के दुख तकलीफों में उनका साथ रहेंगे. मनईटांड चेंबर के अध्यक्ष जगदीश साव ने कहा कि जो जिम्मेदारी दी गयी है, उस पर खरा उतरने का काम करेंगे. संगठन को और मजबूत करेंगे. इस अधिवेशन में मनईटांड चैंबर के सदस्यों ने भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किए. अधिवेशन के अंत में धन्यवाद ज्ञापन किया गया. अधिवेशन में मुख्य रूप से सचिव राजेश वर्मन, कोषाध्यक्ष कुंदन साव, सह-सचिव राणा चट्टराज, उपाध्यक्ष विकास साव,भारत भगत, महेश्वर मोदी, मनोज साव, हीरा साव, बबलू सिंहा, राजा केसरी, मनीष कुमार, आदि लोग उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

गल्फरबाड़ी में नाली स्लैब पर विवाद

मैथन। गलफरबाड़ी मोड़ स्थित न्यू स्टार क्लब दुर्गा पूजा कमेटी की बैठक रविवार को हुई. कमेटी के अध्यक्ष रंग बहादुर सिंह ने कहा कि शिवलीबाडी मध्य पंचायत के मुखिया अनामिका देवी के पति संजय यादव और वाणी मंदिर क्लब के संयोजक अभिजीत उर्फ बुवाई घोष द्वारा दूसरे पंचायत में अनियमितता के साथ नाला पर स्लैब डाल दिया गया. उस पंचायत के मुखिया व न्यू स्टार क्लब दुर्गा पूजा कमेटी के किसी भी प्रतिनिधि को सूचना भी नहीं दी गयी. व्यक्तिगत यश प्राप्ति के लिए अनियमितता बरतते हुए नाले के उपर स्लैब ढाले जाने से कमेटी के लोग गुस्से में हैं. मुखिया पति संजय यादव और बुवाई घोष को स्पष्टीकरण देना होगा. स्लैब में अनियमितता बरती गयी है. इसलिये नाले से स्लैब हटा दिया गया है. किसी को श्रेय लेने की जरूरत नहीं है. सिंह ने कहा कि मुखिया अजय राम के सहयोग से दुर्गा पूजा से पहले स्लैब लगा दिया जायेगा. वहीं मुखिया पति संजय यादव ने कहा कि पूजा कमेटी के सदस्य बबलू प्रसाद के आग्रह पर नाले के उपर स्लैब लगाया गया. यदि किसी को आपत्ति थी या स्लैब में अनियमितता बरती गयी थी तो विरोध करना चाहिए था.

प्रेम नगर में करमा पूजा की धूम

धनबाद। धनबाद और कोयलांचल क्षेत्र में करमा परब पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाई जा रही है। इसी कड़ी में कुंभनाथ सिंह प्रेम चंद नगर स्थित पुलिस लाइन पहुंचे, जहां स्थानीय लोगों ने फूल मालाओं से उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। करमा परब के अवसर पर आयोजित पारंपरिक करमा नृत्य को देखकर कुंभनाथ सिंह खुद को रोक नहीं पाए और उन्होंने भी नृत्य में भाग लिया. कुंभनाथ सिंह चिरागोड़ा स्थित झारखंड मैदान पहुंचे, जहां केंद्रीय सरना समिति द्वारा उन्हें पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया.कुंभनाथ सिंह ने वहां आयोजित करमा परब के कार्यक्रम का आनंद लिया और उपस्थित जनसमूह को इस भाई-बहन के पर्व की शुभकामनाएं दीं.

53 सदस्यीय धनबाद जिला योगासन स्पोर्ट्स टीम घोषित

संवाददाता। धनबाद

गिरिडीह में आयोजित 5वीं झारखंड राज्य योगासन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए धनबाद जिला योगासन स्पोर्ट्स के टीम मैनेजर अभिषेक महली टीम कोच आरती शर्मा, आरती सिंह, मुकेश वर्मा, रश्मि भारती, साथ ही साथ निर्णायक अभिजीत पात्रा एवं प्रियंका कुशवाहा होंगे. यह प्रतियोगिता 28 से 30 सितम्बर 2024 तक की जाएगी.

चयनित खिलाड़ियों की सूची : रविदास योग केंद्र भूली- काव्य कुमारी, नबिता कुमारी, रोहण राज, दीपशिखा दान, अंजू दत्ता, सुलोचना, सुमित कुमार मोदी, सुनीता कुमारी, कुमारी माया, शकुंतला देवी, श्रेया कुमारी, दिया कुमारी, सिद्दीकी फिरदौस. डीएवी कुसुंडा - निशा कुमारी, आदया कुमारी, अंशिका शर्मा, सुधांशु कुमार, उज्जवल कुमार पंडित, सोनम कुमारी, विशाल कुमार गुप्ता. दिल्ली पब्लिक स्कूल - आराध्या सिंह, वैभव कुमार चौहान, आहाना घोष, अहाना कुमारी, आदया मिश्रा, लावण्या सिंह, संध्या रानी, सार्थक मिश्रा, रौनक रंजन. धनबाद पब्लिक स्कूल हीरक ब्रांच - सुमित तिवारी, समृद्धि, भूमि पांडे, सौम्या शर्मा, शिफा अजहर, निधि कुमारी. आई एस एल झरिया - अनिमेष राज, काव्य कुमारी शर्मा, प्रिंस मंडल, बड्‌र्स गार्डन राजगंज - कुमकुम कुमारी, सृष्टि महतो,
गुरुनानक मिशन स्कूल निरसा - अनन्या कुमारी, सोनू कुमार
कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय निरसा - अनुप्रिया किस्कू,
योगा फोर ऑल, हिरापुर - रचना परवत, समिता प्रसाद, मौसमी नंदी, मौमिता दे, प्रीति लता सरकार, उत्तम कुमार झा,
निरसा योग परिवार - जसपाल सिंह, कल्पना हंसदा, पूनम टुडू, जिला योगासना संघ से वीर दत्ता शमिल हैं.

दी आर्ट ऑफ लिविंग की तीन दिवसीय हैप्पीनेस कार्यशाला

धनबाद। दी आर्ट ऑफ लिविंग की तीन दिवसीय हैप्पीनेस कार्यशाला हीरापुर के टीएओएल नव सेंटर प्रीति कमल में संपन्न हुआ . तीन दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागियों ने प्राणायाम, ध्यान, योग और दी आर्ट ऑफ लिविंग की फ्लैगशिप सुदर्शन क्रिया को सिखाया गया . इस कार्यशाला को एओएल प्रशिक्षक मयंक सिंह, वरीय प्रशिक्षिका सोनाली सिंह के साथ सोनी

कुमारी ने संचालन किया . एओएल प्रशिक्षक मयंक सिंह ने बताया कि सुदर्शन क्रिया लयबद्ध श्वास की प्रणाली है, जिसे करने से शरीर, मन और आत्मा में संतुलन बेहतर होता है तथा मन शांत और स्थिर रहता है . यह तकनीक आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर द्वारा विकसित की गई है जो दुनिया के 180 से भी अधिक देशों मे होता है . उन्होंने बताया कि सुदर्शन क्रिया के निरंतर अभ्यास से तनाव और चिंता से मुक्ति, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार, आत्मविश्वास और आत्मशक्ति में वृद्धि, ध्यान और एकाग्रता में सुधार, जीवन में सकारात्मक परिवर्तन होता है .इस कार्यशाला में प्रीति प्रकाश, सुधा सहाय, केशव किशोर, श्याम सुंदर वर्मा, बनानी साहा, मजलूम अंसारी आदि ने भाग लिए व इस कार्यशाला को सफल बनाने मे झुंपा चटर्जी, जूही महतो, शकुंतला कुमारी, नवल सिंह, डीपीएस सोनी आदि का योगदान रहा .

कतरास मोड़ में यात्री शेड भरभरा कर गिरा

संवाददाता। धनबाद

लगातार दो दिनों से हो रही बारिश के कारण धनबाद सिंदरी मुख्य मार्ग कतरास मोड़ के समीप यात्री शेड पूरी तरह ढहने लगा है.जिससे कभी भी कोई बड़ी हादसा हो सकता है. धनबाद सिंदरी मुख्य मार्ग पर प्रतिदिन छोटे-बड़े सैकड़ों वाहन का आवागमन होता है.

यात्री शेड के समीप कुछ लोंगो का आवास भी है वो लोग भी इसकी चपेट में आ सकते हैं. इस संबंध में स्थानीय निवासी मनोज सिंह ने कहा कि बीती रात तेज हवा और बारिश के कारण जर्जर यात्री शेड पूरी तरह ढह रहा है. संबंधित अधिकारियों को इस पर त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए. ताकि सड़क से आवागमन सुचारू रहे और आसपास रह रहे लोगों को जान-माल का नुकसान ना हो.

टाटा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का गोमो में जोरदार स्वागत

गया हावड़ा वंदे भारत का भी गोमो में ठहराव होना चाहिए : मथुरा

खास बातें

- भारत माता की जयकारों से गूंजा स्टेशन

संवाददाता। गोमो

टाटानगर-पटना के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का दोपहर 3:00 बजे गोमो आगमन पर लोगों ने जोरदार स्वागत किया. हाथों में तिरंगा झंडा व मोदी का तस्वीर लिए भारत माता की उद्‌घोष से पूरा स्टेशन गूंज गया. भारी बारिश के बावजूद भी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का नजारा देखने के लिए लोग बड़ी संख्या में पहुंचे. जमकर सेल्फी ली गई. ट्रेन आगमन से पूर्व प्लेटफार्म पर आयोजित समारोह में छोटी-छोटी बच्चियों ने सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोहा. कार्यक्रम में सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी उपस्थित नहीं हो पाए. इस मौके पर मथुरा महतो ने कहा गया और हावड़ा के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का भी गोमो में ठहराव होना चाहिए .तीन रेलवे फाटक पर बनी ओवर ब्रिज के लाइट बुझे हुए हैं, रेलवे को इसकी संज्ञान लेनी चाहिए. इस दौरान केंद्रीय विद्यालय, विशप रॉकी विद्यालय गोमो द्वारा चित्र कला प्रतियोगिता में सफल को छात्रों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया. विधायक मथुरा प्रसाद महतो, डीआरएम कमल किशोर सिन्हा, भाजपा के जिला ग्रामीण अध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि हिरा मन नायक, भाजपा नेता दिलीप गोस्वामी आदि झंडी दिखाकर ट्रेन को रवानगी कराई.

जमुआटांड पंचायत भवन में मेडिकल कैंप

कतरास। जमुआटांड पंचायत सचिवालय में पंचायत समिति सदस्य के नेतृत्व में चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें सर्वमंगला पब्लिक स्कूल एवं नर्सिंग होम के द्वारा निशुल्क हेल्थ कैंप लगाया गया. कार्यक्रम का उद्‌घाटन सांसद प्रतिनिधि शरद महतो ने किया. इस दौरान उन्होंने अपना स्वस्थ की जांच करवा महतो ने कहा कि ऐसे शिविरों के आयोजन से जरूरतमंदों को लाभ पहुंचता है. सभी संस्थान को लोक हित में इस तरह का आयोजन करना चाहिए. चिकित्सा इन्द्रदेव कुमार, डॉ हरदेव प्रसाद की देखरेख में लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई और उन्हें उचित परामर्श दिया गया. मौके पर पंचायत समिति प्रतिनिधि गौतम कुमार महतो, उप मुखिया मोहम्मद नसीम, वार्ड सदस्य अर्जुन ठाकुर, दीपाली देवी, मृत्युंजय मंडल, बिन्दु कुमारी, अजीत कुमार, मोहन महतो, गौतम मंडल, दिनेश महतो, अजय चक्रवर्ती, समीर मंडल, अशोक मंडल, मुद्रिका सिंह, मन्टु मंडल, गोष्टु मंडल, सुकदेव मंडल, कालाचंद मंडल सहित अन्य मौजूद थे.

चक्का जाम के बाद सेल प्रबंधन झुका

मुन्नीलाल महतो के इलाज के लिए 25 लाख रुपये दिए

संवाददाता। झरिया

जनता श्रमिक संघ का आंदोलन आखिरकार रंग लाया. जनता श्रमिक संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष साजन सिंह के नेतृत्व में दर्जनों महिलाएं और मजदूरों ने सेल प्रंबधन खिलाफ एक दिवसीय चक्का जाम आंदोलन करते हुए चासनाला में अपर सिम में कार्यरत मुन्नीलाल महतो के ईलाज के लिए सेल प्रबंधन से 25 लाख रुपए राशि की मांग किया था. जनता श्रमिक संघ के महामंत्री रागिनी सिंह ने सेल प्रबंधन से वार्ता की. जिसके बाद सेल प्रबंधन जनता श्रमिक संघ के मांगो पर झुकना पड़ा और इलाज के लिए राशि देने पर सहमति जताई. सेल प्रबंधन ने मुन्नीलाल महतो के ईलाज के लिए 25 लाख रूपए दिए. जिसको लेकर मुन्नीलाल महतो के परिजन और मजदूरों ने जनता श्रमिक संघ के महामंत्री रागिनी सिंह और क्षेत्रीय सचिव साजन सिंह का कांड्रा बस्ती में जोरदार स्वागत किया गया. इस दौरान ग्रामीण महिलाओं ने भी गुलदस्ता और माला पहना कर स्वागत की. ज्ञात हो कि सेल चासनाला में अपर सीम में कार्यरत मुन्नीलाल महतो लिवर रोग से ग्रसित है हैदराबाद के एआईजी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है, जिसके इलाज के लिए 25 लाख रुपए की जरूरत था , जनता श्रमिक संघ यूनियन के अध्यक्ष सजन सिंह के नेतुत्व में दर्जनों महिलाओ और मजदूरों ने सेल चासनाला का एक दिवसीय चक्का जाम करते हुए सेल प्रबंधन से मुन्नीलाल महतो के ईलाज के लिए मांगा किया गया था. सेल का एक दिवसीय चक्का जाम को देखते हुए सेल ने जनता श्रमिक संघ को मांगो को मानते हुए मुन्नीलाल महतो के ईलाज के लिए 25 लख रूपए दिया गया.

आसनसोल

बारिश से डिसरगढ़-आसनसोल सड़क खराब, यात्री परेशान

- आवागमन में हो रही है दिक्कत

संवाददाता। सांकतोड़िया

बीते दो दिनों से हो रही लगातार बारिश ने डिसरगढ़ होकर गुजरने वाली बांकुड़ा- आसनसोल मुख्य सड़क की अवस्था की पोल खोलकर रख दी है. जहां तहां सड़क पर उभर आये गड्ढों ने आवागमन को न सिर्फ बदहाल कर रखा है बल्कि खतरनाक भी बना दिया है. हर दिन इस रास्ते से खतरे की आशंका लिए गुजर रहे यात्री बेबस और लाचार नजर आते हैं. बड़े छोटे यात्री वाहन जान जोखिम में डालकर इस रास्ते से यातायात करते हैं. जबकि प्रशासन ट्रैफिक नियमों को मानकर चलने का दबाव भी उनपर बना रहता है. पर सच्चाई यह है कि ट्रैफिक नियमों को मानकर चलने पर इन रास्तों से उनका गुजरना मुश्किल ही नहीं बल्कि नामुमकिन होगा. जानकार बताते हैं कि नियम के अनुसार चलने पर रास्ते पर जहां तहां बन गए गड्ढे तथा उनमें भर आया पानी, उन्हें आड़ी तिरछी होकर चलने को बाध्य करता है. डिसरगढ़ सुभष सेतु के पास पुलिस नाके के समक्ष उभर आया सड़क की हालत गंभीर समस्या बन गया है. यहां चेकिंग के कारण बचकर भागते हुए वाहन और भी खतरनाक स्थिति बनाते हैं.उल्लेखनीय है कि कुल्टी ब्लॉक सेवादल के अध्यक्ष मनीष बर्णवाल के नेतृत्व में हाल ही में डिसरगढ़ मोड़ पर करीब एक घण्टे तक पथावरोध किया गया था. इसे देखते हुए अविलम्ब मरम्मत की मांग पर पथावरोध की खबर छपने के बाद तुरंत कदम उठाते हुए संबंधित विभाग द्वारा मरम्मत के लिए सड़क किनारे गिट्टी डालकर शुरुआत की सूचना कर दी गई है. सेवादल के अध्यक्ष मनीष बर्णवाल का कहना है कि यही कार्य अगर विभाग द्वारा समय से स्वयं कर दिया जाता तो पथावरोध की जरूरत नहीं पड़ती. साथ इस वर्षा की आफत उतनी मुसीबत का सामना भी नहीं करना पड़ता. लेकिन बिना कुछ किये कोई सुनने या कुछ करने को तैयार ही नहीं होता. अब देखना है कि काम कब किया जाता है.

बंगाल में झारखंड नंबर की ऑटो पर प्रतिबंध

ऑटो चालकों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता। बराकर

पश्चिम बंगाल राज्य सरकार की ओर से विगत दो दिनों से कुल्टी ट्रैफिक पुलिस द्वारा झारखंड नम्बर की ऑटो को बंगाल में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है. जहा झारखंड से बंगाल की सीमा में आने वाली झारखंड के नंबर वाले ऑटो पर रोक लगा दिया, रविवार को बराकर चिरकुंडा के सभी ऑटो चालकों ने बराकर चेक नाका पर विरोध प्रदर्शन किया, इस दौरान सभी ऑटो चालकों ने ऑटो बंद रखकर टोटो की आवाजाही को रोककर प्रदर्शन किया, इन सभी का कहना है की ऑटो नही चलने दिया जाएगा तो फिर टोटो भी नही चलने देंगे, मालूम हो की बंगाल से ऑटो के द्वारा झारखंड जाने वाले दैनिक यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा, बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्र बराकर ओर कुल्टी इलाके के अधिकांश ऑटो चालकों ने झारखंड से ऑटो की खरीदारी की है और बंगाल से झारखंड एवं झारखंड से बंगाल आने वाले यात्रियों को लाने का काम करते है, लेकिन इससे बंगाल सरकार को राजस्व की नुकसान का सामना करना पड़ता है, वहीं बंगाल से झारखंड जाने के लिये लोगों को बराकर नदी पर निर्मित पुल से होकर गुजरना पड़ता है. इस पुल पर बसों एवं ट्रकों के जाने पर प्रतिबंध है.बंगाल एवं झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्र के हजारों की संख्या में लोग रोजगार को लेकर प्रतिदिन ऑटो के द्वारा आना जाना करते है. यदि ऑटो के आने जाने पर प्रतिबंध लगा रहेगा,तो बंगाल झारखंड दोनो ओर के यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा, हालांकि इसे लेकर आईएनटीटीयूसी ने कहा कि कुछ ही दिनों बाद दुर्गा पूजा का त्योहार है, इसे लेकर जिला शासक से ऑटो चालकों को कुछ समय देने की मांग की जायेगी,यह तभी संभव है जब झारखंड नम्बर के ऑटो चालकों को बंगाल में रजिस्ट्रेशन करना होगा, इससे राज्य सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी और ऑटो बंगाल एवं झारखंड में आना जाना कर सकती है.

सुभादर्शनी अस्पताल में चिकित्सकों का सेमिनार

- बेहतर चिकित्सा सेवा पर चर्चा

संवाददाता। रानीगंज

दुर्गापुर बंगाल रूलर डॉक्टर्स एसोसिएशन के करीब 100 से ज्यादा चिकित्सकों ने रविवार को रानीगंज के बांसड़ा स्क्वायर हाईवे पर स्थित सुभादर्शनी अस्पताल में सेमिनार में हिस्सा लिया. एवं मरीजों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सेवा देने के ऊपर चर्चा की. अस्पताल के इमरजेंसी विभाग के हेड डॉक्टर सुनील कुमार ने कहा कि सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल का निर्माण रानीगंज में हुआ है इस अस्पताल के निर्माण से बिहार, झारखंड,पश्चिम बर्दवान जिला एवं अन्य जिला के मरीजों को चिकित्सा का काफी लाभ होगा. सभी विभागों में 24 घंटे चिकित्सक उपलब्ध रहेंगे. इस अवसर पर दुर्गापुर बंगाल रूलर डॉक्टर एसोसिएशन के जेनेरिक महासचिव डॉक्टर जेपी सिंह ने बतलाया कि इस अस्पताल के खुलने से अब मरीजों को चिकित्सा के लिए भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी. बेहतर से बेहतर नई टेक्नोलॉजी की मशीनें उपकरण यहा उपलब्ध है. अस्पताल के सीएमडी स्वरुप पाहरी, सीएमडी रतीकांता राऊत , मैनेजिंग डायरेक्टर सुभदर्शनी पारी, अस्पताल के अध्यक्ष रोनी मुखर्जी, एच ओ आर मीनाक्षी दास , विशाल कुमार, डॉ बी पासवान सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए सैकड़ो ग्रामीण चिकित्सक उपस्थित थे.

श्री गुरुनानक विद्यालय का छात्र सूरज महतो चेस प्रतियोगिता में अव्वल

विद्यालय को मिला चैंपियन का खिताब

संवाददाता। रानीगंज

रानीगंज श्री गुरुनानक विद्यालय के ग्यारहवीं क्लास का छात्र सूरज महतो ने पश्चिम वर्धवान जिले का नाम रौशन किया.पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय चेस प्रतियोगिता डायमंड हार्बर में संपन्न हुई. पश्चिम बर्दवान ओवर ऑल चैंपियन बना.विद्यालय के छात्र सूरज महतो ने टीम के एक सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.विद्यालय के प्रधानाध्यापक ऋषिकेश त्रिपाठी ने कहा कि श्री गुरु नानक विद्यालय के विद्यार्थी विभिन्न खेलों में परचम लहरा रहे हैं शिक्षा के क्षेत्र में भी काफी अव्वल है . चेस प्रतियोगिता में पश्चिम बंगाल का चैंपियन का अवार्ड प्राप्त किया है श्री गुरु नानक विद्यालय का छात्र कुछ दिनों बाद मैनेजिंग कमेटी द्वारा उन्हें सम्मानित किया जाएगा.

कुलटी विधानसभा क्षेत्र में फुटबॉल टूर्नामेंट

बराकर। कुलटी विधानसभाझाल के झाल बगान स्थित इसीएल मैदान मे नेहरू कप एक दिवसीय वंडे नाईटबगान फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, इस टूर्नामेंट मे छेत्र की 24 फुटबॉल टीमों ने भाग लिया और फुटबॉल खिलाडियों ने अपनी-प्रतिभा को प्रदर्शित किया, जिसे देख फुटबॉल प्रसंसक काफी आनंदित हुए, इस दौरान विजेता और रनर टीमों के साथ -साथ -साथ फुटबॉल टूर्नामेंट मे अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी क्लब के द्वारा पुरस्कृत किया गया, इस दौरान मौके पर कुलटी विधानसभा के पूर्व विधायक उज्वल चटर्जी, कंचन राय, विमान दत्त, अमजद अंसारी, साजन कादरी, मोमिता सेन गुप्ता, समीर घोष, सुब्रत भादूरी मुख्य

अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे, टूर्नामेंट का आयोजन करने वाले टिंकू दा, विधान माजी और चैति भट्टचार्जी ने बताया की उन्होंने इस वंडे नाईट फुटबॉल टूर्नामेंट के जरिये ज्यादा से जुडा फुटबॉल टीमों को एक जगह एक मैदान मे एकत्रित करने का प्रयास किया है, जिसको देख लोगों का मनोरंजन तो होगा ही साथ मे फुटबॉल के प्रति कोगों की रूचि भी बढ़ेगी और फुटबॉल खिलाडियों का मनोबल भी बढ़ेगा .

नगर निगम की व्यवस्था पर लोग उठा रहे सवाल

लगातार बारिश से जल जमाव, पेड़ गिरे

संवाददाता। बराकर

क्षेत्र में पिछले 24 घंटे से हो रही लगातार बारिश के कारण कुल्टी क्षेत्र के विभिन्न इलाके में जल जमाव के साथ पेड़ एव बिजली के खंभे स्थिति खराब बनी हुई है. जिनमे कुल्टी, बराकर एवं नियामतपुर प्रिया कॉलोनी में जल जमाव बना हुआ है, इसके अलावा विभिन्न इलाके में सड़कों पर जल जमाव बना हुआ है, लगातार हो रही बारिश ने लोगों को घर से निकलना मुश्किल कर दिया. वहीं बारिश के कारण हुई जल जमाव ने नगर निगम का पोल खोल कर रख दिया, बारिश के कारण कुल्टी डीवीसी कॉलोनी में पेड़ एवं बिजली के खंभे गिर जाने से इलाके के लोगों को बाहर निकलना मुश्किल हो गया.इसकी खबर मिलते ही स्थानीय पार्षद व नगर निगम के बोरो चेयरमैन चैतन्य मांझी ने निगमकर्मियों के सहायता से सड़क पर गिरे पेड़ को हटाने का काम किया.

बिंदुधाम मंदिर में जेवरातों की चोरी

सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पुजारी अपने सहयोगी को थैला सौंपते दिखे

संवाददाता । साहिबगंज

साहिबगंज जिले के पतना प्रखंड स्थित बिंदुधाम मंदिर में शनिवार की देर रात दान में मिले माता के बेशकीमती जेवरातों की चोरी हो गई. यह जानकारी मंदिर प्रबंध कमेटी के एक पदाधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर दी. जिस गहने की चोरी हुई है वह रामनवमी मेला के समय दान में मिला था. हालांकि चोरी हुए गहने की कीमत कितनी है इस बात का पता नहीं चला है. मंदिर प्रबंधन कमेटी के कुछ सदस्यों के मुताबिक शनिवार को मंदिर प्रबंधन कमेटी की बैठक हुई थी. बैठक में रविवार को गहने समेत अन्य सामानों के लेखा-जोखा करने का निर्णय लिया गया था. बैठक खत्म होने के बाद रात करीब 8.30 बजे पुरोहित गंगानंद गिरि महाराज उर्फ गंगा बाबा ने अपने सहयोगी अनुराग आनंद को जेवरात भरे थैला सौंपा. थैला लेकर वह व्यक्ति वहां से चल दिया. रात में ही मंदिर कमेटी के सदस्यों को इस बात की जानकारी मिली.

कमेटी के सदस्य रात में ही मंदिर परिसर पहुंचे. मामले की तत्काल जानकारी रांगा थाना पुलिस को दी गई. खबर पाते ही थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव सदलबल मंदिर पहुंचे और सीसीटीवी फुटेज को खंगालना शुरू किया. सीसीटीवी में साफ गंगानंद गिरी को जेवरात वाले थेला अनुराग आनंद को सौंपते देखा गया. इसके बाद पुलिस ने उनसे पूछताछ की. पुलिस को उन्होंने बताया कि थैले में जेवरात नहीं बल्कि शराब की खाली बोतलें थी. उसने शराब की बोतलें को मंदिर परिसर से बाहर फेंकने के लिए अनुराग आनंद को सौंपा था.

मंदिर के पुजारी के कथन अनुसार पुलिस अनुराग आनंद के बरहरवा के कोरीपड़ा स्थित आवास पर छापेमारी की. तलाशी लेने पर चुराए गए गहने तो नहीं मिले लेकिन थैला बरामद हुआ, जिससे अंग्रेजी शराब की चार बोतलें भी बरामद हुई.

पुलिस ने अनुराग आनंद से पूछताछ की तो उसने चोरी की बात से इंकार कर कहा कि थैली में शराब की बोतलें थी. हालांकि पुलिस उसे हिरासत में ले लिया है. जेवरातों की चोरी का अब तक सुराग नहीं मिला है. इस बीच खबर मिली है कि पूछताछ के क्रम में उस युवक की तबीयत बिगड़ गई है. उसे इलाज के लिए सुबह करीब पांच बजे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया. इलाज कर रहे डॉक्टर के मुताबिक उसके शरीर पर चोट के निशान हैं तथा वह बेहोशी की हालत में है. इधर गंगानंद गिरी महाराज ने उनपर लगाए गए जेवरातों की चोरी के आरोप को निराधार बताया है. उन्होंने दुहराते हुए कहा कि थैली में शराब की खाली बोतलें थी न कि गहने. अनुराग आनंद के घर से बरामद थैला के बारे में उन्होंने कहा कि वह दूसरा थैला है. इस संबंध में पूछे जाने पर रांगा थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव ने कहा कि मंदिर से गहने की चोरी शिकायत मिली है. मामले की जांच चल रही है. बहुत जल्द मामले का उद्भेदन हो जाएगा.

जियलगोड़ा स्टेडियम को मिलेगा नया रूप, 2.20 करोड़ से होगा अपग्रेड

संवाददाता । धनबाद

जियलगोड़ा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम को जल्द ही नया रूप मिलने वाला है. लगभग 2.20 करोड़ रुपए की लागत से इसका अपग्रेडेशन और ड्रेसिंग रूम का निर्माण किया जाएगा. धनबाद क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार ने इसके लिए बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता एवं निदेशक (कार्मिक) मुरली कृष्ण रमैया के प्रति आभार व्यक्त किया है. डीसीए अध्यक्ष ने कहा कि बीसीसीएल ने इसके लिए निविदा निकाल दी है. जल्द ही निर्माण शुरू हो जाएगा. ड्रेसिंग रूम नहीं रहने से जियलगोड़ा स्टेडियम में बीसीसीआइ के मैचों का आयोजन संभव नहीं हो पा रहा था. एक बार फिर यहां बड़े मैचों का आयोजन किया जा सकेगा. इससे पहले, जियलगोरा स्टेडियम में

बीसीसीआइ के मैचों का आयोजन नहीं हो पा रहा था, लेकिन अब यहां बड़े मैचों का आयोजन किया जा सकेगा. धनबाद क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि यह स्टेडियम के लिए एक बड़ा कदम है और इससे खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी. इसके अलावा, धनबाद क्रिकेट संघ ने टीमों एवं खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन की तिथि बढ़ाकर 21 सितंबर कर दी है. रजिस्ट्रेशन की तिथि रविवार को समाप्त हो रही थी. डीसीए प्रबंध समिति की रविवार को धनबाद क्लब में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया. अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि 21 सितंबर के बाद रजिस्ट्रेशन के लिए एक हजार रुपए का विलंब शुल्क देना होगा. वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि झारखंड के महाधिवक्ता राजीव रंजन होंगे. इसके अतिरिक्त कई अन्य प्रमुख हस्तियां इस समारोह में उपस्थित रहेंगे. बैठक में वरीय उपाध्यक्ष साधवेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, रविजीत सिह डांग, संजीव झा व जावेद खान, महासचिव उत्तम विश्वास, कोषाध्यक्ष ललित जगनानी, सहायक कोषाध्यक्ष सुनील कुमार, संयुक्त सचिव बाल शंकर झा व बीएच खान, सहायक सचिव रत्नेश कुमार सिंह, अभिजीत घोष व संजय कुमार, विशेष आमंत्रितों में मनीष वर्द्धन के अतिरिक्त, डा. राजशेखर सिंह, राजन सिन्हा, दिवेन तिवारी, सुधीर पांडेय, संजीव राणा, संतोष कुमार सिंह, जितेंद्र सिंह उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

पूरे दिन 27 मिमी बारिश मौसम रहा सुहाना

गिरिडीह। गिरिडीह में शनिवार को रिमझिम बारिश से मौसम सुहाना रहा. इस दौरान लोगों को उमस गर्मी से राहत मिली है. पूरे दिन में कई बार तेज बारिश हुई, लेकिन उसके बाद बूंदाबांदी होती रही. बारिश से तापमान में भी गिरावट आई है. न्यूनतम तापमान 23 और अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा. दिनभर में 27.2 मिलीमीटर बारिश हुई है. शुक्रवार रात से शुरु हुई थी बारिशशुक्रवार की रात से बारिश शुरु हुई, जो शनिवार को पूरे दिन होती रही. बारिश से मौसम में ठंडक महसूस की गई है, वहीं मौसम भी सुहाना बना रहा. पूरे दिन धूप के दर्शन नहीं हुए. बारिश से शहर की रफ्तार पर भी ब्रेक लगा रहा. आमदिनों की भांति फुटपाथ पर दुकानें कम लगी. इधर बारिश से शहर की हालत नारकीय बन गई है. इससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है.

ईद-मिलादुन्नबी को ले शांति समिति की बैठक

गावां । गावां थानां में ईद-मिलादुन्नबी को लेकर शांति समिति की बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता बीडीओ महेंद्र रविदास ने की. मौके पर थाना प्रभारी महेश चंद्र, रामप्रवेश चौधरी सहित अन्य कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहें. बैठक में कई बातों पर चर्चा हुई, जिसमें पुलिस से यह अपील की गई कि त्योहार के दिन सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम होना चाहिए. पेयजल की व्यवस्था की बात समिति के मुस्लिम समुदाय के सदस्यों ने की. मिलाद उल नबी के त्यौहार में युवाओं की भीड़ अधिक रहती है, ऐसे में यह जरूरी है कि पुलिस बल पर्याप्त संख्या में हो, सदस्यों के सुझाव पर थाना प्रभारी ने सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम का भरोसा दिया. पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतिबद्धता जताई.

अंतरराज्यीय गिरोह का एक शातिर अपराधी गिरफ्तार

गिरिडीह। गिरिडीह पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के एक शातिर अपराधी को धर दबोचा है. रविवार को पुलिस कार्यालय में एसपी डॉ. विमल कुमार ने यह जानकारी पत्रकारों को दी. कहा कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर में अन्तरराज्यीय आपराधिक गिरोह के सदस्य लूट व छिनतई करने के उद्देश से घूम रहे हैं. खबर पाकर नगर थाना प्रभारी एवं मुफ्फसिल थाना प्रभारी के नेतृत्व में कई टीमें बनाकर शहर के विभिन्न जगहों पर एंटी क्राइम चेकिंग चलाया गया. चेकिंग के दौरान भण्डारीडीह रोड स्थित शास्त्री नगर के पास दोपहर करीब दो बजे नेताजी चौक की तरफ से एक बाइक पर दो सवार लोग आते दिखे. पुलिस ने इशारा देकर रोकने की कोशिश की तो बाइक चालक घूमाकर भागने का प्रयास किया. इस दौरान हड़बड़ी में दोनों गिर पड़े और बाइक छोडकर भागने लगे. पुलिस ने दौड़ाकर एक व्यक्ति को पकड़ लिया. वहीं दूसरा भीड़ का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा. पुलिस पकड़ कर उससे पूछताछ की. पूछताछ में उससे प्राप्त जानकारी के आधार पर उसके ठिकानों पर छापेमारी की गई तो चोरी की बाइक, दो फर्जी आधार कार्ड, एक फर्जी सिम लगा हुआ की-पैड मोबाईल, मोटरसाइकिल का लॉक तोड़ने का औजार, 20 हजार रुपए नगद बरामद किया गया.

आजाद हिंद सेना ने निकाली सद्भावना यात्रा

गिरिडीह। आज़ाद हिन्द सेना गिरिडीह की ओर से सामाजिक कार्य के लिए रविवार को पचंबा के कल्याणडीह से सद्भावना यात्रा निकाली गई. इस यात्रा में आज़ाद हिन्द सेना के अध्यक्ष शिवम आजाद संरक्षक अजय सिन्हा ,मंटू विशाल मण्डल समेत काफ़ी संख्या में युवा मौजूद थे. शहरी क्षेत्र का भ्रमण करते हुए यात्रा अजीडीह मोड़ पर पहुंचकर समाप्त हुई. इस मौके पर गिरिडीह के युवाओं को इस सेना में जुड़ने का आह्वान किया गया. शिवम आजाद ने कहा कि गिरिडीह के युवाओं को एकत्रित करना और उनके विकास के लिए काम करना आजाद हिंद सेना का मुख्य कर्तव्य है. गिरिडीह और यहां के युवाओं का कैसे विकास हो इस दिशा में हम काम कर रहें है. अजय सिन्हा मंटू और विशाल मंडल ने कहा कि भारी बारिश और त्योहारों के बीच युवाओं का यह जनसैलाब बता रहा है कि सभी युवा एक हैं और इस संगठन को आगे ले जाने का काम करेंगे. इस सद्भावना रैली में, विशाल यादव, राज कुमार, पीयूष यादव, अनीश यादव ,विजय चंद्रवंशी, आशीष यादव ,राजीव सिंह, पवन कुमार, आयुष सिन्हा सहित कई युवा मौजूद थे.

बहादुरपुर-बिशनपुर सड़क की हालत जर्जर

पैदल चलना खतरे से खाली नहीं

खास बातें

- सड़क में जहां-तहां गड्ढे
- बारिश के मौसम में जलजमाव
- मरम्मत के नाम पर महज खानापूर्ति

सुरेश सिंह। बेंगाबाद (गिरिडीह)

गांडेय विधानसभा क्षेत्र का एक प्रमुख सड़क बहादुरपुर-बिशनपुर रोड है. यह सड़क बेंगाबाद से गांडेय, देवघर, गिरिडीह, जामताड़ा, धनबाद और बंगाल के आसनसोल को जोड़ती है. इस सड़क की हालत इतनी जर्जर है कि इस पर सफर करना खतरे से खाली नहीं है. सड़क में जहां-तहां अनगिनत गड्ढे हैं. बारिश के मौसम में गड्ढों में पानी भरा हुआ है. सड़क पर चलते समय वाहन चालकों और राहगीरों को गड्ढ़ों का पता नहीं चलता, जिससे दुर्घटना होती रहती है. चारपहिया वाहनों के लिए तो यह सड़क किसी भी हालत में सुरक्षित नहीं है. ऐसा भी नहीं है कि इस सड़क की मरम्मत नहीं हुई है. 6 वर्षों के दौरान दो बार इस सड़क की मरम्मत हुई है, जिसपर करीब 6 करोड़ से अधिक की लागत आई. इस सड़क का मरम्मत एक बार तत्कालीन विधायक जयप्रकाश वर्मा के कार्यकाल में तथा दूसरी बार तत्कालीन विधायक सरफराज अहमद के कार्यकाल में कराया गया. मरम्मत के बाद तीन माह भी सड़क नहीं टिक सकी. इस सड़क के दोनों किनारे लोगों की आबादी है. लेकिन इसमें ड्रेन नहीं है, जिससे बारिश का पानी रोड पर ही जमा होता है. चार किलोमीटर के दौरान 100 से ज्यादा गड्ढ़े उभरे हैं. बहादुरपुर स्थित बजरंगबली मंदिर के समीप 500 फीट एरिया में गंदा पानी भरा रहता है.

बता दें कि यह सड़क आरईओ विभाग द्वारा बनाया गया था. सड़क निर्माण के दौरान लगातार विभाग एवं संवेदक से ग्रामीणों की झड़प होती रही. फिर भी विभाग और संवेदक की मिलीभगत से सड़क का कार्य जैसे-तैसे कर पूर्ण कर लिया गया. खानापूर्ति के नाम इस सड़क का रखरखाव किया जा रहा है. चार दिनों पूर्व विशनपुर के कुछ समीप गड्ढें में सीमेंट बालू ओर गिट्टी मिलाकर भर दिया गया, लेकिन भरने के साथ ही यह उखड़ने लगा.

क्या कहते हैं ग्रामीण

स्थानीय ग्रामीण केदारनाथ वर्मा, धनराज पंडित, अमृत पंडित, रामकुमार राम, वार्ड सदस्य दामोदर पंडित, चंद्रदेव वर्मा, अशोक ठाकुर, मीणा रवानी, विनोद सिंह का कहना है कि कुछ दिनों पूर्व बहादुरपुर से बिशनपुर तक सड़क मरम्मत कार्य पर गभग तीन करोड़ रुपए खर्च किए गए थे. सड़क मरम्मत के साथ गार्डवाल का भी निर्माण किया गया था. सड़क का जैसे-तैसे मरम्मत कर दिया गया. बारिश में सड़क मरम्मत की गुणवत्ता सामने आ गई. हालांकि यहां की विधायक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन हैं. लोगों को उम्मीद है कि इस सड़क की दशा अब सुधरेगी.

सड़क पार करना मुश्किल

मुखिया राजेश कुमार का कहना है कि बरसात के दिनों में बहादुरपुर-बिशनपुर सड़क पर जलजमाव होता है. लोग यह नहीं पता लगा पाते की किधर से जाएं? रात की बात तो दूर दिन के उजाले में भी लोगों को संभल कर चलना पड़ता है. सड़क की जर्जर स्थिति के कारण ऑटो सहित अन्य वाहनों के चालक इस रास्ते से गुजरना नहीं चाहते.

संस्था के सातवें सालगिरह पर रक्तदान शिविर

संवाददाता . बोकारो

रक्तदान संस्था ब्लड शेयर एन यू ने अपने सातवें सालगिरह पर ब्लड सेंटर, सदर अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया. डोनर ग्रुप के संस्थापक अनुपम कुमार सौरव ने कहा कि उनकी संस्था पिछले सात साल से बोकारो में जरूरमन्दों को निजी डोनेशन और रक्तदान शिविर के माध्यम से मदद करती आ रही है और आज का शिविर भी उसी का हिस्सा है.इस मौके पर ब्लड सेंटर की इंचार्ज डॉ मैथिली ठाकुर ने कहा कि ब्लड शेयर एन यू संस्था सदर ब्लड बैंक की स्थापना से ही उनकी मदद कर रही है और जरूरत में इनके सदस्य हमेशा मदद करने के लिए तैयार रहते हैं.आज के शिविर में अनुपम कुमार सौरव,अजय डे,रतन कुमार, शोभा रानी, अंजलि शर्मा, राजेश कुमार, सुमन्त पांडे, सुमित कुमार, आयुष सिंह, नवनीत पांडे, दीपमाला टोपनो, मृणाल टोपनो,वैभव मोहन, राहुल कुमार, शकीर इमाम, शमीम अंसारी आदि ने रक्तदान किया.

ब्रह्मर्षि परिवार बोकारो की बैठक संपन्न

बोकारो। ब्रह्मर्षि परिवार बोकारो की बैठक चंद्रपुरा में सुरेश राय की अध्यक्षता में संपन्न हुई. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुनील कुमार शर्मा, प्रोजेक्ट ऑफिसर दुगधा कोल वासरी थे. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संगठन में असीम शक्ति है, कहा मे भी गया है, संघे शक्ति कलियुगे, संगठित होकर हम समाज का भला कर सकते हैं. अपने अध्यक्षीय संबोधन में सुरेश कुमार राय ने परिवार के सभी सदस्य से समाज के हित मे कार्य करने की आवश्कता पर बल दिया. डॉ नरेंद्र कुमार राय ने अपने बच्चों को अधिक से अधिक शिक्षित और संस्कारित करने पर बल दिया. वहीँ वरीय आयोजक मंडल सदस्य कमलेश राय ने संस्था के कार्य कलापों पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला. कार्यक्रम को वरीय आयोजक मंडल सदस्य नग . नारायन. प्रसाद शाही, प्रेम कुमार,सुधीर सिंह, अशोक कुमार आदि ने भी संबोधित किया. कार्यक्रम में ब्रह्मर्षि परिवार के सदस्यों के चिकित्सा और अंतिम संस्कार में बढ़ - चढ़ भाग लेने वाले सदस्य, अनुरंजन कुमार शर्मा, श्याम मनोहर सिंह एस एस पी सिंह आदि की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई सभी ने कहा कि इनकी संगठन के प्रति जो लगन और समर्पण है वो अद्वितीय है.

टाटा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस का ट्रायल रन, बोकारो में स्वागत

खास बातें

- स्कूली बच्चों ने किया सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता । बोकारो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टाटानगर रेलवे स्टेशन से टाटानगर-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन (20893) के ट्रायल रन को ऑनलाइन हरी झंडी दिखाई. टाटानगर से प्रस्थान के बाद यह ट्रेन आद्रा मंडल के चांडिल और बोकारो स्टेशन पर रुकी. 16 सितंबर से इसकी कमर्शियल परिचालन शुरू होगी. ट्रायल के दौरान बोकारो स्टेशन पर ट्रेन का भव्य स्वागत किया गया. साथ ही रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया. स्काउट एंड गाइड तथा विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने मनोरंजक प्रस्तुति देकर समां बांध दिया. इसके अलावा स्टेशन के आस-पास के विभिन्न विद्यालयों में रेलवे के विकास में इंजीनिरिंग का योगदान विषय पर निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया. विजेता प्रतिभागियों को अपर मंडल रेल प्रबंधक आद्रा के खगेंद्र नाथ घोष ने पुरस्कृत किया.

बोकारो स्टेशन पर धनबाद सांसद ढुल्लू महतो के बोकारो जिला प्रतिनिधि बीरभद्र प्रसाद सिंह उपस्थित थे. रेलवे अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर आगे की यात्रा के लिए रवाना किया. इस अवसर पर बीरभद्र ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन विकसित व नई भारत का प्रतिबिंब है. पूर्व की सरकारों ने 70 सालों तक राज किया. इन सरकारों ने देश को आगे ले जाने के बजाए पीछे धकेलने का काम किया. मोदी की सोच के कारण भारत विश्व के मानचित्र में अपना महत्वपूर्ण स्थान बना पाया है.

भाजपा अजा मोर्चा जमुआ विस के प्रभारी बने रुपलाल

गिरिडीह। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेश दास ने रविवार को रूपलाल दास को जमुआ विधानसभा के लिए अजा मोर्चा का प्रभारी मनोनीत किया है. सह प्रभारी के रूप में भोला पासवान का चयन किया गया है. रूपलाल दास भामस के जिलाध्यक्ष हैं. वे जमुआ प्रखंड के धोथो पंचायत के कारोड़ीह गांव के रहनेवाले हैं. रुपलाल पार्टी में होल टाइमर कार्यकर्ता हैं. उनके चयन से भाजपा में खुशी हैं. रुपलाल के प्रभारी मनोनीत होने पर उन्हें भाजपा हीरोडीह मंडल के महामंत्री सह रेम्बा के उप मुखिया मनोहर पंडित, संयोजक पवन द्विवेदी, उदय द्विवेदी, भिखारी राम, मीडिया प्रभारी रोशन द्विवेदी, झारखन्डधाम मंडल के महामंत्री विकास मंडल, विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मण महतो, जगदीश दास, जागेश्वर दास, लखन दास, अनिल दास, अंग्रेज हाजरा, मनोज हाजरा समेत भाजपा के कई नेताओं ने हुए बधाई दी है.

डॉ. रंजना झा ने गोड्डा का बढ़ाया मान

दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी का पदभार किया ग्रहण

खास बातें

- प्रबुद्ध नागरिकों और हितैषियों में हर्ष व्याप्त

संवाददाता । गोड्डा

दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी के कुलपति का पदभार डॉ. रंजना झा ने ग्रहण किया है. उनके पदभार ग्रहण करने पर गोड्डा वासियों में हर्ष व्याप्त है. डॉ. रंजना झा का पैतृक गांव गोड्डा सदर प्रखंड अंतर्गत डुमरिया है. इससे पहले वह नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में भौतिकी विभागाध्यक्ष थीं. डॉ. रंजना सौर ऊर्जा सामग्री और अनुप्रयुक्त भौतिकी के क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षण कार्य में सक्रिय रहीं. इन्हें भौतिकी विज्ञान में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार समेत सौर ऊर्जा उपयोग, सामग्री और उपकरण निर्माण में अनुसंधान के लिए कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल हो चुका है. ये एनएसयूटी के विश्वविद्यालय न्यायालय के सदस्य के रूप में भी नामित रही हैं. साथ ही वह यूएसए, यूके, ऑस्ट्रेलिया, स्विट्जरलैंड और नेपाल में आयोजित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में कई शोध पत्र प्रस्तुत कर चुकी हैं. इनके स्वजन बीएन झा ने बताया कि डॉ. रंजना भौतिकी विभाग में ऊर्जा प्रणालियों के लिए अनुसंधान प्रयोगशाला की संस्थापक और प्रभारी भी रही हैं.

प्रदेश में चल रही है एनडीए की लहर : राज

गिरिडीह। राष्ट्रीय लोकजनशक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार राज ने कहा कि पूरे प्रदेश में एनडीए की लहर चल रही है. प्रदेश की जनता हेमंत सोरेन सरकार की वादाखिलाफी, भ्रष्टाचार और व्यवस्था की लालफीताशाही से त्रस्त हो चुकी है. प्रदेश की जनता ने इस सरकार को बदलने का मन बना लिया है. आगामी चुनाव में प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बननी तय है.

उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में झारखण्ड प्रदेश की जनता ने हेमंत सोरेन के वादों और घोषणाओं पर भरोसा किया. उन्हें प्रदेश की सत्ता सौंपी, पर इस सरकार ने अपने एक भी वादे को पूरा नहीं किया. सरकार में शामिल सभी दलों के नेता भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे हैं और अपनी-अपनी तिजोरियां भरने में लगे हैं. कहा कि रालोजपा एनडीए गठबंधन का एक अभिन्न और मजबूत हिस्सा है.

जनसंख्या समाधान फाउंडेशन ने किया कार्यक्रम आयोजित

वक्ता ने कहा, जनसंख्या विस्फोट को देश के लिए घातक

संवाददाता । बोकारो

सरस्वती शिशु मंदिर 9/डी बोकारो में जनसंख्या समाधान फाउंडेशन ने जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी ने कहा कि जनसंख्या विस्फोट परमाणु बम की तरह है, जो देश के लिए घातक है. हम जनसंख्या में चीन को भी पीछे छोड़ रहे हैं. देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने का यह सही समय है. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर एवं सरस्वती वंदना से हुई. स्वागत भाषण कार्यक्रम के सूत्रधार सह फाउंडेशन के राष्ट्रीय सह संयोजक कौशल किशोर राय ने दिया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय संयोजक ममता सहगल ने कहा कि मुझे कश्मीर से जनसंख्या विस्फोट के कारण ही पलायन करना पड़ा. कार्यक्रम को राष्ट्रीय संगठन मंत्री कृष्ण मुरारी ने भी संबोधित किया. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष भावेश सिंह और मंच संचालन जिला महामंत्री विक्रम महतो ने किया. मौके पर बेरमो के पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बाटुल, जेएसएफ के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक जगनानी, प्रदेश मंत्री जीवधन मांझी, महिला प्रदेश सचिव साध्वी झा, जिला संयोजक अविनाश कुमार, जिला अध्यक्ष संजय कुमार मोदक समेत फाउंडेशन के अन्य सदस्य उपस्थित थे.

करम डाल विसर्जन करने के दौरान 4 बच्चियां नाला में डूबी, एक की मौत

खास बातें

- तीन बच्चियों को मछुआरों ने सुरक्षित बाहर निकाला

संवाददाता । राजमहल

तालझारी प्रखंड में करम पूजा की डाल विसर्जन के दौरान चार बच्चियां तेंदुवा नाला में डूब गई, जिसमें एक की मौत हो गई. तीन बच्चियों को सुरक्षित निकाल लिया गया. घटना राजमहल थाना क्षेत्र की है. मृतका की पहचान मुकेश यादव की 9 वर्षीय बेटी प्रियंका कुमारी के रूप में हुई है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह चारों बच्चियां डेढ़गामा-टेकबथान गांव के बीच बने तेंदुवा नाला में करम पूजा की डाल विसर्जन करने गई थी. इन बच्चियों को डूबते वहां मछली पकड़ रहे मछुआरों ने देखा. आनन-फानन में मछुआरों ने नाला में छलांग लगा कर एक-एक कर बच्चियों को बाहर निकालने लगे. तीन बच्चियां सुरक्षित निकाल ली गई, लेकिन एक बच्ची नहीं निकाली जा सकी, जिससे उसकी मौत हो गई.

घटना के कुछ समय बाद मुकेश यादव की दूसरी पुत्री रिया कुमारी ने कहा कि मेरी छोटी बहन प्रियंका कुमारी नाला में रह गई है, उसे कोई बचाओ. इतना कहते ही वह रोने लगी. उसके पानी में डूबने की खबर सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और पानी में उसकी तलाश शुरू की. लगभग तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उसे बाहन निकाला गया. आनन-फानन में उसे इलाज के लिये अनुमंडल अस्पताल राजमहल ले जाया गया, जहां डॉ. उदय कुमार टुडू ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. उसकी मौत से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. राजमहल थाना पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया.

पीएम आवास में लाभुकों को कराया गया प्रवेश

खास बातें

- बीडीओ ने नारियल फोड़ा फीता काटा

संवाददाता । गावां (गिरिडीह)

गावां प्रखंड के कई पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवंटित आवासों में बीडीओ महेंद्र रविदास ने लाभुकों को धूमधाम से रविवार को प्रवेश कराया. जिन पंचायतों में लाभुकों ने प्रवेश किया उसके नाम गावां, जमडार, मंझने, बिरने, नगवां, खरसान, पिहरा पूर्वी, पिहरा पश्चिमी, पसनौर, पटना समेत कई अन्य अन्य पंचायतें शामिल हैं. गृह प्रवेश के दौरान बीडीओ महेंद्र रविदास ने नारियल फोड़कर तथा फीता काटा. इस अवसर पर बीडीओ ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है. इस योजना का मकसद गरीबों को आवास उपलब्ध कराना है. मौके पर विधायक प्रतिनिधि मुन्ना सिंह, मुखिया कन्हाई राम, राजेश तुरी, फुलमनी मुर्मू, संतोष मरांडी, अशोक पंडित, कार्तिक विश्वकर्मा और ग्रामीण मौजूद थे.

आत्म मूल्यांकन का समय

ईडी और सीबीआई द्वारा गिरफतार किए गए नेताओं को जमानत देते हुए जिस तरह की टिप्पणियां अदालतों ने की है, उससे अनेक तकनीकी सवाल पैदा होते हैं. विपक्ष के इस आरोप में दम भी नजर आता है कि नेताओं की गिरफ्तारी के पीछे मूल मकसद राजनीतिक है. एजेंसियों को आत्ममूल्यांकन करते हुए अपनी स्वायत्तता और जांच की निष्पक्षता की रक्षा करनी चाहिए. दिल्ली शराब घोटाले के आरोप में गिरफ्तार चार नेताओं को जमानत मिल चुकी है. इसके साथ ही झारखंड जमीन मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री को मिली जमानत में अदालत की टिप्पणी जांच एजेंसी के लिए आत्म मूल्यांकन का अवसर प्रदान करती है. कई महीने जेल में गुजारने के बाद आखिरकार आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल ही गई. लेकिन हरियाणा विधानसभा चुनाव से महज कुछ हफ्ते पहले हुई इस रिहाई की राजनीतिक चश्मे से अलग-अलग व्याख्या की जा रही है. भले ही फैसले से आप ने राहत की सांस ली हो, लेकिन जमानत के विरोध को लेकर सीबीआई की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न उठे हैं. शीर्ष अदालत ने केजरीवाल को शराब घोटाले में ईडी द्वारा दर्ज मामले में यह जमानत दी है. हालांकि, अब केजरीवाल हरियाणा में चुनाव लड़ रहे आप उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन वे इस मामले के गुण-दोष को लेकर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं कर सकेंगे. साथ ही सामान्य रूप से वे मुख्यमंत्री के रूप में अपने दायित्वों का भी पालन नहीं कर सकेंगे. इन सीमाओं और शर्तों के बावजूद उनकी पार्टी राहत की सांस ले सकती है. उनकी रिहाई से हरियाणा में पार्टी के उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ेगा. रिहा होने के बाद केजरीवाल ने कहा भी है कि जेल से आने के बाद मैं सौ गुना ताकतवर महसूस कर रहा हूं. वहीं सीबीआई के लिए यह असहज करने वाली स्थिति है कि मामले की सुनवाई कर रही बेंच के एक न्यायाधीश ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने में सीबीआई द्वारा बाधा डालने की बात कही है. सार्वजनिक विमर्श में भी यह बात उठती रही है कि एक मुख्यमंत्री व एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के नेता को सामान्य अपराधी की तरह ज्यादा समय तक जेल में नहीं रखा जाना चाहिए. अदालत ने इस आशंका को भी खारिज किया कि रिहाई के बाद मुख्यमंत्री सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं. इसके बावजूद केजरीवाल न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में हैं. वे ही सवाल सीबीआई की कार्यशैली व विश्वसनीयता को लेकर भी उठे हैं. वैसे भी यदि सीबीआई के पास पुख्ता सबूत थे तो उसे जमानत को लेकर सवाल नहीं उठाने चाहिए थे, जिसके चलते विपक्ष को सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में कार्रवाई करने के आरोप लगाने का मौका मिला. केजरीवाल की रिहाई के बाद दिल्ली कांग्रेस प्रमुख की तीखी प्रतिक्रिया से कयास लगाये जा सकते हैं कि इस फैसले का असर हरियाणा चुनाव पर पड़ सकता है. केजरीवाल की जमानत के बाद यह विमर्श भी तेज होना चाहिए कि जांच एजेंसियों को राजनीतिक दबाव से मुक्त बनाने की अचार संहिता बने.

> सार्वजनिक विमर्श में भी यह बात उठती रही है कि एक मुख्यमंत्री व एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के नेता को सामान्य अपराधी की तरह ज्यादा समय तक जेल में नहीं रखा जाना चाहिए. अदालत ने इस आशंका को भी खारिज किया कि रिहाई के बाद मुख्यमंत्री सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं.

सुभाषित

गुरु शुश्रूषया विद्या पुष्कलेन् धनेन वा।
अथ वा विद्यया विद्या चतुर्थो न उपलभ्यते॥

तीन तरीकों से विद्या प्राप्त की जाती है. चौथा कोई मार्ग नही है. पहला मार्ग है गुरु की सेवा शुश्रुषा से यानी गुरु कृपा से विद्या की प्राप्ति होती है. दूसरा पुष्कल धन देकर किसी से विद्यार्जन करना और तीसरा मार्ग है थोड़े ज्ञान के होने से पुस्तक पढ़कर या प्रयोग करकर विद्या से विद्या की प्राप्ति हो सकती है. इनके सिवा अन्य कोई मार्ग नही है.

विकास पुरुष के अवतार में राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तात्कालिक लाभ के लिए कभी कुछ नहीं करते. उनका मकसद शुरू से देशहित में बड़ा बदलाव रहा है. यही वजह है कि इन दिनों राहुल गांधी वोटरों की व्यापक चिंताओं के मुद्दों जैसे नौकरी की कमी वगैरह पर कम बोल रहे हैं, विचारधारा पर ज्यादा बोल रहे हैं. विचारधारा केंद्रित अभियान का चुनाव में सीमित लाभ होता है.

देश-काल

बृजेंद्र दुबे

अभी हाल ही में अमेरिका की अपनी यात्रा में राहुल गांधी की कुछ टिप्पणियों को भाजपा और उसके सहयोगियों ने तिल का ताड़ बनाने की कोशिश की. हालांकि इससे बेफिक्र राहुल अपनी एकला चलो की नीति से लगातार भाजपा को पछाड़ रहे हैं. उनकी कही एक-एक बात पर भाजपा का आईटी सेल तोड़-मरोड़ करने के लिए तैयार बैठा रहता है, चिल्लाता भी है, लेकिन राहुल गांधी अगली चाल चल कर उसकी सारी रणनीति की हवा निकाल देते हैं. अपनी अमेरिका यात्रा में उन्होंने कांग्रेस के दृष्टिकोण को खुल कर पेश किया, जिसमें उनका जोर दो मुख्य विषयों पर रहा. निष्पक्षता और बहुलवाद. राहुल ने इसकी तुलना भाजपा के दृष्टिकोण से की, जिसके बारे में उन्होंने दावा किया कि यह जाति पदानुक्रम और बहुसंख्यकवाद पर आधारित है. उन्होंने ऐसी व्यवस्था की भी निंदा की, जिसमें 90% लोगों को अवसर नहीं मिल पाते. आरक्षण में वृद्धि सहित जाति जनगणना के नीतिगत मुद्दों पर राहुल गांधी ने कहा कि यह इस पर निर्भर करेगा कि इनकी स्टडी में क्या निकलता है. राहुल के जवाब में भाजपा विपक्ष के नेता बिना किसी राजनीतिक दृष्टिकोण आधी-अधूरी बात को लेकर बेवजह विवाद करने की कोशिश करते हैं. उन्हें शायद यह नहीं मालूम कि आज के डिजिटल युग में राहुल गांधी का हर वक्तव्य पब्लिक डोमेन में होता है. इस पर अफवाह फैलाने वालों पर ही लोग हंसते हैं. दिलचस्प बात यह है कि राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा पर भाजपा ने जितना झूठ फैलाने की कोशिश की, उतना ही अधिक लोगों ने कांग्रेस नेता का ओरिजनल वक्तव्य यू ट्यूब पर जाकर देखा. इससे लगता है कि भाजपा ही राहुल गांधी को हीरो बनाने पर तुल गई है.

आपको बता दें कि भारत में, मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग है, जो क्रॉस-कटिंग वैलेंस मुद्दों पर काम करने के लिए पार्टियों की क्षमता पर अपना मतदान विकल्प आधारित करता है. वैचारिक लगाव कमजोर हो सकता है. सिर्फ एक उदाहरण के लिए, बंगाल और त्रिपुरा में लंबे समय से हावी सीपीएम के नाटकीय पतन पर विचार करें. उनके बड़े वामपंथी वोटिंग ब्लॉक का तेजी से लुप्त होना, इस बात का संकेत है कि किसी पार्टी का सामाजिक समर्थन आधार काफी हद तक सत्ता-अधिग्रहण में उसकी विश्वसनीयता और सार्वजनिक वस्तुओं को वितरित करने की क्षमता से प्राप्त होता है. इन आकर्षक कारकों के बिना, वैचारिक स्थिति अप्रासंगिक हो जाती है.

राजनीतिक दार्शनिक जॉर्जेस सोरेल ने कहा कि एक राजनीतिक दृष्टि और कुछ नहीं, बल्कि सामाजिक मिथक है - भविष्य का एक प्रतीकात्मक, अक्सर काल्पनिक दृष्टिकोण जो व्यापक जनता को एक राजनीतिक ताकत के पीछे प्रेरित कर सकता है. यह विचारधारा से उच्च स्तर पर स्थित है, जो दृष्टि को प्राप्त करने का मार्ग बनाती है. राहुल के नेतृत्व में, कांग्रेस के जहाज ने धीरे-धीरे खुद को एक समतावादी वामपंथी ताकत के रूप में फिर से स्थापित किया है. पार्टी ने समझदारी से मतदाताओं के अपने कैचमेंट क्षेत्र को बढ़ाया है, विशेष रूप से उन क्षेत्रवादी, पिछड़ी जाति और अंबेडकरवादी निर्वाचन क्षेत्रों को आकर्षित किया है, जो कभी इसे संदेह की दृष्टि से देखते थे. हालांकि, असमानता को कम करने का इसका मुख्य संदेश देश के विकास की एक आकर्षक दृष्टि से जोड़ कर अधिक जोरदार तरीके से व्यक्त किया जा सकता है, जो सभी के लिए ऊपर की ओर गतिशीलता और विस्तारित आजीविका के अवसरों का वादा करता है.

इस साल की शुरुआत में सीएसडीएस-लोकनीति सर्वे में पाया गया कि बेरोजगारी लगभग दो-तिहाई मतदाताओं के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है. इसमें सबसे अधिक अनुपात ओबीसी, मुस्लिम और दलित मतदाताओं में पाया गया. मतदाताओं का बाकी हिस्सा न केवल सांप्रदायिक मुद्दों के प्रति सजग है, बल्कि रोटी-रोजी की चिंताओं से भी उतना ही जुड़ा हुआ है. पिछले 10 वर्षों में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए के फीके प्रदर्शन ने इस दृष्टि को बुरी तरह से प्रभावित किया है. निजी निवेश का स्तर (सकल स्थिर पूंजी निर्माण के संदर्भ में मापा गया) प्रभावशाली नहीं रहा है, जबकि रोजगार सृजन स्थिर रहा है. विश्व बैंक ने बताया कि भारत में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर का 2022 में सकल घरेलू उत्पाद में 13% हिस्सा था, जो 2010 में 17% था यानी 4 प्रतिशत की गिरावट आई. राहुल गांधी ने देश के सामने बेरोजगारी, महंगाई, जातीय असमानता का मुद्दा जोरदार तरीके से रखा है, जो आम लोगों को विशेष तौर पर आकर्षित कर रहा है. मोदी के मित्रों को मिल रहे प्रोत्साहन का मुद्दा भी अब सबको समझ में आने लगा है. संयोग से एनडीए 3.0 को रोजगार सृजन पर सवालों का सामना करना पड़ रहा है. इसलिए, यह राहुल के लिए नौकरियों पर एक वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रदान करने का एक सुनहरा अवसर है. न केवल गरीब मतदाताओं से जुड़ने के लिए, बल्कि मनमोहन सिंह-मिड्ल क्लास वर्ग के साथ कांग्रेस के संबंधों को फिर से जगाने के लिए भी. इसी वर्ग ने 2009 में कांग्रेस को वोट दिया था. अपने अमेरिकी दौरे में, राहुल ने बेरोजगारी संकट को संबोधित किया, एक बिंदु पर सुझाव दिया कि भारत उपभोक्ता-केंद्रित अर्थव्यवस्था से उत्पादन-केंद्रित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने में चीन और वियतनाम से सीख सकता है. इसके अलावा, उन्होंने मैन्यूफैक्चरिंग-बेस्ड अप्रोच की वकालत की और तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्यों द्वारा की गई प्रगति का हवाला दिया. सभी विचार दिलचस्प हैं, लेकिन उन्हें विस्तार देने की जरूरत है. व्यापक आर्थिक चिंताओं, विशेष रूप से नौकरियों के लिए कांग्रेस के समाधान, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए उसके अभियानों में जांच के दायरे में आ सकते हैं. पहले दो राज्यों में, कांग्रेस गठबंधन प्रमुख कृषि जातियों (जाट और मराठा) के समर्थन पर निर्भर है. इसलिए, उसे जाति-आधारित वितरण न्याय पर अपनी अपील को सावधानीपूर्वक जांचने की जरूरत होगी.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

बोधि-वृक्ष | डॉ. एसके पाण्डेय

की तुम राम दीन अनुरागी

साधन संपन्न लोगों से तो बहुतेरे प्रेम करते हैं. अनुराग रखते हैं. लेकिन जो विपन्न हो, दीन-हीन हो उससे कोई अनुराग नहीं रखता. ऐसे लोगों से तो लोग मुंह फेर लेते हैं. बात करने की बात तो दूर, कोई उसका चेहरा भी देखना पसंद नहीं करता. लेकिन एक मात्र सीतारामजी महाराज ऐसे हैं. जिनको ऐसे ही लोग प्रिय होते हैं. गोस्वामीजी मानस में कहते हैं- 'वन्दौं सीताराम पद जिनहिं परमप्रिय खिन्न'. रामजी का यह वाना है- दीनों की सुनना और उनसे अनुराग रखना. इसलिए ही दीन-हीन युगों-युगों से उनके इस वाने के बल पर जीते आ रहे हैं. इसलिए हम भी रामजी को सुनाते हैं. रामजी का विरद ही अपना बल है-

सुनते न दीनों की जो उन्हें ठुकराते.
मोसे दीन मतिहीन किसको सुनाते.

जो पतित और अधम हैं. उनके भी तारनहार राम जी हैं. क्योंकि रामजी पतितपावन हैं और अनेकों अधमों को अपना लिए हैं. लोक, वेद-पुराण, भक्त और देवी-देवता इसके साक्षी हैं. भगवान का विरद गवाह है कि रामजी कभी पतितों से मुँह नहीं फेरते. यदि वे ऐसा करते तो मुझ जैसों का क्या होता-

पतितों से जो तू मुँह फेर जाते.
मोसे दोष-कोष अघी कहीं न समाते.

विभीषणजी लंका में ऐसे रहते थे जैसे दांतों के बीच में जिह्वा रहती है. दांतों के बीच में जिह्वा की क्या स्थिति होती है, इससे कौन अनभिज्ञ है? दुष्टों के बीच में उनका वास था. दुष्टों के बीच में रहने की अपेक्षा नर्क का वास अच्छा कहा गया है. लेकिन कुछ भी हो विभीषणजी को पता था कि हमारे प्रभु दीन-मलीनों से अनुराग रखने वाले हैं. वे दीनों की सुनते हैं. उन्हें अपनाते हैं. कभी ठुकराते नहीं हैं. तो एक न एक दिन मेरी भी सुनेंगे. मैं कितना ही अधम क्यों न हूं. वे मुझसे मुंह नहीं फेरेंगे. क्योंकि उनका स्वभाव ही ऐसा है. कोई मुझसे मिले अथवा न मिले. कोई मुझसे कोई सरोकार रखे अथवा न रखे. लेकिन हमारे स्वामी तो दीन अनुरागी हैं. अतः वे तो रखेंगे ही. विभीषण से जब हनुमानजी महाराज विप्र रूप में मिले तो उनको बहुत आश्चर्य हुआ कि विप्र और लंका में? और मुझसे मिलने. इसमें क्या रहस्य है. कोई विप्र हमसे मिलने क्यों आएगा? कोई आये अथवा न आये लेकिन मेरे स्वामी तो आ ही सकते हैं. और वे आयेंगे भी, क्योंकि उन्हें अपने विरद की लाज रखनी है. इसलिए विभीषणजी ने हनुमानजी महाराज से वही पूंछ लिया, जिसके स्मरण मात्र से मन पुलकित हो जाता है- की तुम राम दीन अनुरागी, आयहु करन मोहि बड़भागी.

विनियंत्रण के युग में अकल्पनीय है तेल मूल्य

बाजार

एन.बनर्जी

भारत में खनिज तेल की खुदरा कीमतों पर से नियंत्रण हटाना स्थानीय खुदरा बाजार की कीमतों को वैश्विक मूल्य प्रवृत्तियों से जोड़ने के किसी ईमानदार उद्देश्य से ज़्यादा आम जनता और सीधे-साधे उपभोक्ताओं को धोखा देना है. पिछले कुछ वर्षों में यह देखा गया है कि जब भी वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो खुदरा तेल की कीमतें अक्सर तेज़ी से बढ़ जाती हैं, परन्तु जब वैश्विक बाजार में कीमतें घटती हैं तब भारत में खनिज तेल की खुदरा कीमतें तेजी से नहीं घटतीं. सबसे पहले 2010 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पेट्रोल की खुदरा कीमतों पर और उसके बाद 2015 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा डीजल की कीमतों पर से नियंत्रण हटाया गया. देश लगभग 87 प्रतिशत आयातित खनिज तेल पर निर्भर है. आयात की कीमतों में गिरावट आने पर भी खुदरा तेल की कीमतें शायद ही कभी कम होती हैं, यहां तक कि काफी लंबे समय तक भी नहीं. पेट्रोल और डीजल की कीमतें केंद्र और राज्य सरकारों के कर राजस्व और शुल्क का सबसे बड़ा स्रोत है. यहीं पर समस्या है. बहुत ही सावधानी से पेट्रोलियम को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे से बाहर रखा गया है. जून 2022 के मध्य से, वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की मासिक औसत कीमत में काफी गिरावट आई है - अपने चरम पर 116 डॉलर प्रति बैरल से अब 76.8 डॉलर प्रति बैरल तक. वास्तव में, अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें चालू वर्ष के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं. दुर्भाग्य से, सरकार की तथाकथित खुदरा मूल्य नियंत्रण नीति बाजार की वास्तविकता से पूरी तरह से अलग है. न तो सरकार और न ही तेल कंपनियों ने कच्चे तेल की गिरती आयात लागत को ध्यान में रखते हुए खुदरा तेल की कीमतों को नीचे समायोजित करने का कोई प्रयास किया है. इसके बजाय, तेल कंपनियां उच्च लाभ कमा रही हैं. सरकार का कर राजस्व भी अप्रभावित रहा है. व्यवहार में, बहुप्रचारित तेल मूल्य नियंत्रण एक बड़ा दिखावा प्रतीत होता है. अक्सर तेल और रसोई गैस की खुदरा कीमतें वैश्विक कीमतों या कच्चे तेल की आयात लागत के साथ उनके अपेक्षित प्राकृतिक जुड़ाव की तुलना में केंद्र और राज्यों में चुनावों से अधिक जुड़ी होती हैं. आधिकारिक तौर पर, सरकार द्वारा नियंत्रित सार्वजनिक क्षेत्र के तेल विपणन संगठन पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार हैं. उदाहरण के लिए, 2013 से 2018 के बीच पांच साल की अवधि में वैश्विक कच्चे तेल (भारतीय बास्केट) की कीमत लें. जनवरी 2013 में यह 110 अमेरिकी डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि मार्च 2018 में कीमत घटकर 64 अमेरिकी डॉलर रह गई. इस बीच, जनवरी 2016 में कीमत घटकर 28 डॉलर रह गई थी. इस तथ्य पर विचार करते हुए कि इन पांच सालों की अवधि में वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 42 प्रतिशत की गिरावट आई थी, भारत में पेट्रोल की खुदरा कीमत वास्तव में आठ प्रतिशत और डीजल की खुदरा कीमत में 33 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई.यह तथाकथित तेल मूल्य विनियंत्रण के युग में अकल्पनीय है, जिसमें घरेलू खुदरा कीमतों को कच्चे तेल के थोक आयात लागतों से जोड़ा जाता है, जबकि सरकार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि होने पर पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों को बढ़ाने का कोई मौका नहीं छोड़ती है. सरकार ने खुदरा पेट्रोल और डीजल की कीमतों को विनियंत्रण करने के पीछे के उद्देश्य के बारे में लोगों को पूरी तरह से गुमराह किया है. यह धारणा बनाई गई है कि भारत में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों से जुड़ी हैं, जो पूरी तरह से गलत प्रतीत होती है. सिद्धांत रूप में, यदि कच्चे तेल की अन्तरराष्ट्रीय कीमतें गिरती हैं, जैसा कि 2022 की तीसरी तिमाही से काफी हद तक चलन रहा है, तो खुदरा तेल की कीमतें भी कम होनी चाहिए और यदि अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ती हैं तो भारत में भी खुदरा मूल्य बढ़ना चाहिए. हालांकि, व्यवहार में ऐसा नहीं हो रहा है.सबसे बड़े लाभार्थी सरकार द्वारा नियंत्रित तेल कंपनियां हैं, जो मोटा मुनाफा कमा रही हैं, और फिर सरकार है जिसका कर राजस्व बरकरार है. सरकार ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले 14 मार्च को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी. यह पूरी तरह से एक राजनीतिक निर्णय था.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> वास्तव में, अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें चालू वर्ष के दौरान अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं. दुर्भाग्य से, सरकार की तथाकथित खुदरा मूल्य नियंत्रण नीति बाजार की वास्तविकता से पूरी तरह से अलग है. न तो सरकार और न ही तेल कंपनियों ने कच्चे तेल की गिरती आयात लागत को ध्यान में रखते हुए खुदरा तेल की कीमतों को नीचे समायोजित करने का कोई प्रयास किया है.

लोकतंत्र में जनता की सर्वोच्चता निर्विवाद

विमर्श

विश्वनाथ सचदेव

कुछ अरसा पहले वाराणसी में एक टी.वी. इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ ऐसा कह दिया था, जिससे कोई भी चौंक सकता था. प्रधानमंत्री ने कहा था, 'पहले मैं यह माना करता था कि मेरा जन्म बायलॉजिकल था. कालांतर में मुझे विश्वास हो गया कि मुझे भगवान ने किसी विशेष काम के लिए भेजा है'. उनके इस कथन ने बहुतों को चौंकाया था. ऐसा नहीं है कि अलौकिक शक्तियों से युक्त होने के दावे पहले नहीं किये गये, पर अक्सर ऐसी बातों को भुला दिया जाता है. प्रधानमंत्री की 'गैर बायलॉजिकल' होने वाली बात को भी भुला ही दिया गया था. अच्छी बात यह भी है कि स्वयं प्रधानमंत्री ने भी अपनी इस बात को दुहराना ज़रूरी नहीं समझा. लेकिन हाल ही में केरल में हुई संघ-परिवार की तीन दिवसीय बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया मोहन भागवत ने बिना प्रधानमंत्री का नाम लिए कुछ ऐसा कहना ज़रूरी समझा कि अनायास ही प्रधानमंत्री की कही बात याद आ गयी. भागवत ने केरल में कहा, 'किसी को स्वयं को भगवान नहीं समझना चाहिए, भगवान लोग बनाते हैं'. ज्ञातव्य है कि संघ-प्रमुख बिना किसी का नाम लिए यह भी कह चुके हैं कि एक स्वयंसेवक को अहंकारी नहीं होना चाहिए. संघ-प्रमुख ने भले ही अपने भाषण में किसी का नाम न लिया हो, पर समझने वालों के लिए संकेत समझना मुश्किल नहीं था. और अब इस बारे में कयास लगाये जा रहे हैं कि उन्होंने यह बात कहना ज़रूरी क्यों समझा. बहरहाल, आजादी मिलने से कुछ ही पहले की बात है. जवाहरलाल नेहरू ने 'चाणक्य' छद्मनाम से एक लेख लिखकर देश की जनता को सावधान किया था कि यदि जवाहरलाल नेहरू को नियंत्रित नहीं रखा गया तो यह व्यक्ति तानाशाह भी बन सकता है. उनके शब्द भले ही कुछ और रहे हों, पर मंतव्य यही था. उन्होंने देश की जनता को आगाह किया था कि जनतांत्रिक व्यवस्था में किसी को भी स्वयं को अपनी कथित अलौकिकता का दावा करने का अधिकार नहीं है. महान वही है, जिसे जनता उसके कार्यों के आधार पर महान समझे. जवाहरलाल नेहरू ने जब छद्मनाम से वह लेख लिखा था तो वे वस्तुतः स्वयं को आगाह कर रहे थे कि उन्हें संयम से, सीमा में, रहना होगा. आज मोहन भागवत स्वयं को भगवान समझने वालों को यही संदेश दे रहे हैं. वस्तुतः यह संदेश नहीं, चेतावनी है. उनके लिए भी चेतावनी जो स्वयं को महान अथवा अलौकिक समझते हैं और जनता के लिए भी जो किसी कथित अलौकिकता का शिकार बन सकती है, बन जाती है. नेताओं को संयम में रहना चाहिए और जनता को भी उनकी नकेल अपने हाथ से नहीं छोड़नी चाहिए. केरल की उस बैठक में संघ-परिवार के सभी घटक सम्मिलित हुए थे. संघ की राजनीतिक शाखा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी वहां उपस्थित थे. हाल ही में हुए आम चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा-अध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दों में यह कहा था कि 'अब भाजपा को संघ की बैसाखी की आवश्यकता नहीं है.' संघ के नेतृत्व को यह बात रास नहीं आयी, और कहते हैं, भाजपा को चुनाव में पर्याप्त सफलता न मिलने का एक कारण संघ के स्वयंसेवकों की बेरुखी भी थी. संघ प्रमुख द्वारा बार-बार बिना नाम लिए प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाना भी यह बताता है कि संघ और भाजपा के रिश्तों में कहीं कुछ खटास आयी है. यह खटास कैसे दूर हो सकती है, इस बारे में संबंधित पक्षों को ही सोचना और कुछ करना होगा, लेकिन भाजपा के नेतृत्व को, विशेष रूप से प्रधानमंत्री को, कुछ निर्णायक कदम उठाने ही होंगे. भाजपा के नेतृत्व को यह समझना होगा कि विपक्ष दुश्मन नहीं होता, कि जनतांत्रिक व्यवस्था में अहंकार के लिए कोई स्थान नहीं है, कि कोई अपने आप को सर्वोपरि मानकर देश का नेतृत्व नहीं कर सकता. आज भी विश्व-व्यवस्था में भारत जैसे बड़े देश का अपना महत्व है. आज़ादी मिलने के बाद से ही विश्व भारत की ओर आशाभरी निगाहों से देखता आ रहा है. हमारी गुट-निरपेक्षता की नीति कई बार अपना महत्व रेखांकित कर चुकी है. आज भी प्रधानमंत्री से अपेक्षा की जा रही है कि वे दुनिया पर गहराते युद्ध के बादलों को दूर करने में सक्रिय भूमिका निभाएं. रूस और यूक्रेन में चल रहा युद्ध हो अथवा इजराइल-फलस्तीन की लड़ाई, भारत की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> ज्ञातव्य है कि संघ-प्रमुख बिना किसी का नाम लिए यह भी कह चुके हैं कि एक स्वयंसेवक को अहंकारी नहीं होना चाहिए. संघ-प्रमुख ने भले ही अपने भाषण में किसी का नाम न लिया हो, पर समझने वालों के लिए संकेत समझना मुश्किल नहीं था. और अब इस बारे में कयास लगाये जा रहे हैं कि उन्होंने यह बात कहना ज़रूरी क्यों समझा.

मीडिया में अन्यत्र

भारत के खाद्य खपत में हो रहा बदलाव

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा प्रकाशित एक नए कार्यपत्र 'भारत के खाद्य उपभोग में बदलाव और उसके नीतिगत निहितार्थः घरेलू खपत व्यय सर्वेक्षण 2022-23 और 2011-12 का एक व्यापक विश्लेषण' ने देश के खाद्य उपभोग संबंधी रुझानों के दिलचस्प पहलुओं पर प्रकाश डाला है.घरेलू खपत व्यय सर्वेक्षण 2011-12 और 2022-23 के आंकड़ों की तुलना बताती है कि देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के ग्रामीण और शहरी इलाकों में घरेलू स्तर पर औसत मासिक प्रति व्यक्ति व्यय में महत्त्वपूर्ण इजाफा हुआ है. वास्तव में ग्रामीण परिवारों के एमपीसीई में 164 फीसदी की वृद्धि हुई जबकि शहरी इलाकों के परिवारों का एमपीसीई 146 फीसदी बढ़ा.इसके अलावा औसत एमपीसीई में शहरी और ग्रामीण इलाकों के बीच का अंतर 13 फीसदी कम हुआ. इस संदर्भ में पर्चे ने खाद्य खपत रुझानों में बदलावों को अच्छी तरह दर्ज किया है. भारत जैसे विकासशील देश में यह घरेलू व्यय का बड़ा हिस्सा है.आंकड़े आगे दिखाते हैं कि खाद्य उत्पादों का कुल घरेलू व्यय ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों में काफी कम हुआ है. पहली बार खाद्य क्षेत्र का औसत घरेलू व्यय परिवारों के समग्र मासिक व्यय के आधे से भी कम है. इससे संकेत मिलता है कि तमाम परिवारों की स्थिति में सुधार हुआ है. यह बात ऐंजल कर्व परिकल्पना के अनुरूप ही है, जो यह मानती है कि किसी परिवार की आय बढ़ने के साथ-साथ खाद्य पदार्थों पर होने वाला व्यय कम होता है.एचसीईएस के आंकड़े न केवल भारतीयों के कुल व्यय में खाद्य उत्पादों की हिस्सेदारी में गिरावट की ओर संकेत करते हैं, बल्कि वे यह भी बताते हैं कि खाद्य व्यय के घटकों में बदलाव आया है. अनाज से दूध और दुग्ध उत्पादों, ताजे फलों, अंडों, मछली और मांस की ओर. दूसरे शब्दों में कहा जाए तो खाद्य खपत बास्केट कैलरी वाले भोजन से प्रोटीन और सूक्ष्म पोषक तत्त्वों वाले भोजन की ओर जा रही है. व्यापक स्तर पर खाद्य खपत रुझानों में बदलाव को देखते हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के भार में संशोधन का मामला बनता है. बहरहाल, इस कवायद को अंजाम देने के पहले समझदारी यही होगी कि 2023-24 के एचसीईएस के परिणामों की प्रतीक्षा की जाए, जो अगले वर्ष के आरंभ में आने हैं.ध्यान देने वाली बात यह है कि अनाजों पर होने वाले व्यय में कमी उन परिवारों में अधिक है जो आय वितरण के निचले 20 फीसदी में आते हैं. ऐसे ही रुझान प्रति व्यक्ति घरेलू स्तर पर विभिन्न खाद्य पदार्थों की वास्तविक मात्रा के लिए भी देखने को मिले.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

मान/श्रीमान्

कोई रूठ जाये तो उसे मनाना पड़ता है. जब वह मान जाता है तो खुशी होती है. जब कोई आपकी बात मान लेता है तो संतोष होता है. कुछ लोग अपनी बात मान लेने के लिए दूसरों पर दबाव डालते हैं, जैसा इस गाने में है-मान मेरा एहसान अरे नादान कि मैंने तुझसे किया है प्यार. इन वाक्यों में प्रयुक्त मान हिंदी का बहुप्रचलित तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसके अनेक अर्थ हैं. जैसे भार, तौल, किसी पदार्थ या वस्तु की नाप, मूल्य आदि परिमाण जानने का साधन, पैमाना, मापदंड, आदर, सम्मान, काव्यशास्त्र के अनुसार नायिका या नायक के प्रति उदासीनता का भाव, रूठना. यही मान अकर्मक क्रिया के रूप में जब आता है तो इसका मतलब हो जाता है राजी होना, सहमत होना, समझना, फर्ज करना, मन में आना, खुश होना, अनुकूल होना, किसी के प्रति आदर भाव रखना, कायल होना, भरोसा होना. इसी प्रकार सकर्मक क्रिया के रूप में इसका मतलब है विश्वास करना, स्वीकार करना, अंगीकार करना, सहन करना, किसी के निर्देश या आज्ञा का पालन करना, कर्तव्य निभाना, खयाल रखना. उपसर्गों के प्रयोग से मान के अर्थ में चमत्कार उत्पन्न होता है. जैसे अप उपसर्ग लगेगा तो अपमान, अभि उपसर्ग लगेगा तो अभिमान, सम् उपसर्ग लगेगा तो सम्मान, वि उपसर्ग लगेगा तो विमान, अनु उपसर्ग लगेगा तो अनुमान. इन शब्दों को तो हर कोई महसूस करता है. कुछ लोगों का मान बहुत जल्दी खंडित भी हो जाता है. इसलिए वे रूठ जाते हैं. गाना बनता है-रूठा है तो मना लेंगे.. स्त्रियों का जब मान खंडित होता है और वे क्रोधित हो जाती हैं तो जैसा कि परम्परागत रूप से कहा गया है, वे कोप-भवन में चली जाती हैं. उन्हें भी मनाना पड़ता है. मान शब्द की मैत्री जब श्री शब्द से होती है तो शब्द बनता है श्रीमान. श्री शब्द धन-संपदा, सुख-सौभाग्य, कांति, शोभा तथा गौरव की देवी लक्ष्मी का पर्यायवाची है. श्रीमान् का आशय है पुरुषों के नाम के आगे लगाया जानेवाला आदरसूचक शब्द, अमीर, धनवान, शोभायुक्त, गौरवशाली.

डर है कि कहीं कट न जायें चोटियां

तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

आश्चर्य है, राजस्थान से जो चोटियां कटने का सिलसिला शुरू हुआ, थम ही नहीं रहा है. दिल्ली होता हुआ उत्तरप्रदेश में और फिर गुजरात तक में इसने अपनी पहुंच बना ली. आज तक व्याख्या नहीं हो पाई कि आखिर कौन काट रहा है, ये चोटियां. दहशत फ़ैल गई है. समाधान के अबतक कई विकल्प आ चुके हैं. शायद कोई चुड़ैल है, या कुछ चुड़ैलें हों जो इसे अंजाम दे रहीं हैं. एक महिला को तो चुड़ैल मानकर पीट पीट कर मार ही डाला गया. कुछ लोगों का कहना है चोटियां कटने की बात केवल एक अफवाह है. वास्तव में तो चोटियां कटी ही नहीं हैं. कुछ उदाहरण ऐसे मिले भी. लेकिन कुछ की चोटियां यतार्थतः कटी देखी भी गईं हैं. कोई न कोई तो चोटी-कटवा है- इससे इनकार नहीं किया जा सकता. एक व्याख्या यह भी है कि दरअसल एक बरसाती कीड़ा है जो बालों में घुस जाता है और पूरी की पूरी चोटी साफ़ हो जाती है. कितने ही लोग ऐसे हैं जो चोटियां रखते हैं. स्त्रियों की तो आमतौर पर चोटियां होती ही हैं, तमाम पुरुष भी ऐसे हैं की जिनके चोटियां हैं. भले ही वे स्त्रियो की तरह उनकी पीठ पर न लहराएं, पर अनेक हिन्दू लोगों के सर पर बीचों-बीच बालों का एक गुच्छा जो हजामत बनाते वक्त छोड़ दिया जाता है, वह उनकी चोटी, जिसे शिखा भी कहा जाता है, ही तो है. वाराणसी में आपको न जाने कितने ऐसे 'चोटी के विद्वान' मिल जाएंगे. मेरी एक महिला मित्र हैं. उनके बड़े लम्बे बालों की लम्बी सी एक चोटी है. अच्छी तो लगती है लेकिन वे उसके रख-रखाव से दुखी हैं. कटवाना चाहती हैं. लेकिन घरवाले नहीं चाहते की इतने सुन्दर बालों को काट दिया जाए ! पर वे सैलून पहुंच ही गईं. लेकिन वहां भी बाल काटने वाले ने उन्हें हिदायत दे डाली कि वे अपने लम्बे बालों पर गर्व करें और रहम करें. चोटी न कटाएँ. फिर क्या था ! रात में जब सब सो रहे थे उन्होंने अपनी लंबी चोटी खुद ही काट डाली और लगे हाथों यह अफवाह उड़ा दी की कोई चोटी-कटवा उनकी चोटी काट ले गया. ...और लगीं विलाप करने! पर्वतारोहण की शौकीनों ने न जाने कितने पर्वतों की चोटियां फतह कर डाली हैं. शायद ही कोई ऐसी चोटी रह गई हो जो फतह न हुई हों. हिमालय की सर्वोच्च चोटी, एवरेस्ट, पर कई देशों का झंडा कई बार लहराया जा चुका है. कई भारतीयों ने भी यह करिश्मा कर दिखाया. चोटियां स्त्रियों की ही कट रही हैं. स्त्रियां "सॉफ्ट टारगेट" हैं. स्त्रियों को वश में करना, उन्हें अपने अधीन कर लेना आसान है. उनकी चोटी काटने, कतरने में, उन्हें अपने आधिपत्य में ले लेने में, पुरुष ने दक्षता प्राप्त कर ली है. क्या किया जाए ? इसका एकमात्र समाधान यही है कि स्त्रियां पुरुषों से स्वयं को किसी तरह हीन न माने. अपना आत्मविश्वास जगाएं. स्त्रियों में एक बार यदि यह आत्म-विश्वास पैदा हो गया तो निःसंदेह सारे चोटी-कटवाओं की चोटियां कट जाएंगी.

सुकून

मोटिवेशन

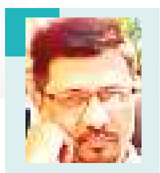

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

हमारी उदासी और परेशानी की एक मुख्य वजह है सच्चाई को स्वीकार न करना. अक्सर कुछ ऐसे कटु अनुभवों से हमारा सामना होता है, जो हमें हिला कर रख देते हैं, हमारी खुशियां हमसे छीन लेते हैं. आज हम ऐसे ही 10 कटु सत्य के बारे में जानते हैं जिन्हें बोल्डली स्वीकार कर लेना जिंदगी को आसान बनाएगा.

बातें कड़वी हैं पर सच्ची हैं

1. हम हर किसी को खुश नहीं कर सकते

हम चाहे कितनी भी दयालुता बरतें, दूसरों का काम कर दें, कुछ लोग पता नहीं किस मिट्टी के बने होते हैं, उनकी शिकायतें और अपेक्षाएं कभी समाप्त नहीं होतीं. वे अपने कटु शब्दों से या अपने चेहरे के जहरीले भावों से हमें आहत करने से नहीं चूकते. बेहतर होगा, हम अपना काम करें, और इनसे किसी तरह की कोई अपेक्षा न करें.

2. हर कोई हमारी प्रगति से खुश नहीं होता

सफलता मिलने पर हम अपनी खुशी साझा करते हैं, इस उम्मीद के साथ कि उन्हें भी खुशी होगी. यह कटु सत्य है कि हमारी तरक्की या सफलता से गिने-चुने लोगों को ही खुशी होती है, कुछ लोगों को जलन होती है और कुछ तरक्की में बाधा डालने की कोशिश करते हैं. अच्छा होगा, अपनी खुशी को गिने-चुने हमारे वेल विशर से शेयर करें.

3. बहुत कम रिश्ते टिकाऊ होते हैं :

कई बार हमारा कोई करीबी हमसे अजनबी की तरह पेश आता है तो हम हर्ट फील करते हैं, हमें बहुत गुस्सा आता है. यह कटु सत्य है कि ज्यादातर रिश्ते जरूरत और काम पर टिके हुए हैं. हम भी अपवाद नहीं. इसलिए अगर कोई हमसे दूरी बनाता है, तो इसे स्वाभाविक रूप से लेना चाहिए. यह मानकर कि उससे हमारा इतने दिनों का ही संबंध था.

4. पोस्ट, पावर और पैसा बोलता है

आजकल योग्यता बाद में पहले पोस्ट, पावर और पैसा आता है. किसी भी कार्यक्रम में पावर, पोस्ट या पैसे वालों को मुख्य अतिथि या विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है. ऐसे लोगों का काम आसानी से हो जाता है, जबकि योग्य, गुणी लोगों को सारी प्रक्रियाओं से होकर गुजरना पड़ता है. यह आज का कटु सत्य है, इसे स्वीकार कर लेने में ही भलाई है. इसके बारे में सोच-सोच कर मन खट्टा करने से कोई फायदा नहीं होने वाला.

5. वक्त पर कोई मदद के लिए नहीं आता :

यह कटु सत्य है कि जब हमें सबसे ज्यादा जरूरत होती है, हमारी मदद के लिए कोई नहीं आता, चाहे वह हमारा कितना भी करीबी क्यों न हो. उस समय हम बहुत असहाय से हो जाते हैं. खुद को मजबूत बनाएं जाए, ताकि जब कभी ऐसी परिस्थितियों से गुजरना पड़े, तो हम टूटें नहीं और समस्या को अपने बलबूते पर सुलझा सकें.

6. स्वार्थी लोग ज्यादा सफल होते हैं

आज के समय में यह बहुत कॉमन हो गया है. अयोग्य लोग सक्षम लोगों को सरपास कर रहे हैं. ये आला दर्जे के चापलूस होते हैं, सफलता पाने के लिए किसी स्तर तक गिर सकते हैं. इन्हें सफल होता देख हमारे तन-बदन में आग जाती है. क्या हम उनके स्तर तक गिरने के लिए तैयार हैं? नहीं न! तो फिर उनकी सफलता से जलने, व्यवस्था को कोसने की कोई जरूरत नहीं.

7. हर इंसान अकेला है

अगर आप अकेलेपन से जूझ रहे हैं, तो उदास होने की जरूरत नहीं है. आज लगभग हर इंसान इस समस्या से जूझ रहा है. फिलहाल इसका एक-दो उपाय अपनाएं. एक कि हम अपनी कंपनी खुद इंज्वाय करना सीखें और दूसरा, अपने आप को सकारात्मक हॉबिज में व्यस्त रखें.

मूल मंत्र

आइए इन कटु सत्यों को समझकर, इन्हें स्वीकार कर, अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाएं. सेनेका ने बहुत सही बात कही है – हम कल्पना में वास्तविकता से अधिक पीड़ा सहते हैं. ओवरथिंकिंग से बाहर निकलें, इन कटु सत्यों को मुस्कुराते हुए स्वीकार करें, जिंदगी वाकई खूबसूरत हो जाएगी.

8. जैसा दिखता है, वैसा होता नहीं है

सोशल साइट्स पर लोगों के हंसते-खिलखिलाते फोटो देखकर हमें लगता है, सबसे गये-गुजरे हम ही हैं. दूसरे मस्त जिंदगी जी रहे हैं. सच तो यह है कि सभी की जिंदगी में तमाम परेशानियां हैं. हां, इससे सबक लेने की जरूरत है कि दूसरे इतनी परेशानियों के बावजूद खुश दिख सकते हैं, तो हम क्यों नहीं!

9. मेरे बिना काम नहीं चलने वाला

सच्चाई यह है कि हमारे न रहने से 99% लोगों को कोई फर्क नहीं पड़ता. ऑफिस दूसरे दिन ही किसी और को हमारी जगह रख लेगा. परिवार भी कुछ समय बाद हमारे बिना रहने की आदत डाल लेगा. इसलिए अपनी अहमियत को ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर नहीं आंकना चाहिए.

10. किताबी बातें ज़िन्दगी में बहुत कम काम आती हैं

व्यावसायिक पढ़ाई और डिग्रियां केवल व्यावसाय तक सीमित रहती हैं, जबकि वास्तविक जीवन में साधारण गणित, हिन्दी, अंग्रेज़ी और व्यवहारिक ज्ञान ही काम आता है. असल में, जीवन में बात-व्यवहार, स्मार्टनेस, कॉमन सेंस और क्षेत्र विशेष में हमारा अनुभव सबसे ज्यादा मायने रखता है.

इन दिनों मेरी किताब

कानों में कुछ कह गईं मौसीक़ी सी सरगोशियां

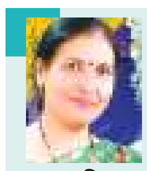

चारूमित्रा

प्रसिद्ध कवयित्री संगीता कुजारा टाक का यह दूसरा काव्य -संग्रह है. प्रस्तुत संकलन स्त्रियों के प्रति गहरी संवेदना के साथ समाज में उनकी दशा-दिशा को रेखांकित करता है. युग बदलता है, समय बदलता है मगर स्त्रियों की स्थिति नहीं बदलती. "सरगोशियां" संकलन में जो त्रिवेणियां हैं, इसमें कवयित्री ने भावों, अनुभूतियों और कथ्य को बहुत सहज, सरल और आत्मीय ढंग से लयात्मक शब्दों में पिरोया है. जो धीरे से कानों में कुछ कहती है और पाठक की संवेदनाओं को झकझोरती है. गुलज़ार साहब को समर्पित ये त्रिवेणियां अपनी संवाद-शैली के चमत्कारिक प्रयोग से हर पाठक को विस्मित कर देती हैं.

गुलज़ार की लिखी त्रिवेणी है- "दो सोंधे जिस्म जिस वक्त/एक मुट्ठी में सो रहे थे/लबों की मद्धम तवील सरगोशियों में सांसें उलझ गयी थीं." गुलज़ार की यह नज़्म और दूसरी नज़्में कभी हम घूंट -घूंट पीते हैं, कभी चखते हैं, कभी उनका स्पर्श महसूस करते हैं और कभी उनका नशा हम पर तारी होता है. कभी उनमें हम गहरे डूबते हैं और कभी ख़यालों की भीनी -भीनी फुहार में भीगने के बाद देर तक गीले रहते हैं. ख़याल कभी इकहरे नहीं होते, धूप-छांव की तरह मिज़ाज बदलते रहते हैं. गुलज़ार की तरह संगीता कुजारा टाक की त्रिवेणियां भी हमारा ध्यान आकृष्ट करती हैं.

संगीता जी की त्रिवेणी पढ़ते हुए महसूस होता है, इन्होंने कविता के मर्म को न सिर्फ बचाया है बल्कि चाक्षुष माध्यम से लफ्ज़ों के मानी को और ज्यादा प्रभावी बनाया है.
कुछ कविताएं --
"मीलों फैली खामोशी/मेरा आकार लेती जा रही है/उसका नाम अब सन्नाटा है."
"तुझसे इश्क़ मेरा रोज़ा/लेकिन मेरी किस्मत/चांद मयस्सर नहीं मुझे."
इस त्रिवेणी को पढ़ते हुए गुलज़ार याद आ रहे हैं ---
"मैं एक सदी से बैठी हूं/इस राह से कोई गुज़रा नहीं/कुछ चांद के रथ तो गुजरे थे/पर चांद से कोई उतरा नहीं."

कभी -कभी संगीता कुजारा की त्रिवेणियां तीखी और शोख सुरूर का एहसास कराती हैं. कभी आंखों के झरोखे में रात भर बतिया जाती हैं -
"ख़्वाब सोने नहीं देते/सो जाएं तो उठने नहीं देते/खुदा! मिट्टी पलीद कर दी आपने आंखें दे कर." या फिर यह – "ख़त्म हो गई/आंखों की रसद/आना पड़ेगा अब तुम्हें."
गुलज़ार की नज़्म है - जब भी ये दिल उदास होता है/जाने कौन आस -पास होता है. "कुछ ऐसी मुश्किलें होती हैं जिनका शायद ही कोई हल होता है. मुश्किल को समझना उसे हल करने की पहली कोशिश है और इस प्रक्रिया में अपने - आप से जूझने की जो जद्दोजहद है, उसे त्रिवेणियों का लिबास पहनाना संगीता जी की ख़ासियत है. कुछ त्रिवेणियां जो गहरे उतरती हैं-
"ख़ुद को रेत रहने दिया/तुझे ज़रखेज किया/मैंने दुआओं का बहाव तुम्हारी तरफ़ किया."
"तमन्ना नहीं की/ज्यादा की मैंने/बस,आधे चांद से ख़ुश रही."
कबीर, तुलसी, जायसी, सूरदास, रहीम और ग़ालिब आज भी ज़िंदा हैं. कविताओं में ,नज़्मों में कहीं ना कहीं ये मिल जाते हैं. इन सबसे अलग कविताएं सिर्फ जाने - पहचाने रास्तों पर नहीं चलतीं, न जाने कितनी ऐसी पगडंडियां हैं जिनसे होकर कविताएं गुजरती हैं और किसी और ही दुनिया में पहुंचा देती हैं. संगीता कुजारा की ये त्रिवेणियां क्रमशः डॉ. अशोक प्रियदर्शी और सौरभ पाण्डेय जी के लिखे पुरोवाक से अच्छी समीक्षा इस पुस्तक की हो ही नहीं सकती है. इनके शब्दों का चयन जीवन के सहज प्रवाह की तरह होता है. उसमें गहरी ध्वन्यात्मता और तरलता है, जो संगीता की त्रिवेणियों के हर पहलू से हमारा परिचय कराती हैं.

संगीता जी की लिखी त्रिवेणी स्त्री के अविदित भाग्य को रचनात्मक विवेक के साथ सामने रखती है। इनमें नारी - मुक्ति को लेकर न नकली बौद्धिकता है,न दिखावे का संवेदन। ऊपर से शांत दिखने वाली इन त्रिवेणियों में ऐसी आग समाहित है, जिसका ताप फफोले छोड़ जाता है __
'कुछ शब्द हैं/तुम्हारे साथ बांटना चाहती हूं/हम,घर और बच्चे.'
'आंसुओं ने आंखों में घर बना रखा है/दौड़ रही हूं मैं/ख़्वाब हाथों में लेकर...'
143 पृष्ठों की त्रिवेणियों का यह संग्रह नूतन- नवीन चेतनाओं से युक्त है जो नितांत पठनीय है. हर पृष्ठ पर जो रेखांकन है वह कवयित्री की ही कला है और इससे किसी हद तक उस त्रिवेणी का अर्थ खुलता है. यह कवयित्री की कठिन काव्य -साधना से सिंचित है. इन शब्दों के साथ मैं आपको यह संकलन पढ़ने के लिए आमंत्रित करती हूं.

पुस्तक : सरगोशियां,
लेखिका : संगीता कुजारा टाक
प्रकाशन : श्वेतवर्णा नोएडा (उ.प्र.)
पृष्ठ संख्या-143
मूल्य-249

बागवानी

सर्दियों में करें तैयारी इन फूल-सब्जियों की

सितंबर आधा गुजर गया है. ठंड की आहट है और बरसात की विदाई. यह समय है सर्दियों में आने वाले फूलों व सब्जियों को लगाने का. इस समय आप अपने किचन गार्डन में कुछ खास तरह के फूल और सब्जियां लगा सकते हैं.

लगाएं मोगरा/ चमेली की कलमें

इस सीजन में फूलों वाले पौधों की पौध जैसे गेंदा, जीनिया, बालसम की देखभाल करें व तैयार पौध की रोपाई का कार्य करें. इस समय गुलदाउदी, मोगरा व चमेली की कलमें लगाई जा सकती हैं. रजनीगंधा में पोषक तत्वों के मिश्रण का 15 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें तथा स्पाइक की कटाई करें.

ये सब्जियां लगाएं

सब्जियों में गाजर की देसी किस्म जैसे पूसा केसर की बुवाई बड़े गमले/ग्रोवर बैग में करें. इसके लिए 0.5 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से बीज की आवश्यकता रहेगी. वहीं मूली की जापानीज वाइट किस्म की बुवाई बड़े गमले/ग्रोवर बैग में करें.

रमता जोगी

मानवता की शिक्षा का यह केंद्र

नूपुर अशोक

केंब्रिज स्थित पेम्ब्रोक कॉलेज की प्रोफेसर ने कॉलेज कैम्पस दिखाते हुए हमें कई बातें बताईं. इसकी स्थापना 1347 में हुई थी. हमें यह जानकर बहुत आश्चर्य हुआ कि 1970 तक केंब्रिज में महिला विद्यार्थियों का प्रवेश वर्जित था. पेम्ब्रोक केंब्रिज का तीसरा सबसे बड़ा कॉलेज है और अपना चैपल यानी ईसाई प्रार्थनागृह बनाने वाला पहला. वहां के विभिन्न विभागों के सामने से गुजरते हुए, गलियारों में लगे मेधावी विद्यार्थियों के नाम के पट्ट देखते हुए हम चैपल में पहुंचे.
अपने सभी धार्मिक स्थानों के प्रति वहां के लोगों में सम्मान, श्रद्धा और गर्व का भाव है. उन सब स्थानों को देखते हुए मैं सोच रही थी कि क्या भारत के शिक्षा संस्थान अपने कैम्पस में मंदिर स्थापना को इतना महत्व देते हैं? क्यों नहीं देते?
खैर, उन्होंने गर्व के साथ हमें वह चैपल दिखाया जिसे 1665 में बनाया गया था. जैसे हम अपने छात्र जीवन में क्लास के दौरान बेंचों और डेस्कों पर अपने नाम उकेरते रहते थे, उसी तरह वहां के छात्रों ने भी चैपल की डेस्कों पर अपने नाम और कई जगह तारीख भी उकेर रखी थी. उनमें हमें 18वीं, और 17वीं शताब्दी की तारीखें दिखीं. यह सोचना रोमांचकारी था कि जब हमारे यहां मुगलों का शासन चल रहा था, यहां यह कॉलेज चल रहा था. उन्होंने चैपल की उन चार सौ साल पुरानी गद्दियों को भी वैसे ही संरक्षित रखा है. लेकिन सब से अधिक जिस चीज़ ने मेरा ध्यान आकर्षित किया वह था एक क्रॉस. कुछ टेढ़ी सी आकृति का वह क्रॉस प्रार्थना गृह में लगा हुआ था. उन्होंने हमें बताया कि एक बेहतर जीवन की तलाश में कई बार अन्य देशों से लोग नावों में सवार होकर इंग्लैंड आने की कोशिश करते हैं. परंतु समुद्र के थपेड़ों में कई नावें डूब जाती हैं. उन लोगों के प्रति अपनी करुणा व्यक्त करने के लिए ऐसी ही एक नाव के एक हिस्से से इस क्रॉस को बनाया गया है और इसके आधार स्थान को लाइफ जैकेटों के सहारे खड़ा रखा गया है. क्रॉस ऑफ माइग्रेंट्स नाम का यह क्रॉस लोगों को यह याद दिलाने के लिए है कि जब तक इस दुनिया में लोग एक बेहतर ज़मीन की तलाश में समुद्र की गहराइयों में समा रहे हैं तब तक मानवता को शर्मसार होना चाहिए.
आगे वहां हमने उद्यान का एक हिस्सा देखा जिसमें केले के पेड़ लगे हुए थे. उस देश में ये पहले केले के पेड़ थे जिसे उन्होंने हमें एक दर्शनीय स्थल की तरह दिखाया. पर हमें उससे अधिक प्रभावित किया उन पेड़ों ने जो लोगों ने अपने परिवार के नाम पर लगाए थे. उन्होंने बताया कि आप अपने बच्चों के नाम पर यहां पेड़ लगाने के लिए कॉलेज में आवेदन कर सकते हैं और पेड़ लगा सकते हैं.
हमने वह पेड़ भी देखा जो उन्होंने अपने बच्चे के नाम पर लगाया था जिस पर उसके नाम की तख्ती लगी हुई थी. अपने बच्चे के साथ-साथ इसे भी फलते-फूलते देखना और नाव से बनी उस क्रॉस को देखकर इस दुनिया को बेहतर बनाने के संकल्प को जीवित रखना, क्या शिक्षा का, सामान्य विषयों के ज्ञान से इतर, ऐसा ही एक महत उद्देश्य नहीं होना चाहिए?

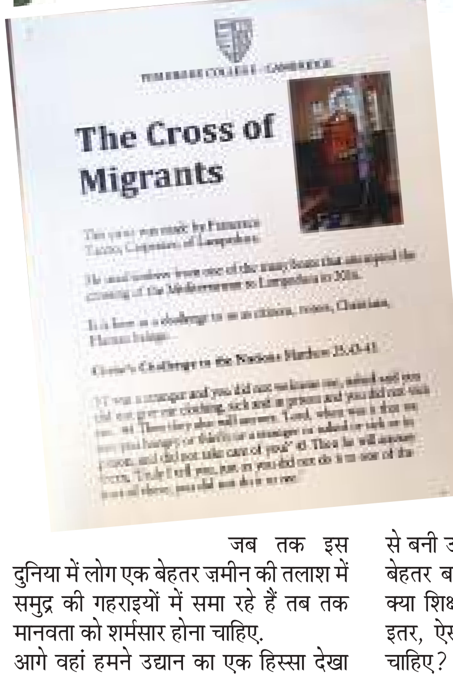

PEMBROKE COLLEGE · CAMBRIDGE

The Cross of Migrants

टॉमी को मार्केट के फूड ही नहीं घर का खाना भी खिलाएं

इन दिनों मार्केट में पालतू कुत्तों के लिए पैकेट बंद आहार की भरमार है. आमतौर पर पेट पैरेंट्स उन्हें खरीद और अपने पालतू को परोस कर उनकी पौष्टिकता के लिए आश्वस्त हो जाते हैं. लेकिन अपने पालतू के लिए बाजार के फूड पर ही निर्भर नहीं रहें. उन्हें घर का खाना खिलाएं. बाजार के फूड के अलावा घर के खाने में रोटी, दूध, दही, छाछ, सलाद, उबले हुए आलू, अंडे आदि सभी चीजें खिलानी चाहिए. पालतू को सुबह-शाम एक-एक कैल्शियम बोन चबाने के लिए जरूर दें, इससे पालतू को दांतों में खुजली की समस्या नहीं होगी. आइए, घर के उन आहारों की चर्चा करें जिसे आप अपने फर बेबी को परोस सकते हैं-

- **अंडा**

आप अपने पालतू कुत्ते को उनके भोजन के अलावा अंडा और अंडा से बने डिशेज खिला सकते हैं. कुत्ते को आप साधारण अंडा के अलावा उबला हुआ अंडा भी खाने को दे सकते हैं.

- **मांस**

कुत्तों के लिए फ्रेश मांस और मांस से बने साधारण डिश अच्छे माने गए हैं. मांस के सेवन से उन्हें ताकत और पोषण दोनों मिलती है. मांस में आप मीट, या चिकन खिला सकते हैं.

- **फल**

जी हां, कई बार कुत्तों को फल बेहद चाव से खाते देखा गया है. पालतू कुत्ते और बिल्लियों के कोई न कोई फेवरेट फ्रूट होते हैं जिसे देखकर वे टूट पड़ते हैं. आप अलग-अलग मौसम के अनुकूल स्थानीय फल उन्हें परोस कर देखें, जल्दी ही उनकी पसंदगी का पता चल जाएगा.

- **सब्जी**

कुत्ते को बचपन से ही फल और सब्जी खिलाएं ताकि बड़े होने पर वे इसे खाने में नखरे न करें. उबले या कच्चे गाजर उन्हें दे सकते हैं. इसके अलावा वे टमाटर, खीरा का सेवन कर सकते हैं. उन्हें हल्की बॉइल्ड फूलगोभी भी परोस सकते हैं.

- **डेयरी प्रोडक्ट**

कुत्तों को डयरी प्रोडक्ट बहुत पसंद होता है. कच्चा पनीर उसे दिया जा सकता है. बिना नमक या चीनी मिलाए दही भी परोस सकते हैं. दूध तो हमेशा से कुत्तों का पसंदीदा रहा है. दूध के साथ रोटी उनका परफेक्ट आहार है.

- **साधारण भोजन**

कुत्तों को चावल, दाल और रोटी भी खिलाएं. अपने लिए बनाया हुआ चावल, दाल और रोटी उन्हें भी खिलाने की आदत रखना सुविधा और स्वास्थ्य, दोनों लिहाज से बेहतर है.

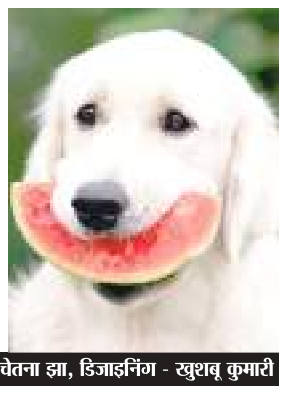

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल में 87.86 मीटर थ्रो किया

नीरज से शीर्ष स्थान से चूके, दूसरे स्थान पर रहे

एजेंसी। ब्रुसेल्स

शीर्ष भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा रविवार को ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल में 87.86 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे. नीरज केवल एक सेमी के अंतर से शीर्ष स्थान पाने से चूक गए. एंडरसन पीटर्स ने नंबर एक स्थान हासिल करने के लिए 87.87 मीटर की दूरी तक भाला फेंका. उन्होंने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता. इस बीच, जर्मनी के जूलियन वेबर 85.97 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे. चौथे स्थान पर रहे एड्रियन मारडेयर ने 82.97 मीटर का थ्रो दर्ज किया. जापानी थ्रोअर जेनकी रोड्रिक डीन अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जिसने बमुश्किल 80 मीटर के निशान (80.37 मीटर) को पार किया. यूक्रेनी आर्थर फेल्फ़नर अपने अंतिम प्रयास में 79.86 मीटर की सबसे लंबी थ्रो के साथ छठे स्थान पर आए.

भारतीय ने प्रतियोगिता की शुरुआत 86.82 मीटर के थ्रो के साथ की. उन्होंने 83.49 मीटर का थ्रो किया. नीरज ने अपने तीसरे प्रयास में 87.86 मीटर की दूरी तक भाला फेंका. वह एंडरसन के निशान के करीब पहुंच गया था और उससे सिर्फ एक सेमी की दूरी पर थ. नीरज अपने अगले दो प्रयासों में 85 मीटर का आंकड़ा पार नहीं कर सके. उन्होंने 86.46 मीटर के थ्रो के साथ स्पर्धा समाप्त की. नीरज के सर्वश्रेष्ठ थ्रो ने उन्हें एक बार फिर दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया. नीरज इस सीजन में अपनी फिटनेस को लेकर संघर्ष कर रहे हैं और उम्मीद है कि वह अपनी कमर की चोट को ठीक करने के लिए डॉक्टर से मिलेंगे, जिसने पूरे सीज़न उन्हें प्रभावित किया है और 90 मीटर का आंकड़ा छूने की उनकी खोज में बाधा उत्पन्न हुई है. नीरज चोपड़ा ने खुलासा किया कि वह शनिवार रात के डायमंड लीग फाइनल में टूटी हुई हाथ की हड्डी के साथ हिस्सा ले रहे थे.

मेसी की दो गोल के साथ शानदार वापसी, फिलाडेल्फिया को 3-1 से हराया

मेजर लीग सॉकर

एजेंसी। वाशिंगटन

लियोनल मेसी ने दो महीने की चोट के बाद दो गोल और एक सहायता के साथ वापसी की, जिससे इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर में फिलाडेल्फिया पर 3-1 से घरेलू जीत हासिल करने के लिए एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की. मेहमान टीम ने दूसरे ही मिनट में बढ़त ले ली जब मिकेल उहरे ने अपने मार्कर के अंदर कट किया और एक लंबी दूरी का प्रयास किया जो गोलकीपर ड्रेक कॉलेंडर के दस्तानों से टकराकर नेट में जा गिरा. मेसी ने एक डिफेंडर को छकाकर और अपने कमजोर दाहिने पैर से दूर कोने में एक निचला शॉट भेजकर बराबरी कर ली. पूर्व बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन स्टार ने बाएं विंग से जोर्डी अल्बा के क्रॉस के बाद 15 गज की दूरी से गेंद को गोल में पहुंचाकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई. लुइस सुआरेज़ ने मेसी के पास के बाद 18-यार्ड बॉक्स के किनारे से पहली बार स्ट्राइक करके बढ़त को 3-1 पहुंचा दिया. फोर्ट लॉडरडेल के चेज स्टेडियम के परिणाम ने इंटर मियामी को एमएलएस ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर मौजूद सिनसिनाटी से 10 अंक आगे पहुंचा दिया है.

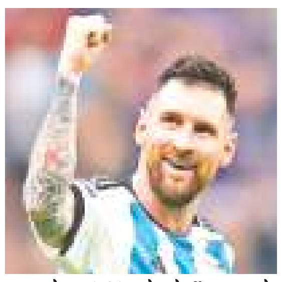

19 सितंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज की होगी शुरुआत

चेन्नई टेस्ट के लिए बहाया पसीना

एजेंसी। चेन्नई

भारत अपने घरेलू सत्र की शुरुआत 19 सितंबर को यहां टेस्ट सीरीज के पहले मैच में बांग्लादेश से भिड़ने से करेगा. यह मुख्य कोच गंभीर और उनके नए सहयोगी स्टाफ के तहत भारत की पहली टेस्ट सीरीज होगी, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल को भी नए गेंदबाजी कोच के रूप में शामिल किया गया है. भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज की तैयारी शुरू कर दी है. रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम चेन्नई में पहला टेस्ट मैच खेलेगी. विराट कोहली भी ट्रेनिंग में हिस्सा ले रहे हैं. उन्होंने प्रैक्टिस के दौरान काफी पसीना बहाया.

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने हाल ही में टीम इंडिया की प्रैक्टिस का वीडियो शेयर किया है. इसमें कोहली अपने फेवरट शॉट खेलते हुए नजर आ रहे हैं. कोहली की वजह से बांग्लादेश की मुश्किल बढ़ सकती है. कोहली ने प्रैक्टिस के दौरान कई शॉट खेले. उन्होंने इस दौरान पुल शॉट पर काफी मेहनत की. अगर कोहली का चेन्नई में बल्ला चल गया तो बांग्लादेश की दिक्कत बढ़ सकती है. बांग्लादेश के लिए जीत आसान नहीं होगी. विराट टीम इंडिया के लिए कई बार विस्फोटक बैटिंग कर चुके हैं. अहम बात यह है कि उनका चेन्नई में रिकॉर्ड भी अच्छा रहा है. वे इस मैदान पर शतक जड़ चुके हैं. लिहाजा वे बांग्लादेश को मुश्किल में डाल सकते हैं.

चेन्नई में दमदार रहा है कोहली का रिकॉर्ड

कोहली ने चेन्नई में अभी तक 4 टेस्ट मैच खेले हैं. उन्होंने इस दौरान 6 पारियों में 267 रन बनाए हैं. कोहली यहां एक शतक और दो अर्धशतक लगा चुके हैं. उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 107 रन रहा है. केएल राहुल, ऋषभ पंत और रविचंद्रन अश्विन भी इस मैदान पर खेल चुके हैं. अश्विन ने 6 टेस्ट पारियों में 229 रन बनाए हैं. वे एक शतक और एक अर्धशतक लगा चुके हैं.

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए टीम इंडिया

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और यश दयाल.

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश की टीम

नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), महमुदुल हसन जॉय, जाकिर हसन, शादमान इस्लाम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, शाकिब अल हसन, लिटन दास, मेहदी हसन मिराज, तैजुल इस्लाम, नईम हसन, नाहिद राणा, हसन महमूद, तस्कीन अहमद, सैयद खालिद अहमद, जेकर अली अनिक.

शुभमन को टी20 सीरीज में दिया जाएगा आराम

भारत और बांग्लादेश के बीच टेस्ट टेस्ट सीरीज के बाद टी20 सीरीज भी खेली जाएगी. दोनों टीमों के बीच तीन टी20 मैच होंगे. इस सीरीज को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है. टीम इंडिया के एक स्टार खिलाड़ी को इस सीरीज में आराम दिया जाएगा. ये खिलाड़ी स्टार ओपनर शुभमन गिल हैं, जो टेस्ट में तीसरे नंबर पर खेलते हैं और टीम के अहम खिलाड़ियों में से एक हैं. टीम इंडिया को बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी टेस्ट में भिड़ना है. ऐसे में रिपोर्ट्स के मुताबिक, वर्कलोड मैनेजमेंट को देखते हुए शुभमन गिल को टी20 सीरीज में आराम दिया जाएगा, क्योंकि इस सीजन में उनके पूरे 10 टेस्ट मैच खेलने की संभावना है. गिल टेस्ट फॉर्मेट में रोहित शर्मा, विराट कोहली और यशस्वी जायसवाल के साथ टीम के टॉप ऑर्डर में अहम खिलाड़ी हैं.

लाल मिट्टी की पिच पर हो सकता है मैच

टीम इंडिया चेन्नई में लाल मिट्टी की पिच पर खेल सकती है. बांग्लादेशी खिलाड़ी अपने देश में काली मिट्टी की पिच पर खेलते रहे हैं. लेकिन यहां टीम इंडिया लाल मिट्टी की पिच पर टेस्ट खेल सकती है. अगर ऐसा हुआ तो बांग्लादेशी खिलाड़ियों को दिक्कत का सामना करना पड़ सकता है.

बांग्लादेश के खिलाफ 7 अक्टूबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज को लेकर बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'हां, शुभमन गिल को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए आराम दिया जाएगा. अगर आप मैचों की संख्या देखें तो तीन टी-20 मैच 7 अक्टूबर, 10 और 13 को खेले जाएंगे. इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 16 अक्टूबर से शुरू होगा. इसलिए तीन दिन के गैप को देखते हुए गिल को आराम देना महत्वपूर्ण है

बांग्लादेश के खिलाफ अबतक टेस्ट मैच में पेस बॉलर्स ने मारी है बाजी

एजेंसी। नयी दिल्ली

19 सितंबर से शुरू होने वाली भारत बनाम बांग्लादेश टेस्ट सीरीज में भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन हमेशा की तरह अहम होगा. भारतीय पिचों पर स्पिनरों को मदद मिलती रही है. हालांकि भारत-बांग्लादेश टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा विकेटों के मामले में जो गेंदबाज नंबर एक पर है वह एक तेज गेंदबाज है. बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों पर एक नजर डालने पर पेस बॉलर्स स्पिनरों पर भारी पड़ते हैं. इस मामले में बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान नंबर एक पर हैं. जहीर खान ने बांग्लादेश के खिलाफ 7 टेस्ट मैचों में 31 विकेट लिए हैं. उनकी घातक स्विंग और सटीक लाइन-लेंथ ने बांग्लादेशी बल्लेबाजों को हमेशा परेशान किया है. जहीर ने यह विकेट 24.25 की औसत के साथ लिए हैं. इस लिस्ट में दूसरे गेंदबाज भी पेसर हैं. लंबे कद के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने भी बांग्लादेश के खिलाफ 7 टेस्ट में मात्र 20.88 की औसत के साथ 25 विकेट चटकाए हैं. उनकी उछाल और मूवमेंट बांग्लादेशी बल्लेबाजों के खिलाफ काफी कारगर साबित हुई है. तीसरे नंबर पर इस लिस्ट में स्पिनर की एंट्री होती है. ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 6 टेस्ट में बांग्लादेश के खिलाफ 23 विकेट लिए हैं. उनकी विविधता और घूमती गेंदें बांग्लादेशी बल्लेबाजों के लिए हमेशा चुनौती रही हैं. अश्विन ने यह विकेट 26.78 की औसत के साथ लिए हैं. चौथे नंबर पर एक बार फिर से तेज गेंदबाज ने वापसी की है। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज उमेश यादव ने भी 6 टेस्ट में बांग्लादेश के खिलाफ 22 विकेट अपने नाम किए हैं. उनकी रफ्तार और स्विंग ने बांग्लादेशी बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है.

हम भारत से दोनों मैच जीतने के लिए खेलेंगे : नजमुल शांतो

ढाका। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने कहा कि उनकी टीम भारत के खिलाफ 19 सितंबर से चेन्नई में शुरू होने वाले दोनों टेस्ट मैच जीतने की कोशिश करेगी. बांग्लादेश की टेस्ट टीम रविवार दोपहर ढाका से चेन्नई के लिए रवाना हुई. चेन्नई में पहला टेस्ट 23 सितंबर को समाप्त होने के बाद, कानपुर का ग्रीन पार्क स्टेडियम 27 सितंबर से एक अक्टूबर तक भारत और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट की मेजबानी करेगा. बांग्लादेश इस सीरीज में रावलपिंडी में ऐतिहासिक परिणाम में पाकिस्तान को 2-0 से हराने के बाद उतरेगा. यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण सीरीज होने जा रही है. एक अच्छी सीरीज के बाद निश्चित रूप से टीम में, देश के लोगों में एक अतिरिक्त आत्मविश्वास है. हर सीरीज एक अवसर है.

टीम के चेन्नई रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए द डेली स्टार ने शांतो के हवाले से कहा, हम दोनों मैच जीतने के लिए खेलेंगे. जीतने के लिए जो चीजें मायने रखती हैं, प्रक्रिया मायने रखती है...हमारा लक्ष्य काम को सही तरीके से करना होगा.

ओलिविया गैडेकी पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल में

जैपोपन। ऑस्ट्रेलियाई क्वालीफायर ओलिविया गैडेकी ने सेमीफाइनल में कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो को 6-2, 6-3 से हराकर ग्वाडलाजारा ओपन एक्रोन में अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए फाइनल में जगह बना ली. उनके रास्ते में पोलैंड की नंबर 5 सीड मैगडालेना फ्रेच खड़ी हैं, जिन्होंने नंबर 4 सीड कैरोलिन गार्सिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद फाइनल में अपनी जगह बनाई. फ्रेच ने दोनों सेटों में पीछे से संघर्ष किया और अंततः 7-6(4), 7-5 से जीत हासिल कर साल के दूसरे डब्ल्यूटीए फाइनल में जगह बनाई.

दलीप ट्रॉफी : कोटियन और मुलानी ने 7 विकेट झटके

इंडिया ए ने इंडिया डी को 186 रनों से हराया

एजेंसी। अनंतपुर

तनुश कोटियन और शम्स मुलानी की मुंबई की ऑलराउंड जोड़ी ने सामूहिक रूप से सात विकेट चटकाए, जिससे इंडिया ए ने रविवार को ग्रामीण विकास ट्रस्ट स्टेडियम 'ए' में खेले गए दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच में इंडिया डी को 186 रनों से हराकर बड़ी जीत दर्ज की. खेल के अंतिम दिन, ऑफ स्पिनर कोटियन ने चार विकेट लिए, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर मुलानी ने तीन विकेट लिए, जिससे भारत ए ने भारत डी को 301 रन पर आउट करके एक सत्र शेष रहते जीत सुनिश्चित की. भारत डी के लिए 488 रनों का पीछा करना हमेशा असंभव था, और किसी भी बल्लेबाज ने रिकी भुई का साथ नहीं दिया, जिन्होंने 113 रनों की संघर्षपूर्ण शतकीय पारी खेली. 19 ओवर में 62/1 से आगे खेलते हुए, भुई और यश दुबे ने खुलकर रन बनाए, क्योंकि दुबे ने 69 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया. लेकिन दूसरे विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी तब समाप्त हुई जब दुबे 37 रन बनाकर मुलानी द्वारा रन आउट हो गए. अपने अगले ओवर में मुलानी ने देवदत्त पडिक्कल को ड्राइव करने के लिए ललचाया और उनका लेग-स्टंप उखाड़ दिया. भुई और कप्तान श्रेयस अय्यर ने 53 रनों की साझेदारी करके स्थिति को स्थिर किया, इससे पहले मुलानी ने अय्यर को बोल्ड कर दिया. संजू सैमसन शानदार फॉर्म में दिखे और उन्होंने कोटियन और मुलानी की गेंदों पर तेजी से चौके जड़े और 45 गेंदों पर 40 रन बनाए, लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर ने उन्हें विकेट के पीछे कैच करा दिया. भुई ने 170 गेंदों पर बेहतरीन शतक जड़ा, लेकिन कोटियन की गेंद पर आउट होने से भारत ए की जीत की राह आसान हो गई.

सलीमा इम्तियाज आईसीसी की पहली महिला अंपायर बनीं

नयी दिल्ली। सलीमा इम्तियाज आईसीसी के डेवलपमेंट अंपायरों के अंतरराष्ट्रीय पैनल में नामित होने वाली पाकिस्तान की पहली महिला बन गई हैं. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को यह जानकारी दी. इस नामांकन के बाद सलीमा महिलाओं के द्विपक्षीय अंतरराष्ट्रीय मैचों और आईसीसी महिला क्रिकेट के वैश्विक आयोजनों में अंपायरिंग कर सकेंगी. सलीमा ने कहा, मैं आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ डेवलपमेंट अंपायर में शामिल होकर बेहद रोमांचित हूं. मैं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की आभारी हूं, जिसने मुझे इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए अमूल्य अवसर दिए.

प्रज्ञान ओझा ने रोहित से मुंबई के साथ बने रहने का आग्रह किया

एजेंसी। नयी दिल्ली

आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी की उल्टी गिनती शुरू होने के साथ ही, भारत के पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा ने मुंबई इंडियंस के स्टार खिलाड़ी रोहित शर्मा के भविष्य के बारे में अपनी राय व्यक्त की है. ओझा ने सलामी बल्लेबाज से फ्रेंचाइजी के साथ बने रहने का आग्रह किया है, उन्होंने उनके महत्वपूर्ण प्रभाव और प्रशंसकों और प्रायोजकों के बीच उनकी वफादारी का हवाला दिया है. मुंबई इंडियंस (एमआई) के साथ रोहित शर्मा का भविष्य चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि पिछले सीजन से पहले उन्हें कप्तानी से मुक्त कर दिया गया था और उनकी जगह हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया गया था. तब से, शर्मा और एमआई प्रबंधन के बीच संभावित दरार के बारे में अफवाहें फैल रही हैं, जिससे अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह एक नई टीम में शामिल होने की सोच रहे हैं. ओझा, जिन्होंने शर्मा के करियर को करीब से देखा है, उनका मानना है कि क्रिकेटर का मुंबई इंडियंस के साथ जुड़ना पारस्परिक रूप से फायदेमंद रहा है. प्रज्ञान ओझा ने आईएएनएस से कहा, मुझे लगता है कि फ्रेंचाइज क्रिकेट राज्य और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बिल्कुल अलग है, क्योंकि इसके नियम बिल्कुल अलग हैं.

सुपर लीग केरल

कालीकट एफसी ने मलप्पुरम एफसी को 3-0 से हराया

मलप्पुरम। सुपर लीग केरल 2024 एक ऐतिहासिक क्षण का गवाह बना, जब बहुप्रतीक्षित पहला मालाबार डर्बी मलप्पुरम के खचाखच भरे मंजेरी पय्यानाड स्टेडियम में मलप्पुरम एफसी और कालीकट एफसी के बीच खेला गया. मलप्पुरम के शुरुआती नियंत्रण के बावजूद, कालीकट एफसी ने धीरे-धीरे अपनी लय हासिल कर ली और 22वें मिनट में उनकी दृढ़ता का फल मिला, जब गनी अहमद ने रक्षात्मक चूक का फायदा उठाया और गेंद को मलप्पुरम के गोलकीपर मिधुन के ऊपर से निकाल दिया, जिससे कालीकट को बढ़त मिल गई. दूसरे हाफ में मलप्पुरम एफसी नए दृढ़ संकल्प के साथ सामने आई और खेल को पलटने के लिए अपने लाइनअप में महत्वपूर्ण बदलाव किए.

आग्रह

पाकिस्तान की ओर से मोईन खान ने की मिन्नत, सचिन-गांगुली से की अपील

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत को मनाने की गुहार

एजेंसी। नयी दिल्ली

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोईन खान ने भारत के दिग्गज क्रिकेटर्स से मिन्नतें की हैं. उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़ और कपिल देव जैसे दिग्गजों से बीसीसीआई को मनाने की अपील की. 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान की मेजबानी में होनी है. इसके लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आईसीसी को शेड्यूल का ड्राफ्ट भी सौंप दिया है. हालांकि, भारतीय बोर्ड ने अभी तक अभी ये साफ नहीं किया है कि टीम इंडिया इस टूर्नामेंट का हिस्सा होगी या नहीं.

पाकिस्तान में तैयारियां जोरों पर : पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर तैयारियों जोरों पर हैं. पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी सभी स्टेडियम की मरम्मत और अपग्रेड करवाने में जुटे हुए हैं. इसके लिए बोर्ड की ओर से 1280 करोड़ रुपए जारी कर दिए गे हैं. वहीं कुछ समय पहले ही आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 70 मिलियन डॉलर का फंड जारी किया था. हालांकि, इन तैयारियों के बीच बीसीसीआई का रुख अभी साफ नहीं है. इतना ही नहीं अब आईसीसी चेयरमैन पद पर भी बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह बैठ चुके हैं. ऐसे में हाईब्रिड मॉडल की भी उम्मीद की जा सकती है.

पीसीबी पर गंभीर आरोप : मोईन खान ने अपने बेटे आजम खान को लेकर दिए बयान का कारण भी सुर्खियों में छाए हुए हैं.

भारत के पूर्व क्रिकेटर्स से मदद की अपील

मोईन खान ने भारत के पूर्व क्रिकेटर्स से गुहार लगाई है. उन्होंने पाकिस्तानी मीडिया के साथ एक इंटरव्यू में कहा कि सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, कपिल देव और राहुल देव जैसे भारत के सभी पूर्व क्रिकेटर्स को अपने क्रिकेट बोर्ड को सलाह दें. उनसे राजनीति और क्रिकेट को अलग रखने के लिए कहें. राजनीतिक मतभेदों के कारण क्रिकेट नहीं रुकना चाहिए. फैंस भारत और पाकिस्तान को खेलते हुए देखना पसंद करेंगे. इससे पाकिस्तान के साथ-साथ पूरे क्रिकेट जगत को फायदा होगा. मोईन खान ने एक साथ दो तरह की बातें की. उन्होंने पहले भारतीय क्रिकेटर्स से मिन्नतें की फिर तुरंत धमकी दे डाली. पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने भारत को आईसीसी के साथ अपने वादों पर टिके रहने की सलाह दी. उन्होंने बीसीसीआई को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं आती है तो आगे से पीसीबी को भी अपने खिलाड़ियों को भारत नहीं जाना चाहिए.

सेमीफाइनल में कोरिया की चुनौती के लिए तैयार भारत

मोकी (चीन)। पांच मैचों में जीत दर्ज करने वाला भारत इस हीरो एशियाई चैंपियंस हॉकी टूर्नामेंट में कोरिया के खिलाफ सेमीफाइनल में दावेदार टीम के रूप में उतरेगा. पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत पांच मैचों में पांच जीत के साथ शानदार फॉर्म में है. उसने चीन को 3-0 से हराया, जापान को 5-1 से हराया और मलेशिया को 8-1 से हराया. फॉर्म में चल रहे ड्रैग फ्लिक स्टार हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम ने कोरिया को 3-1 से हराया और फिर पाकिस्तान को 2-1 से हराया. भारत दूसरे सेमीफाइनल में कोरिया से भिड़ेगा, जबकि पाकिस्तान पहले सेमीफाइनल में चीन से भिड़ेगा. मेजबान टीम ने अपने आखिरी लीग मैच में जापान को 2-0 से हराया.

जेक फ्रेजर व मैकगर्क पर मेरी नजर है : रिकी पोंटिंग

एजेंसी। सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि युवा जेक फ्रेजर-मैकगर्क अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धूम मचा देंगे. उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से वह दाएं हाथ के बल्लेबाज के करियर पर नजदीकी नजर रख रहे हैं. फ्रेजर-मैकगर्क को डेविड वार्नर के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि उन्होंने इस साल आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 234.04 की आश्चर्यजनक स्ट्राइक रेट के साथ 330 रन बनाए थे, जिसके मुख्य कोच पोंटिंग थे, लेकिन उन्होंने पिछले हफ़्ते स्कॉटलैंड पर ऑस्ट्रेलिया की 3-0 की जीत में दो शून्य सहित केवल 16 रन बनाकर अपने टी20 करियर की खराब शुरुआत की. साउथम्प्टन में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में नहीं खेलने के बाद, फ्रेजर-मैकगर्क कार्डिफ में दूसरे मैच के लिए वापस आए और 29 गेंदों पर अपना पहला टी20 अर्धशतक बनाया, हालांकि यह मैच हार गए. उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूम नहीं मचाई है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष आय के लिए चंद्रमा और शनि शुभ हैं. आय और व्यापार- व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे. आशंका- कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम हो सकती है. आत्मविश्वास बनाए रखें. बड़ा निर्णय सोच विचार और सलाह ले कर करें.

वृष शनि रक्षा प्रदान करेंगे. पिता तुल्य किसी वरिष्ठ का सहयोग मिलेगा. कर्म का अच्छा फल मिलेगा. पर विवाद हो सकता है. मान कम होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. निवेश में जल्दबाजी न करें.

मिथुन भाग्य और धर्म के सहारा से कार्य में गति मिलेगी. नया कार्य और आय मिलेगी. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी कामों में सहूलियत रहेगी. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. कार्य और प्रभाव से कारोबार से लाभ होगा.

कर्क समय सामान्य है. क्रोध से बचना चाहिए. विवाद से बचें. लेन-देन में सावधानी रखें. स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त लाभकारी रहेगी. रोजगार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. शिवलिंग पर दूध से अभिषेक करें.

सिंह उदर विकार हो सकता है. जीवनसाथी की सुख वृद्धि होगी. नया काम में मन लगेगा. शोध इत्यादि कार्य सफल रहेंगे. स्वादिष्ट भोजन का लाभ प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. क्रोध से बचना चाहिए. मंदिर में झाड़ू का दान करें.

कन्या हड्डी में कोई कष्ट होता दिख रहा है. दिन सामान्य होगा. मन खिन्न रहेगा. काम में मन नहीं लगेगा. कुसंगति से हानि संभव है. व्यापार ठीक चलेगा. नौकरी में कार्यभार बढ़ सकता है. गणेश चालीसा का पाठ करें.

तुला संतान की गतिविधियों पर नज़र रखने की आवश्यकता है. आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी. घर-बाहर सम्मान मिलेगा. मेहनत के बल पर व्यापार अच्छा चलेगा.

वृश्चिक घर में किसी के स्वास्थ्य खराब होने से मानसिक तनाव उत्पन्न हो सकता है. बड़ा काम करने का मन बनेगा. शत्रु नतमस्तक होंगे. बुरे लोगों से दूर रहें. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी.

धनु छोटे भाई के स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी. समय के प्रभाव से कारोबार में वृद्धि होगी. मंदिर में इलेक्ट्रिक सामग्री का दान करें.

मकर क्रोध पर नियंत्रण अति आवश्यक है. यह बेवजह विवाद करवा सकता है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. लाभ होगा. जोखिम न लें. अन्न का दान करें.

कुंभ समय उत्तम है, पर निर्णय लेने में कई प्रकार के बाधा उत्पन्न हो सकता है.व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है. भाग्य का साथ मिलेगा. नेत्र पीड़ा हो सकती है.

मीन रोग या शोक पर खर्च हो सकता है. स्वास्थ्य संबंधिक बाधा को नजरअंदाज नहीं करें. कोई छोटी समस्या आ सकती है. नई योजना बनेगी. कार्यप्रणाली में सुधार हो सकता है. नए काम मिलेंगे. भाग्य की अनुकूलता का लाभ लें.

तीसरे पारा थ्रो बॉल नेशनल टूर्नामेंट का आयोजन रांची के खेलगांव में 22 और 23 सितंबर का

10 राज्यों के दिव्यांग खिलाड़ी मैदान में दिखाएंगे अपना हुनर

संवाददाता। रांची

तीसरे पारा थ्रो बॉल नेशनल टूर्नामेंट का आयोजन 22 और 23 सितंबर को रांची के खेलगांव स्थित हरिवंश टानाभगत इंडोर स्टेडियम में किया जायेगा. संस्था के अध्यक्ष राहुल मेहता ने जानकारी दी की पैरा ओलंपिक एसोसिएशन ऑफ़ झारखंड के तत्वाधान में आयोजित प्रतियोगिता में 10 राज्यों की 20 टीमें (10 पुरुष 10 महिला) भाग लेंगी. इनमे मेजबान झारखंड के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, राजस्थान, उत्तराखंड, तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना और जम्मू कश्मीर शामिल हैं. राहुल मेहता ने कहा इस वर्ष झारखंड के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया है. उन्होंने आयोजन समिति की घोषणा की. समिति में मुख्य संरक्षक- डॉ महुआ मांझी (राज्यसभा सांसद), संरक्षक राजेश कश्यप (विधायक) एवं रमेश सिंह (समाजसेवी), अध्यक्ष- राहुल मेहता, वरीय उपाध्यक्ष- कमलेश राम एवं नंद किशोर सिंह चंदेल, उपाध्यक्ष पतरस तिर्की, सचिव- सरिता सिन्हा, कोषाध्यक्ष- विकास कुमार बनाए गए.

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं आयोजक मुकेश कंचन ने कहा कि ऐसे आयोजन दिव्यांग बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल जाता है. जिससे वे भी जीवन के हर मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित रहते हैं. संस्था की सचिव सरिता सिन्हा ने बताया कि विजेता टीम को नगद राशि एवं ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया जाएगा.

प्रतियोगिता के लिए झारखंड टीम घोषित

पुरुष टीम : सनोज महतो(कप्तान), राजेश कुमार मेहता (उप कप्तान),चंदन लोहारा, नितेश साहू, मुकेश कुमार, प्रमोद कुमार, भोला लकड़ा, अमित भास्कर, साजिद अंसारी, कमलेश उरांव, प्रशांत कुमार और शैलेंद्र महतो, वागीश त्रिपाठी, मुकेश कंचन.

महिला टीम : महिमा उरांव (कप्तान), अनीता तिर्की (उपकप्तान), तारामणि लकड़ा, संजुक्ता एक्का, प्रतिमा तिर्की, पुष्पा मिंज, असुंता टोप्पो, निक्की कुमारी, जयश्री कुमारी, सुनीता कुमारी और सरिता भूट कुमारी मुंडा.

थाईलैंड जाकर झारखंड के खिलाड़ी ने जीता गोल्ड

रांची। झारखंड के पवन तिर्की ने थाइलैंड में आयोजित एमएमए में गोल्ड जीता. थाईलैंड के हुआहिन शहर में आयोजित विश्व बॉक्सिंग काउंसिल मु-थाई प्रोफेशनल फाइट का आयोजन किया गया. जिसमें झारखंड के दो खिलाड़ी सूरज कुमार व विनीत पवन तिर्की भारतीय टीम में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रहे थे. रांची के पवन कुमार तिर्की ने अमेरिकन फाइटर लैडर वुड को फाइनल में हराकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया. वहीं सूरज कुमार के पदक से चूक गए. पवन तिर्की एवं सूरज कुमार एमएमए एसोसिएशन के रांची स्थित मुख्य प्रशिक्षण शाखा में मुख्य प्रशिक्षक मोहित कुमार के देखरेख में प्रशिक्षण ले रहे है. दोनों खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन पर एआईएमएमए (ऑल इंडिया मिक्सड मार्शल आर्ट फेडरेशन) के साथ-साथ झारखंड राज्य मिक्स मार्शल आर्ट संघ के सभी पदाधिकारियों, खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों ने बधाई व शुभकामनाएं दी.

राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह 23 को रांची विवि के दीक्षांत मंडप में

राज्य भर के तीन हजार से ज्यादा शिक्षकों को सम्मानित करेगा पासवा

संवाददाता। रांची

पब्लिक स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन (पासवा) की ओर से राज्यस्तरीय शिक्षक सम्मान का आयोजन 23 सितंबर को रांची विश्वविद्यालय के मोरहाबादी कैंपस स्थित दीक्षांत मंडप में होगा. पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दुबे ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में पासवा राज्य भर के तीन हजार से ज्यादा शिक्षक-शिक्षिकाओं को सम्मानित करेगा. शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम शिक्षक सम्मान समारोह का विधिवत उद्घाटन करेंगे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव और ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इरफान अंसारी शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए सम्मानित करेंगे. रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा,डीएवी के डायरेक्टर एलआर सैनी विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में हिस्सा लेंगे. वे रविवार को मीडिया से बात कर रहे थे. उनके साथ पासवा के जारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष लालकिशोर नाथ शाहदेव, महासचिव डॉ राजेश गुप्ता छोटू, प्रदेश महासचिव सह राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त फलक फातिमा भी मौजूद थे.

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते आयोजन समिति के सदस्य.

सांस्कृतिक कार्यक्रम की भी रहेगी धूम : फलक फातिमा

पासवा की प्रदेश महासचिव फलक फातिमा ने बताया कि सम्मान समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रहेगी. पूर्वाह्न 10 बजे से सम्मान समारोह का आयोजन होगा. बताया कि सर्वप्रथम शिक्षकों के आदर्श सर्वपल्ली डॉ राधाकृष्णन के आदर्श पर चलने और उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए विशिष्ट अतिथि पुष्प अर्पित कर सम्मान प्रकट करेंगे. तत्पश्चात स्कूली बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों के प्रति सम्मान प्रकट करेंगे. राजधानी रांची सहित विभिन्न जिलों से आए शिक्षाविद और सीमित संसाधन में गुणात्मक शिक्षा प्रदान कर रहे तीन हजार से अधिक स्कूलों के प्राचार्य,शिक्षाविद और शिक्षकों को मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया जाएगा.

जानिए शिक्षक कहां और कैसे करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

उपाध्यक्ष लालकिशोर नाथ शाहदेव ने कहा शिक्षक सम्मान समारोह में विभिन्न प्रदेशों के अध्यक्ष भी शामिल हो सकते हैं. झारखंड के जिला अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी शिक्षाविद भी शामिल होंगे. कार्यक्रम की सफलता को लेकर पासवा के वॉलिंटियर्स प्राइवेट व सरकारी स्कूलों, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय का दौरा का शिक्षकों को आमंत्रित कर रहे हैं. 19 सितंबर तक रजिस्ट्रेशन किया जाएगा. स्कूल अपने शिक्षकों की सूची रजिस्ट्रेशन के लिए दिए गए मेल आईडी एवं वाट्स ऐप नंबर पर भेज सकते हैं. पासवा ने रजिस्ट्रेशन के लिए वाट्स ऐप नंबर 9431109538, 8210318387, 9431114487, 7903714760, 8340510144 और ईमेल आईडी alokdubey .ran@gmail .com व psacwajharkhand@gmail .com जारी किया है.

20 हजार मेधावी स्टूडेंट्स को सम्मानिक किया जा चुका है : डॉ राजेश

डॉ राजेश गुप्ता ने बताया कि दो जुलाई को पासवा ने 20,000 प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स को सम्मानित किया था, जिन शिक्षकों ने हमारे बच्चों को लायक बनाया है, उनके प्रति हम अपनी सामाजिक जिम्मेदारियां का निर्वहन करने के लिए 28 सितंबर को दीक्षांत मंडल रांची विश्वविद्यालय में भव्य समारोह आयोजित कर शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा है. मौके पर मेहुल दुबे,अनिकेत कुमार,रिया कुमारी, स्मृति भारती, फैजान रजा, खालिद रजा, मोहम्मद कैफ, जाकिया आलिया, जाबिर रजा, आसमां परवीन भी उपस्थित थे.

जायंट्स ने किया नि:शुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन

संवाददाता। गढ़वा

लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बावजूद रविवार को जायंट्स ग्रुप ऑफ़ गढ़वा एवं नारायणा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल गुडगांव के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में गढ़वा जिले के साथ साथ निकटवर्ती डाल्टनगंज, रामानुजगंज एवं विश्रामपुर के लगभग 22 मरीजों की जांच किया गया. वरिष्ठ हार्ट सर्जन डॉ विकास केशरी ने रोगियों की जांच कर 4 मरीजों में विभिन्न हृदय रोगों की पहचान की. रामानुजगंज से आयी एक पांच वर्षीय बालिका के साथ 3 रोगियों को ओपन हार्ट सर्जरी की सलाह दी गयी. कुछ अन्य रोगियों को हार्ट से संबंधित विशिस्ट जांचों की सलाह दी गयी. हार्ट सर्जन डॉ विकास केशरी ने बताया कि क्षेत्र के रोगियों में जागरूकता का अत्यधिक अभाव है. कई रोगी रोग की जानकारी होने के बाद भी महीनों वर्षों तक उसका समुचित उपचार नहीं करवाते हैं और घरेलू नुस्खों को अपनाते हुए समय व्यर्थ व्यतीत करते हैं. हृदय के रोगों में ऐसा विलंब अत्यधिक घातक सिद्ध हो सकता है क्योंकि हृदय के विकारों का दुष्परिणाम शरीर के अन्य सभी अंगों पर पड़ता है एवं विलंब के कारण उपचार और भी ज्यादा जटिल हो जाता है. मौके पर पूर्व फ़ेडरेशन अध्यक्ष विनोद कमलापुरी, मदन प्रसाद केशरी, स्पेशल कमिटी सदस्य विजय केशरी, मनोज केशरी, जायंटस अध्यक्ष कमलेश कुमार गुप्ता, प्रशासनिक निदेशक मोजिबुद्दीन खान, बिनोद गुप्ता आदि लोग उपस्थित थे.

पेज एक का शेष...

झारखंड के तीन बड़े दुश्मन...

घुसपैठियों-रोहिंग्या के साथ खड़ा झामुमो : पीएम ने कहा, संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी तेजी से कम हो रही है. यहां के लोगों की जमीनें हड़पी जा रही हैं. घुसपैठिये पंचायतों पर कब्जा कर रहे हैं. बेटियों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं. जेएमएम के लोग बांग्लादेशी और रोहिंग्या के साथ खड़े हैं. ये घुसपैठिए और कट्टरपंथी जेएमएम को भी अपने कब्जे में लेते जा रहे हैं. इनके लोग झामुमो के भीतर भी घुस गये हैं. जानते हैं ऐसा क्यों हुआ क्योंकि जेएमएम में कांग्रेस का भूत घुस गया है. जब किसी पार्टी में काग्रेस का भूत घुस जाता है, तो तुष्टीकरण ही उस दल का इकलौता एजेंडा बन जाता है.

औद्योगिक विकास को और देंगे गति : पीएम मोदी ने कहा कि टाटानगर देश का बड़ा औद्योगिक केंद्र है. यातायात ती अच्छी सुविधा वहां के औद्योगिक विकास को और गति देगी. पर्यटन व उद्योगों को बढ़ावा देने से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे. तेजी से विकास के लिए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्टर जरूरी है. कई नए प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं. झारखंड के विकास के लिए केंद्र ने निवेश भी बढ़ाया है. काम की गति भी तेज की गई है. इस साल झारखंड को रेल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए सात हजार करोड़ का बजट दिया गया है. पिछले 10 साल की तुलना में यह 16 गुना अधिक है. राज्य में नई रेल लाइन बिछाने, दोहरीकरण करने, स्टेशनों में आधुनिक सुविधा बढ़ाने का काम भी तेजी से हो रहा है.

आदिवासी परिवारों के लिए चल रही है पीएम जन मन योजना : पीएम ने कहा कि झारखंड सहित देश भर के आदिवासी परिवारों के लिए पीएम जन मन योजना चल रही है. इस योजना के जरिए जनजातियों तक पहुंचने की कोशिश हो रही है. जो काफी पीछे हैं वैसे परिवारों को घर, सड़क, बिजली, पानी और शिक्षा देने के लिए अधिकारी खुद इन तक पहुंच रहे हैं. यह प्रयास विकसित झारखंड के संकल्प का हिस्सा है. आप सभी के आर्शीवाद से संकल्प जरूर पूरे होंगे. आज झारखंड के हजारों लाभार्थियों को पक्का घर बनाने की पहली किस्त जारी की गई है. पीएम आवास से गांवों और शहरों में काफी संख्या में रोजगार के अवसर तैयार हो रहे हैं.

करमा पर्व की दी शुभकामनाएं : पीएम मोदी ने झारखंडवासियों को करमा पर्व की शुभकामनाएं दीं. कहा कि आज मंगल दिन है. इस समय झारखंड में प्रकृति पूजा की धूम है. जब सुबह मैं रांची पहुंचा, तो एक बहन ने जावा से मेरा स्वागत किया. इस पर्व में बहनें अपने भाई की कुशलता की कामना करती हैं. एक समय था, जब आधुनिक सुविधाएं कुछ राज्यों तक ही सीमित थीं, झारखंड जैसे राज्य आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्टर और विकास के मामले में पीछे छूट गए थे. झारखंड को विकास का नया आर्शीवाद मिला है. छह वंदे भारत की सौगात मिली है. झारखंड के हजारों लोगों को पक्का घर मिला है. उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा की धरती को नमन करता हूं.

प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह से...

पीएम मोदी ने भूत की बात की. कहा कि किसी पार्टी का भूत किसी और पार्टी में चला जाता है. पीएम मोदी ने ये सही बात कही. जब वे मंच पर गये तो उनको कई भूत नजर आये. कोई जेएमएम से गया हुआ भूत, कोई कांग्रेस से गया हुआ भूत, कोई जेवीएम से गया भूत. इससे पीएम को लगा कि यहां तो सभी भूत हैं. भाजपा के जो 240 सांसद जीत कर आये हैं, उनमें से 140 सासंद भूत ही हैं.यानी दूसरी पार्टियों के हैं. इनमें से 95 सांसद कांग्रेसी भूत हैं. मणिपुर में आग लगाने वाले असम के सीएम भी भूत हैं. वे भी कभी कांग्रेसी थे. डेढ़ साल से जो मणिपुर जल रहा है, इसके सीएम भी भूत हैं. मंच पर आगे की कुर्सियों पर सिर्फ एक बीजेपी का नेता था और वो थे शिवराज सिंह चौहान. कहा कि मंच पर मौजूद स्थानीय सासंद भी भूत ही थे. जो मंच का संचालन कर रही थीं. वो भी भूत हैं. पीएम मोदी के मंच पर भूतों का जमावड़ा लगा हुआ था. पीएम मोदी को सोते हुए में भी हर जगह का हार का भूत दिखाई दे रहा है. हरियाणा के साथ महाराष्ट्र में भी हार का भूत उनको दिखाई दे रहा है.

डीएमएफटी फंड कोई चमत्कार नहीं : सुप्रियो ने कहा कि पीएम ने डिस्ट्रिक माईनिंग फाउंडेशन ट्रस्ट की बात की. यह सिर्फ झारखंड के लिए नहीं है. ये देश के उन सभी राज्यों के जिलों के लिए है, जहां माइन्स और मिनरल्स हैं. इन जिलों से जो रॉयल्टी आती थी, उसका सिर्फ नाम बदल कर डिस्ट्रिक माईनिंग फाउंडेशन ट्रस्ट कर दिया. ये कोई बहुत चमत्कार की बात नहीं थी जिसकी चर्चा की गयी. दूसरी बड़ी बात उन्होंने ये कही कि पीएम आवास योजना को फिर से शुरू करेंगे.

झारखंड आने के बाद उन्हें शहीदों का नाम याद आता है : सुप्रियो ने कहा कि पीएम मोदी ने कभी पोटो हो का नाम नहीं लिया था, जबकि वे 2012 से झारखंड आ रहे हैं. मगर आज उन्होंने लिया. चूंकि सीएम हेमंत सोरेन ने पोटो हो के नाम से युवा वर्ग के लिए योजना की शुरुआत की, तो पीएम मोदी को भी पोटो हो का ख्याल आया. हेमंत ने पोटो हो के नाम से ग्रामीण खेल योजना की शुरुआत की. जब वो संथाल जाते हैं तो फूलो झानो के नाम से हमारी योजना के माध्यम से वे इन वीर क्रांतिकारी संथाली महिलाओं से परिचित होते हैं.

श्रवण रांची होते जमशेदपुर गए सरयू राय से की चुनावी मंत्रणा

रांची। बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार रविवार को सुबह 7.30 बजे रेल मार्ग से पटना से रांची. रांची रेलवे स्टेशन पर पार्टी के नेता डॉ आफताब जमिल, श्रवण कुमार, सागर कुमार, मनोज सिन्हा, विनय भरत, अशोक शर्मा व अन्य ने उनका स्वागत किया. श्रवण कुमार ने राजकीय अतिथिशाला में पार्टी के पदाधिकारियों से मुलाक़ात की और फिर सड़क मार्ग से जमशेदपुर रवाना हो गये. जमशेदपुर परिभ्रमण के दौरान उन्होंने जदयू विधायक सरयू राय से उनके निवास पर मुलाकात की. सरयू राय ने अपने निवास पर उनका स्वागत किया. इस दौरान दोनों नेताओं में आगामी विधानसभा चुनाव पर चर्चा हुई.

माहौल खराब करने के लिए हिमंता झारखंड में कर रहे कैंप: यशवंत

रांची। पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा पर निशाना साधा है. उन्होंने दो टूक कहा कि वे माहौल खराब करने के लिए झारखंड में कैंप कर रहे हैं. सिन्हा ने आशंका जताई है कि झारखंड में दंगा भी हो सकता है, जिसका लाभ भाजपा उठा सकती है. ऐसी परिस्थिति को देखते हुए झारखंड सरकार को उनपर केस दर्ज करना चाहिए. भाजपा के पास हिंदू-मुस्लिम के अलावा कुछ भी नहीं है. इससे पहले यशवंत सिन्हा ने अपनी पार्टी अटल विचार मंच की आधारशिला रखी. सबसे पहले उन्होंने ही पार्टी का फॉर्म भरकर सदस्यता ग्रहण की. उन्होंने कहा कि पार्टी विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी.

अफवाहों पर ध्यान न दें

ईसीआरकेयू पर भरोसा रखें : मो. जियाउद्दीन

चंदवा (लातेहार)। टोरी स्थित रेल के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों से मिलकर ईसीआरकेयू के अपर महामंत्री मो ज्याऊद्दीन ने यूपीएस के तहत सेवानिवृत्ति पर पेंशन की गारंटी सहित अन्य बिन्दुओं पर अपनी बात रखी. जियाउद्दीन सीआईसी दौरे के तीसरे चरण में लातेहार से टोरी के बीच के स्टेशनों पर पहुँच कर रेलकर्मियों से मिले और उनके शिकायतों समस्याओं का संकलन किया. रेलकर्मियों ने अपने समस्याओं सहित 24 अगस्त को केन्द्र सरकार द्वारा घोषित यूपीएस के प्रावधानों पर फैल रही अफवाहों और आशंकाओं को उनके समक्ष रखा. मो जियाउद्दीन ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा यूपीएस के तहत केन्द्रीय कर्मचारियों को अंतिम वर्ष के औसत मूल वेतन का पचास प्रतिशत राशि के रूप में पेंशन की गारंटी दी गई है. दस हजार रुपये न्यूनतम पारिवारिक पेंशन, मंहगाई भत्ता तथा मंहगाई राहत, ग्रेच्युटी तथा योगदान राशि में से एकमुश्त राशि का भुगतान की भी व्यवस्था की गई है.

केंद्रीय राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने किया उदघाटन

बोकारो में योजनाओं का शिलान्यास किया

संवाददाता। रांची

रविवार को बोकारो जिला के पेटरवार प्रखंड स्थित पिछरी (द.) पंचायत में एक भव्य शिलान्यास कार्यक्रम का ऑनलाइन उद्घाटन केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने किया. इस कार्यक्रम में 3.63 करोड़ रुपये की लागत से पिछरी (द.) पंचायत के तहत बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिए विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया. इस अवसर पर निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्रा, (एसडी और सीएसआर) एसएस. लाल, महाप्रबंधक धोरी क्षेत्र रंजय सिन्हा समेत गणमान्य उपस्थित थे. समारोह के दौरान सीसीएल की सीएसआर के तहत 150 सोलर लालटेन और जूट बैग जनजातीय छात्रों के बीच वितरित किए गए. इसके साथ ही 500 से अधिक लोगों ने स्वच्छता ही सेवा की शपथ ली.

ये परियोजनाएं समुदाय को सशक्त बनाने, सार्वजनिक सुविधाओं को बेहतर बनाने और स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई हैं। ग्रामीणों ने सीसीएल के इस पहल के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम में बेरमो विधायक के प्रतिनिधि उत्तम सिंह, पिछरी (द.) की मुखिया प्रमिला देवी, जिला परिषद सदस्य अशोक मुर्मू, सामाजिक कार्यकर्ता देवीदास, यूनियन प्रतिनिधि जवाहर यादव, कैलाश ठाकुर, भीम महतो, और धोरी क्षेत्र के विभिन्न विभागाध्यक्ष और परियोजना अधिकारी उपस्थित थे.

ये परियोजनाएं शामिल

- करनडीह में पार्क का निर्माण, पेंडरा तालाब का सौंदर्यीकरण, आधुनिक सुविधा युक्त विवाह, मंडप का विद्यापुरी मोहल्ले में निर्माण
- कई वार्डों में 15 सोलर हाई मास्ट लाइट की स्थापना

बेहतरीन नजारा बरसात में देखते ही बन रही है लोध फॉल और सुग्गा बांध की खूबसूरती

एहतियात की जरूरत,सेल्फी लेने किनारों पर न जाएं: उप निदेशक

आशीष टैगोर। लातेहार

लातेहार को खुबसूरत झरनों व पहाड़ों के लिए जाना जाता है. अगर यह कहें कि प्रकृति ने लातेहार को अपनी सारी नेमतों से नवाजा है तो गलत नहीं होगा. यूं तो जिले के लोध फॉल व सुग्गा बांध की खुबसूरती को शब्दों में बंया करना मुश्किल है. लेकिन बरसात के दिनों में इसकी खूबसूरती को मानो चार चांद लग जाते हैं. विगत कई दिनों से हो रही बारिश के कारण लोध फॉल और सुग्गा बांध में पानी उफान पर है और यही इसके सौंदर्य को बढ़ा रहा है. यही कारण है कि बरसात के दिनों में यहां काफी संख्या में सैलानी आते हैं. लेकिन पर्यटन के साथ ही साथ पर्यटकों को एहतियात बरतने की भी जरूरत है.

सुनसान निर्जन वनों के बीच है सुग्गा बांध : बेतला व नेतरहाट के बीच महुआडांड़ से 28 किलोमीटर व बारेसाढ़ थाना से सात किलोमीटर की दूरी पर यह जल प्रपात स्थित है. बेतला नेशनल पार्क से इसकी दूरी लगभग 50 किमी की है. यहां निजी वाहन से आसानी से पहुंचा जा सकता है. अपने अंदर पर्यटन असीम संभावना समेटे सुग्गा बांध चारों ओर ऊंची पहाड़ियों से घिरा है. तकरीबन 100 फीट की ऊंचाई से पानी की अविरल धारा चट्टानों पर गिरती है.

एहतियात बरतने की जरूरत : शनिवार रात से हुई लगातार बारिश के कारण नदियों का जल स्तर काफी बढ़ गया है. नदियों का जल स्तर बढ़ने से लोध फॉल और सुग्गा बांध जल प्रपात का बहाव काफी तेज एवं भयावह हो गया है. भारी बारिश को देखते हुए प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी कर दिया गया है. सभी नदिया उफान पर है. पानी की तेज और मोटी धार फॉल से गिर रहा है मगर इन सब के बीच लोध फॉल और सुग्गा बांध फॉल घूमने जाने वालों को पानी के नजदीक जाना काफी खतरनाक भी हो गया है. पीटीआर के उपनिदेशक कुमार आशीष ने लोगो से एहतियात बरतने की अपील किया है. कहा कि बारिश से नदियां उफान पर हैं, ऐसे में सतर्कता के साथ जायें. सेल्फी के चक्कर में तेज धारा के पास जाने से परहेज करें. सुग्गा बांध तक पहुंचने के लिए आवागमन सुगम नहीं होने के कारण सैलानी वहां आसानी से नहीं पहुंच पाते हैं. यहां तक पहुंच पथ को सुदृढ़ करना आवश्यक है. इसके अलावा सैलानियों को बैठने एवं ठहरने की व्यवस्था यहां हो जाने से सैलानियों को यहां आकर्षित किया जा सकता है.

झारखंड का सबसे उच्चा जलप्रपात है लोध फॉल

झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 100 किलोमीटर दूर लातेहार जिला के महुआडांड़ अनुमंडल में लोध जलप्रपात एक दर्शनीय और मनोरम स्थल है. महुआडांड़ से 15 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर पश्चिम दिशा में अवस्थित यह जल प्रपात झारखंड राज्य का सबसे उच्चे जलप्रपातों में यह शुमार है. बुढ़ा नदी पर अवस्थित होने के कारण इसे बुढ़ा घाघ भी कहते हैं. यहां तकरीबन 150 मीटर की ऊँचाई से नीचे पानी गिरता है. इतनी उंच्चाई से गिरते पानी को देखने पर लगता है कि यहां चांदी की कोई परत पड़ी हो. जिस स्थान पर पानी गिरता है वह समुद्रतल से 800 मी. की ऊँचाई पर है.

न्यूज अपडेट

मेरठ में मकान गिरने से 10 लोग मरे

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में तीन मंजिला इमारत गिरने के कारण अब तक 10 लोगों की मौत हो गई है. एक अधिकारी ने रविवार को 10 लोगों की मौत की पुष्टि की है. मेरठ के जिला मजिस्ट्रेट दीपक मीणा ने बताया कि मृतकों में एक पुरुष, तीन महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं. उन्होंने कहा कि शनिवार को मेरठ की जाकिर कॉलोनी में अचानक तीन मंजिला इमारत ढह गया था. इसके बाद मौके पर पहुंच बचाव अभियान शुरू किया गया. शनिवार से अब तक 10 लोगों के शव बरामद कर लिये गये हैं.

गाजा पर इजरायली हमलों में 21 मरे

गाजा। गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 21 फिलिस्तीनी मारे गए हैं. फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि एक इजरायली युद्धक विमान ने गाजा शहर के पूर्व में अल-तुफ्फाह इलाके में एक आवासीय घर पर मिसाइल से हमला किया, जिसमें तीन बच्चों और एक महिला सहित 10 लोग मारे गए. उत्तर-पश्चिम में एक स्कूल के पास हवाई हमले में कम से कम पांच फिलिस्तीनी मारे गए. खान यूनिस शहर के पश्चिम में अल-मवासी क्षेत्र में विस्थापित लोगों के तंबू पर गोलाबारी में छह लोग मारे गए.

हूती विद्रोहियों व सरकारी बलों में झड़प

अदन (यमन)। देश के दक्षिणी प्रांत लाहज में हूती विद्रोहियों और सरकार समर्थक बलों के बीच भीषण झड़पें हुईं. स्थानीय अधिकारी ने शिन्हुआ को बताया कि शनिवार को सशस्त्र संघर्ष तब शुरू हुआ जब हूती विद्रोहियों ने लाहज और तैज प्रांतों की प्रशासनिक सीमाओं पर रणनीतिक पहाड़ी स्थानों पर नियंत्रण करने का प्रयास किया. हूती नए क्षेत्र पर कब्जा करने में नाकाम रहे, लेकिन उन्होंने संपर्क लाइनों के पास सैन्य ठिकाने स्थापित कर लिए. प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले कई परिवारों को अपने घर खाली करने पड़े.

जादू टोना के शक़ में हमला, 3 की मौत

सुकमा। मालदीव छत्तीसगढ़ के सुकमा ज़िले के कोंटा थाना क्षेत्र में जादू-टोना के शक में पांच ग्रामीणों पर लाठी-डंडों से हमला किया गया है. माओवाद प्रभावित इस ज़िले के एतकल नाम के गांव में हुई इस घटना में तीन महिलाओं समेत कुल पांच ग्रामीणों की मौत हो गई है. सुकमा पुलिस अधीक्षक किरन चव्हाण ने बीबीसी संवाददाता विष्णुकांत तिवारी को बताया है कि ₹एतकल गांव में प्रधान आरक्षक के परिवार के पांच लोगों की जादू टोने के शक में ग्रामीणों ने हत्या कर दी है. इस मामले में अभी जांच जारी है.

मिस्र में 2 ट्रेनों की टक्कर में तीन की मौत

काहिरा। मिस्र की राजधानी काहिरा के उत्तर में शर्किया प्रांत में दो ट्रेनों की टक्कर हो गई. इस दुर्घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 49 अन्य घायल हो गए. शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि 44 लोगों को मामूली चोटें आई हैं. वहीं अन्य पांच लोग गंभीर रूप से घायल हैं. इस बीच, गवर्नर हजेम अल-अश्मौनी ने बताया कि दोनों ट्रेनों से सभी यात्रियों को निकाल लिया गया है तथा रेलवे लाइन पर ट्रेन यातायात बहाल करने के प्रयास जारी हैं.

ग्रेनेड हमले का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में बुधवार को एक कोठी पर हुए ग्रेनेड हमले के दूसरे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से आरोपी को गिरफ्तार किया है. आरोपी की पहचान विशाल मसीह पुत्र साबी मसीह के रूप में हुई है. वह गांव ध्यानपुर (गुरदासपुर) का रहने वाला है. इसे पंजाब पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है. इससे पहले पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसी के साथ संयुक्त अभियान चलाकर ग्रेनेड हमले के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया था.

पुंछ में सुरक्षाबलों व आतंकियों में मुठभेड़

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच बीती रात मुठभेड़ हो गई. पूरी रात सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच रुक-रुककर गोलीबारी जारी रही. अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शनिवार शाम मेंढर के गुरसाई टॉप के पठानतीर इलाके की घेराबंदी की, तभी छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई. इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी हुई.

पीएम का तीन दिनी गुजरात दौरा आज से

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार से तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर रहेंगे. प्रधानमंत्री के तीन दिवसीय दौरे पर गुजरात को कई परियोजनाओं की सौगात मिलेगी. वह रेलवे से संबंधित परियोजनाओं को हरी झंडी दिखाएंगे. प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा के अभियान का शंखनाद किया. रविवार को प्रधानमंत्री झारखंड में थे.

'वक्फ सं. विधेयक लाने की जरूरत नहीं थी'

पटना। वक्फ (संशो. विधेयक, 2024 को लेकर पटना में इमारत-ए-शरिया ने एक बैठक की. इस बैठक में कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश शाहिदुल्लाह मुंशी ने भी शिरकत की. उन्होंने कहा कि वक्फ विधेयक, 1995 में साल 2013 में जो संशोधन लाया गया था, उसके बाद मौजूदा सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधनों की जरूरत नहीं थी. न्यायमूर्ति (रि.) मुंशी ने कहा, 'केंद्र द्वारा विधेयक संसद में पेश किया गया. विरोध के बाद इसे संयुक्त संसदीय समिति में भेज दिया गया है. इस विधेयक से सिर्फ नुकसान ही होगा'

देश और दुनिया में उत्साह से मनाया गया शासन के सबसे लोकप्रिय रूपों में से एक लोकतंत्र का अंतरराष्ट्रीय दिवस

लोकतंत्र आज दुनिया में सरकार के सबसे लोकप्रिय रूपों में से एक है. हर साल की तरह 15 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के रूप में मनाया गया. 2007 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिन की स्थापना के लिए एक प्रस्ताव पारित किया. लोकतंत्र का अंतरराष्ट्रीय दिवस ये याद करने का अवसर प्रदान करता है कि लोकतंत्र लोगों के बारे में और लोगों के लिए है. लोकतंत्र का मतलब होता है, न कोई राजा और न कोई गुलाम इसमें सब एक समान हैं. हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है. लोकतंत्र एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें किसी भी देश के नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करके एक प्रतिनिधि को चुनते हैं. बेंगलुरु के विधान सौधा में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के अवसर पर मानव श्रृंखला आंदोलन के उद्घाटन में कलाकार भाग लेते हुए.

डेमोग्राफी देश के विकास में निभाएगी महत्वपूर्ण भूमिका

एजेंसी। नयी दिल्ली

- 2045 तक 17.9 करोड़ बढ़ जाएगी कामकाजियों की संख्या

भारत की डेमोग्राफी आने वाले वर्षों में देश के विकास में बड़ी भूमिका निभाएगी. 2045 तक देश में कामकाजी लोगों की संख्या में 17.9 करोड़ का इजाफा होगा. एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है. मौजूदा समय में भारत की कामकाजी लोगों की संख्या 96.1 करोड़ है और बेरोजगारी दर पांच वर्ष के निचले स्तर पर है.

वैश्विक निवेश फर्म जेफरीज के अनुसार, भारत में कामकाजी लोगों की संख्या (25 से 64 वर्ष की आयु) में इजाफा हो रहा है और कुल आबादी का एक बड़ा हिस्सा सेविंग्स और निवेश को लेकर सकारात्मक है. भारत में कामकाजी लोगों में महिलाओं की संख्या बढ़ रही है, जो कि लेबर फोर्स बढ़ने की अहम वजह है. जेफरीज के ताजा नोट में कहा गया है कि कामकाजी लोगों की संख्या में बढ़ोतरी में धीमापन 2030 से आना शुरू हो जाएगा. सांख्यिकी मंत्रालय के डेटा के मुताबिक, भारत में श्रम बल भागीदारी दर 15 वर्ष या उससे अधिक उम्र के लोगों में अप्रैल-जून में बढ़कर 50.1 प्रतिशत हो गई है, जोकि अप्रैल-जून 2023 में 48.8 प्रतिशत थी, जो दिखाता है कि देश में रोजगार में इजाफा हो रहा है. इस साल अप्रैल से जून की अवधि में 15 वर्ष या उससे अधिक की उम्र की महिलाओं में एलएफपीआर दर बढ़कर 25.2 प्रतिशत हो गई है, जोकि 2023 की समान अवधि में 23.2 प्रतिशत थी.

नाटो बोला-यूक्रेन सहयोगियों से मिले हथियारों का इस्तेमाल करे, रूस की चेतावनी; कहा

पश्चिमी देशों की दखलंदाजी से खत्म हो रहा है हमारा धैर्य

एजेंसी। मास्को/प्राग

रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने कहा है कि पश्चिमी देशों की दखलंदाजी से रूस का धैर्य खत्म हो रहा है. मेदवेदेव ने टेलीग्राम चैनल के जरिए चेतावनी भरे अंदाज में ये बात कही. मेदवेदेव ने कहा कि "परमाणु संघर्ष किसी के हित में नहीं है. रूस ने खासतौर पर रूसी क्षेत्र में बहुत अंदर तक सटीक हमले करने के मामले में अब तक पश्चिमी देशों की दखलंदाजी के जवाब में अपनी परमाणु क्षमताओं का इस्तेमाल करने में संयम बरता है. हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि 'सबसे बड़े धैर्य की भी अपनी सीमाएं' होती हैं. इसी बीच, उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सैन्य समिति के अध्यक्ष रॉब बाउर ने कहा कि यूक्रेन को जो हथियार सहयोगियों से मिले हैं उनके इस्तेमाल पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाना चाहिए.

समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, यह चेतावनी यूक्रेनी सेना को सामरिक मिसाइल प्रणाली प्रदान करने के संबंध में अमेरिका द्वारा की गई चर्चा के बाद आई है. रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रयाबकोव ने दावा किया कि पश्चिमी नेताओं ने पहले ही निर्णय ले लिया है कि यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों के इस्तेमाल की अनुमति दी जाए- उन्होंने कीव को भी इसकी जानकारी दे दी है, जिसके बाद मॉस्को को अपनी तरह से जवाब देने के लिए मजबूर होना पड़ेगा. सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए के अनुसार रयाबकोव ने कहा, "निर्णय हो चुका है, पूर्ण स्वतंत्रता और सभी रियायतें (कीव को) दे दी गई है, इसलिए हम हर चीज के लिए तैयार हैं." क्रेमलिन ने भी बढ़ते खतरे को भांपते हुए सजग रहने का संकेत दिया है, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूस जवाबी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है.

'यूक्रेन को मिले हथियारों के इस्तेमाल पर से बैन हटे'

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्राग में नाटो सैन्य समिति की बैठक के बाद बाउर ने कहा कि यूक्रेन को मिले हथियारों के इस्तेमाल पर से प्रतिबंध हटाना चाहिए. ऐसा करना सैन्य नजरिए से तर्कसंगत होगा. उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर राजनीतिक चर्चा हो रही है. चेक न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यूक्रेन को मिले हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध को लेकर विभिन्न स्तरों पर बहस चल रही है. चेक गणराज्य, स्वीडन और नीदरलैंड जैसे देश हथियारों के इस्तेमाल के लिए कोई शर्त नहीं रखते हैं. बता दें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को चेतावनी दी थी कि यूक्रेन को लंबी दूरी के हथियार उपलब्ध कराने का मतलब, पश्चिमी देशों के रूस-यूक्रेन संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होना होगा. रूसी मीडिया ने पुतिन के हवाले से कहा कि ऐसी परिस्थितियों में रूस को नए खतरों के आधार पर "उचित निर्णय" लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा. वेस्टर्न मीडिया के अनुसार, यूक्रेन अपने पश्चिमी सहयोगियों से लगातार अपील कर रहा है कि वे उसको अपनी मिसाइलों का इस्तेमाल करने की अनुमति दें. ताकि कीव रूसी क्षेत्र में भीतर तक हमला कर सकें. कीव जिन मिसाइलों के इस्तेमाल की अनुमति मांग रहा है उनमें लंबी दूरी की मिसाइलें भी शामिल हैं.

पश्चिम देशों के प्रतिबंध पर भड़के ईरान के विदेश मंत्री

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अर्घची ने कुछ पश्चिमी देशों द्वारा तेहरान पर लगाए गए नए प्रतिबंधों की आलोचना की. ईरान के विदेश मंत्री ने आईआरआईबी समाचार एजेंसी को दिए इंटरव्यू में इस मुद्दे पर बात की है. ईरान पर अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी ने नए प्रतिबंध लगाए हैं. ईरान पर रूस को बैलिस्टिक मिसाइल बेचने का आरोप है. सैय्यद अब्बास अर्घची ने इंटरव्यू के दौरान कहा, "पश्चिमी देशों को पता होना चाहिए और यह आश्चर्यजनक है कि वे अभी भी नहीं जानते हैं कि प्रतिबंध एक विफल उपयोग है और वे प्रतिबंधों के माध्यम से ईरान पर अपने इरादों को नहीं थोप पाएंगे, चाहे परमाणु मुद्दें हो या अन्य देशों के संबंध में हों." शिन्हुआ के मुताबिक, उन्होंने कहा कि ईरान मजबूती के साथ अपनी राह पर आगे बढ़ता रहेगा. हालांकि, हमारा देश हमेशा बातचीत के लिए रास्ता खुला रखेगा, लेकिन ऐसी कूटनीतिक प्रक्रिया आपसी सम्मान पर आधारित होनी चाहिए. ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने शनिवार को कहा कि ईरान द्वारा रूस को बैलिस्टिक मिसाइलों की बिक्री के बारे में कोई भी दावा निराधार है.

...तो सत्ता में बैठे कुछ लोगों की बलि देकर आजादी हासिल करनी होगी

- संजय राउत बोले-नितिन गडकरी को पीएम पद का ऑफर देना गलत नहीं

एजेंसी। मुंबई

लोकसभा चुनाव 2024 के कई महीने बाद केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है. उन्होंने कहा कि विपक्ष के एक नेता ने उन्हें पीएम पद का ऑफर दिया था. उनके इस बयान के बाद राजनीति गरमा गई है. शिवसेना नेता संजय राउत ने रविवार को इस पर प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा, "नितिन गडकरी भाजपा के सबसे सर्वमान्य नेता हैं और मुझे नहीं लगता कि किसी ने उनसे प्रधानमंत्री पद के लिए पैरवी करने को कहा होगा. जिस तरह से इस देश में तानाशाही चल रही है और जिस तरह से दस साल पहले आपातकाल की शुरुआत हुई थी. उन्हें अगर यह सलाह किसी ने दी है, विपक्ष के किसी नेता ने दी है तो मुझे इसमें कुछ भी गलत नहीं लगता."

संजय राउत ने कहा, "मुझे लगता है कि अगर कोई मौजूदा सरकार में रहते हुए भी इस देश के मूल्यों, लोकतंत्र, न्यायपालिका और स्वतंत्रता से नहीं जुड़ता है, तो यह राष्ट्रीय अपराध है. नितिन गडकरी ने हमेशा इन सबके खिलाफ बोला है, आवाज उठाई है और अपने विचार व्यक्त किए हैं. इसलिए अगर विपक्ष के किसी बड़े नेता ने, जिनका वह बहुत सम्मान करते हैं, उन्हें कुछ सलाह दी है, तो इसमें दुखी होने की जरूरत नहीं है. जगजीवन राम ने इन्हीं मूल्यों के कारण 1977 में कांग्रेस पार्टी छोड़ दी थी और इंदिरा गांधी की हार हुई थी. अगर देश में आजादी, लोकतंत्र और न्यायपालिका को बनाए रखना है, तो सत्ता में बैठे कुछ लोगों की बलि देकर आजादी हासिल करनी होगी."

क्या खुलासा किया था गडकरी ने : आपको बता दें कि नितिन गडकरी ने यह खुलासा लोकसभा चुनाव संपन्न होने के करीब 3 महीने बाद किया है. उन्होंने यह खुलासा शनिवार को नागपुर में पत्रकारिता पुरस्कार समारोह के दौरान किया. हालांकि, 21 अगस्त 2023 को शिवसेना (यूबीटी) नेता विनायक राउत का एक बयान सामने आया था, जिसमें उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को इंडिया ब्लॉक में शामिल होने का न्योता दिया था. विनायक राउत ने कहा था कि उनकी पार्टी गडकरी को अगला प्रधानमंत्री बनाने की कोशिश करेगी. उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व गडकरी को प्रधानमंत्री पद का दावेदार मानता है और उनके राजनीतिक करियर को खत्म करने की साजिश कर रहा है.

फिलीपींस में तूफान 'बेबिंका' के कारण छह लोगों की मौत

मनीला। तूफान 'बेबिंका' के कारण फिलीपींस में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम दो लोग लापता हो गए और हजारों लोग बेघर हो गए. राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन परिषद ने जानकारी दी कि दक्षिणी फिलीपींस के जाम्बोआंगा प्रायद्वीप में दो लोगों की मौत हुई, जबकि मुस्लिम मिंडानाओ के बंगसामोरो स्वायत्त क्षेत्र में चार लोगों की जान गई. एजेंसी ने कहा कि चक्रवात 'बेबिंका' ने लगभग 300 गांवों के 200,000 से अधिक लोगों को प्रभावित किया.

रोमानिया का गलाती काउंटी भीषण बाढ़ से कर रहा संघर्ष

बुखारेस्ट। रोमानिया का गलाती काउंटी तूफान 'बोरिस' से आई भीषण बाढ़ से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है. स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, चक्रवात (तूफान) के कारण शनिवार को भारी बारिश हुई. इसके कारण बाढ़ आने से पांच लोगों की जान चली गई और 250 से अधिक निवासी विस्थापित हुए हैं. वहीं 25,000 से ज्यादा घरों में बिजली गुल हो गई और 12 शहरों के 5,000 से अधिक घर प्रभावित हुए. रोमानियाई सरकार ने आपातकालीन संसाधन जुटाए हैं.

मौलाना महमूद मदनी का ऐलान डीजे बजा तो नहीं होने देंगे शादी!

एजेंसी। नयी दिल्ली

- कानून बनाया जाए, क्योंकि इतनी धूमधाम से शादियां गरीबों का मजाक बनाती हैं

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना मदनी ने मुसलमानों की शादी को लेकर बड़ी बात कही है. उन्होंने कहा कि जिस शादी में डीजे होगा और जरूरत से ज्यादा खर्च किया जाएगा, उस शादी को हम होने नहीं देंगे. उन्होंने कहा कि सरकार को कानून बनाना चाहिए क्योंकि इतनी धूमधाम से शादियां गरीबों का मजाक बनाती हैं. आप की अदालत कार्यक्रम में एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, हम यह फैसला कर रहे हैं कि जिस शादी में जरूरत से ज्यादा खर्च किया जाएगा और रौशनी की जाएगी. जिस शादी में पर्यावरण का ध्यान नहीं रखा जाएगा. जिस शादी में गरीब की गुरबत का मजाक उड़ाया जाएगा. उस शादी को हम होने नहीं देंगे. गरीब को पीने का ठीक-ठाक पानी नहीं मिल रहा है और आप शादी में इतना खर्च करते हैं. आप कैसा मुल्क बनाना चाहते हैं. उन्होंने कहा, यह समाज का मामला है. हमें आपको और पूरे समाज को मिल कर यह काम करना चाहिए. समाज को गलत रास्ते पर नहीं जाने देना चाहिए. सब लोगों को ठीक से बैठ कर चिंता करनी चाहिए. इस कार्यक्रम में महमूद मदनी ने गैंगस्टर से राजनेता बने मुख्तार अंसारी की जम कर तारीफ की. उन्होंने कहा कि मुखतार गरीबों के मसीहा थे. मदनी ने कहा, आप जाकर पता कर लीजिए. उनके साथ बड़ी संख्या में गैर मुस्लिम थे. वह गरीबों का आदमी था. मौलाना मदनी ने कहा कि कि किसी के जो भी अच्छे काम हैं उनके बारे में कहना ही पड़ेगा. एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि टूथपेस्ट में भी हलाल का सर्टिफिकेट होना चाहिए. इसमें कहीं-कहीं जिलेटिन का इस्तेमाल किया जाता है, जो कि जानवरों की हड्डियों से बनाया जाता है. ऐसे में पता लगाना जरूरी है कि यह पाक है या नहीं.

दिल्ली के सीएम केजरीवाल के इस्तीफे के ऐलान पर भाजपा व कांग्रेस की तीखी प्रतिक्रिया, कहा

'खुशी होती अगर वह यह फैसला पहले लेते'

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा देने का ऐलान करके राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज कर दी. उनके इस ऐलान पर भाजपा और कांग्रेस की ओर से तीखी प्रतिक्रियां सामने आई हैं.

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री केजरीवाल के इस्तीफे पर कहा, "हम उनके इस फैसले का स्वागत करते हैं. उन्होंने देर से ही सही, लेकिन अच्छा फैसला लिया है. लेकिन अब इसमें भी दो दिन का किस बात का इंतजार है, मुझे समझ नहीं आ रहा है. लेकिन जब जागो तभी सवेरा. मुझे खुशी होती अगर वह यह फैसला आज से चार महीने पहले लेते, जब दिल्ली की जनता विभिन्न प्रकार की दुश्वारियों से जूझ रही थी, लेकिन उस वक्त उन्होंने कोई फैसला नहीं लिया." कांग्रेस नेता ने आगे कहा, "मैं एक बार फिर इस बात पर बल देना चाहता हूं कि केजरीवाल ने बिल्कुल बेहतर फैसला लिया है, लेकिन मुझे यह समझ नहीं आ रहा है कि वह किस बात का इंतजार कर रहे हैं. आखिर दो दिन में ऐसा क्या बदल जाएगा, जिसका वह इंतजार कर रहे हैं. आखिर उन्हें इस्तीफा देना था, तो तुरंत देते. आखिर दो दिन का इंतजार किस बात का, हम तो पहले से ही इस बात पर जोर देते आए हैं कि जेल से रहकर बेहतर तरीके से प्रशासनिक व्यवस्था का संचालन नहीं किया जा सकता है. मैं फिर से इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि अगर वह यह फैसला चार महीने पहले लेते, तो ज्यादा बेहतर रहता."

भाजपा नेता हर्ष मल्होत्रा ने केजरीवाल के इस्तीफा देने के ऐलान पर प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा, "ऐसा मुख्यमंत्री जो दिल्ली की जनता के लिए कोई नीति निर्धारित करने की दिशा में किसी भी प्रकार का हस्ताक्षर नहीं कर सकता, उन्हें इस पद पर रहने का कोई नैतिक हक नहीं है. आम आदमी पार्टी में इतने सारे कार्यकर्ता हैं, उनमें से किसी एक को मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए. मुख्यमंत्री अब खुद के महिमामंडन में लग गए हैं. कहां शहीद-ए-आजम भगत सिंह, जिन्होंने देश को आजादी दिलाने के लिए जेल गए और फांसी के फंदे को चूमा.'

'सुप्रीम कोर्ट भी केजरीवाल को सीएम के लायक नहीं मानता'

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि केजरीवाल को काफी पहले इस्तीफा दे देना चाहिए था. अब इस इस्तीफे का कोई मतलब नहीं है. नैतिकता की दवा देकर वह मुख्यमंत्री तो बन गए, लेकिन उन्होंने इसकी कोई झलक नहीं दिखाई. सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देते हुए कहा है,आप दफ्तर नहीं जा सकते, आप अधिकारियों से नहीं मिल सकते, आप वहां कोई फाइल साइन नहीं कर सकते. सुप्रीम कोर्ट को अरविंद केजरीवाल पर भरोसा नहीं है. यह ऐसा व्यक्ति है जो 'उनकी नजर में इस समय मुख्यमंत्री बनने के लायक नहीं है.'

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव | राजौरी के युवा मतदाता मतदान को लेकर उत्साहित, बातचीत में उठाए कई मुद्दे

महिलाओं की सुरक्षा व समाज के विकास को प्राथमिकता देंगे मतदाता

एजेंसी। राजौरी

जम्मू-कश्मीर में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाता काफी उत्साहित हैं. दरअसल राज्य में 10 साल बाद विधानसभा चुनाव हो रहे हैं. युवा मतदाता अपने वोट की अहमियत समझ रहे हैं और वोट डालने से पहले कई तरह के मुद्दे उनके जेहन में हैं. इनमें मुख्य रूप से महिला सुरक्षा, देश में बदलाव और तरक्की लाने के लिए मजबूत सरकार जैसे मुद्दे शामिल हैं. युवाओं का कहना है कि वे अपने वोट का इस्तेमाल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए करेंगे, खासकर महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देंगे. इन सभी मुद्दों पर राजौरी पीजी कॉलेज के कुछ छात्रों ने आईएएनएस से बात की है.

छात्रा रितिका शर्मा ने कहा कि वह पहली बार वोट डालेंगी. वह अपनी सरकार चुनने के लिए काफी उत्साहित हैं. उन्होंने कहा कि पहले वह सुनती थी कि देश और समाज में एक वोट का बहुत बड़ा योगदान होता है. लोगों को अपने वोट का प्रयोग उन्हीं के लिए करना चाहिए जो समाज और राज्य का विकास करे. उन्हें छोटी-बड़ी स्थानीय समस्याओं का समाधान करना चाहिए. रितिका ने कहा कि वह अपने प्रत्याशी से उम्मीद करती हैं कि वह सबसे पहले महिला सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाएं. वह राज्य में सत्ता में आने वाली सरकार से महिलाओं पर अत्याचार करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग करती हैं. उन्होंने कहा कि सरकारों ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान चलाए हैं, लेकिन उस पर कोई काम नहीं हो रहा है. सत्ता में आने वाली सरकार को सबसे पहले महिलाओं के कल्याण के बारे में सोचना चाहिए. प्रदेश में बेरोजगारी से जूझ रहे युवाओं के बारे में कहा कि प्रदेश में युवा बड़ी-बड़ी डिग्रियां लेकर घूम रहे हैं.

जो भी सरकार आए, उसे महिलाओं की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाना चाहिए

एक अन्य छात्रा पायल शर्मा भी पहली बार वोट डालने को लेकर उत्साहित हैं. महिला सुरक्षा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि आज देश में महिलाओं के साथ इतना दुर्व्यवहार हो रहा है कि लोग घर से बाहर निकलने से भी डरने लगे हैं. प्रदेश में जो भी सरकार आए, उसे महिलाओं की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाना चाहिए. इसके साथ ही पायल ने आने वाली सरकार से युवाओं के लिए रोजगार की उम्मीद भी जताई है. नरगिस जमील ने कहा कि वह पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगी.

अपनी आजादी के नाम पर वोट देना चाहिए : जुल्फिकार अली पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करने जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमने देखा है कि कुछ लोग चंद पैसों के लिए अपना वोट बेच देते हैं, लेकिन हमें विकास और अपनी आजादी के नाम पर वोट देना चाहिए. हमें वोट बेचने की पुरानी प्रथाओं को छोड़कर समाज के हित में वोट करना चाहिए. नदीम ने कहा कि उनकी विधायक से अपेक्षा है कि वह विकास के लिए काम करेगा. धर्म और जातिवाद से ऊपर उठकर वोट करना चाहिए.

अनिल विज बोले- मैं मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी पेश करूंगा

एजेंसी। अंबाला

हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता और अंबाला से विधायक अनिल विज ने रविवार को मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी की बात कही है. अनिल विज ने रविवार को अंबाला में अपने चुनाव कार्यालय में संकल्प पत्र जारी करने के दौरान यह बात कही है.

भाजपा नेता ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, "मैं हरियाणा का वरिष्ठ विधायक हूं. मैं छह बार विधायक बन चुका हूं और सातवीं बार चुनाव लड़ रहा हूं. मैंने आज तक पार्टी से कभी कुछ नहीं मांगा, लेकिन इस बार मुझ पर पूरे हरियाणा और अंबाला की जनता का मुख्यमंत्री बनने के लिए बहुत दबाव पड़ रहा है." उन्होंने आगे कहा, "इसलिए इस बार मैं वरिष्ठ नेता होने के दम पर मुख्यमंत्री पद का दावा करूंगा. वो मुझे सीएम बनाते हैं या नहीं ये उनका अधिकार क्षेत्र है. यदि मुझे मुख्यमंत्री बना दिया तो मैं हरियाणा की तकदीर बदल दूंगा, मैं हरियाणा की तस्वीर बदल दूंगा." बता दें कि अनिल विज इस बार वह सातवीं बार चुनावी मैदान में हैं. इसके अलावा वह हरियाणा सरकार में गृहमंत्री भी रह चुके हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - दीपक कुमार अम्बष्ठ*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)